ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य के पुलिस थाने कांग्रेस कार्यालय की तरह काम कर रहे : विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 06 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-94

वक्फ बिल पास होते ही केरल के गांव गांव में खुशी की लहर

भाजपा में शामिल हुए मुनंबम गांव के ईसाई

तिरुवनंतपुरम, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा और राज्यसभा से वक्फ संशोधन विधेयक पारित होते ही केरल में वक्फ के नाम पर चल रही गुंडागर्दी से आजिज 50 से अधिक ईसाई समुदाय के लोग भाजपा में शामिल हो गए। ये सभी लोग केरल के मुनंबम के रहने वाले हैं। लगभग 404 एकड़ में फैला मुनंबम वही इलाका है, जिस पर वक्फ बोर्ड ने अपना दावा ठोक रखा है। इस दावे की वजह से यहां रहने वाले 600 से अधिक ईसाई और हिंदू परिवारों पर ग्रहण लग गया है। वक्फ बिल पास होने से इन लोगों में अपार खुशी का माहौल है।

वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने के बाद भाजपा की केरल इकाई के नेताओं ने मुनंबम का दौरा किया। वहां के लोगों ने भाजपा नेताओं का जोरदार स्वागत किया और 50 से अधिक लोग पार्टी में शामिल हो गए। केरल के इस तटीय गांव के लोग वक्फ बोर्ड के दावों के खिलाफ पिछले 174 दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने वहां पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की। चंद्रशेखर ने उनसे कहा, यह राज्य के राजनीतिक इतिहास का एक महत्वपूर्ण दिन है। इस आंदोलन ने प्रधानमंत्री और संसद को वक्फ संशोधन विधेयक पारित करने की ताकत दी है। जब तक आपको जमीन पर राजस्व अधिकार वापस नहीं मिल जाते, हम आपके साथ हैं।

मुनंबम की 404 एकड़ जमीन पर वक्फ बोर्ड ने ठोका था दावा

मुनंबम के लोगों को उनके सांसदों और विधायकों ने धोखा दिया है, लेकिन आम लोगों की आवाज आखिरकार संसद तक पहुंची और उसने अपना असर दिखाया।मुनंबम में प्रदर्शनकारियों की कार्यसमिति के संयोजक जोसेफ बेनी ने बताया कि भाजपा में शामिल होने वाले सभी 50 लोग ईसाई हैं। वे पहले कांग्रेस और सीपीआई (एम) को वोट देते थे। ईसाई बहुल मुनंबम के लोगों को उम्मीद है कि वक्फ (संशोधन) विधेयक के पारित होने से वक्फ बोर्ड द्वारा उनकी भूमि पर किए दावों का समाधान निकालने में मदद मिलेगी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने चंद्रशेखर से पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की व्यवस्था करने का अनुरोध किया, ताकि वे उनका आभार व्यक्त कर सकें। इस पर चंद्रशेखर ने प्रधानमंत्री कार्यालय से बात करने का आश्वासन दिया है। आभार प्रकट करने के लिए मुनंबम विरोध समिति ने चंद्रशेखर को ईसा मसीह के अंतिम भोज की एक तस्वीर भेंट की। वहीं, फादर एंटनी जेवियर ने लोगों के बीच मिठाइयां बांटी।

कैथोलिक चर्च से जुड़े मलयालम दैनिक दीपिका ने कहा कि कांग्रेस और वामपंथी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर अल्पसंख्यकों में भय पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। दरअसल, कैथोलिक चर्च ने कांग्रेस और वामपंथी से आग्रह किया था कि वे अपने सांसदों को वक्फ कानून में जनविरोधी धाराओं को हटाने के लिए लाए गए वक्फ संशोधन बिल के पक्ष में मतदान करने के लिए कहें। हालांकि, दोनों दलों ने चर्च की इस मांग को खारिज कर दिया था। कैथोलिक चर्च मुनंबम के लोगों के साथ खड़ा है।

▶10 पर

थाईलैंड के बाद श्रीलंका में हुआ प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत

नरेंद्र मोदी श्रीलंका के मित्र-विभूषण

कोलंबो, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

थाईलैंड के बाद श्रीलंका में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कोलंबो के इंडिपेंडेंस स्क्वॉयर पर भव्य स्वागत किया गया। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने पीएम मोदी का स्वागत किया। बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीयों ने भी भारत का तिरंगा लेकर उत्साह के साथ मोदी और भारत जिंदाबाद के नारे लगाए। पीएम मोदी ने भी भारतीय समुदाय के लोगों का आभार जताया। स्वागत के साथ पीएम को गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने एक भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रीलंका के सर्वोच्च सम्मान मित्र-विभूषण से नवाजा। इस सम्मान के साथ पीएम मोदी श्रीलंका के मित्र-विभूषण हो गए। इस सम्मान को मोदी ने भारत के 140 करोड़ लोगों का सम्मान बताया और श्रीलंका के प्रति आभार जताया है। श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके के शासन में आने के बाद पीएम मोदी का यह पहला श्रीलंकाई दौरा है। श्रीलंका वर्तमान में एक बड़े आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। भारत ने अब तक 4.5 अरब डॉलर की मदद की है। इस दृष्टिकोण से भी पीएम मोदी का यह दौरा श्रीलंका के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

श्रीलंका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजे गए पीएम मोदी

दोनों देशों के बीच रक्षा और सूचना सहित 8 बड़े समझौते हुए

मित्र-विभूषण पुरस्कार में दिया गया धर्म चक्र साझा बौद्ध विरासत को दर्शाता है जिसने दोनों देशों की सांस्कृतिक परंपराओं को आकार दिया है। चावल के ढेरों से सजा कलश समृद्धि और नवीनीकरण का प्रतीक है।

▶10 पर

छत्तीसगढ के दंतेवाड़ा में केंद्रीय गृह मंत्री का ऐलान

अगली चैत्र नवरात्रि तक खत्म हो जाएगा लाल आतंक

दंतेवाड़ा/रायपुर, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा, आज मैं मां दंतेश्वरी से आशीर्वाद लेकर आया हूं कि अगले चैत्र नवरात्रि तक यहां से लाल आतंक समाप्त हो जाए और हमारा बस्तर खुशहाल हो। उन्होंने बस्तर के महराजा प्रवीरचंद भंजदेव को याद किया और कहा कि भंजेदव की हत्या कांग्रेस का षड्यंत्र था। केंद्रीय गृहमंत्री शाह बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति से देश-दुनिया को परिचित कराने के लिए दंतेवाड़ा में आयोजित बस्तर पंडुम के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय से करते हुए कहा, आज चैत्र नवरात्रि की अष्टमी है। मैं अभी-अभी मैं मां दंतेश्वरी का आशीर्वाद लेकर यहां आया हूं कि अगली चैत्र नवरात्रि में यहां से लाल आतंक खत्म हो जाए और हमारा बस्तर फिर से खुशहाल हो। दंतेश्वरी माई की जय और छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारे लगाते हुए केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा,

अमित शाह ने नक्सलियों से आत्मसमर्पण की अपील की

मुख्यधारा में शामिल हो जाइए आप सब हमारे अपने हैं

आज अष्टमी और रामनवमी दोनों है। आज रामलला का जन्मदिन है और मैं उनके ननिहाल यानी छत्तीसगढ़ में आया हुआ हूं। पूरे देश को रामनवमी की बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि बस्तर से नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर है। नक्सलियों से अपील है कि वे आत्मसमर्पण करें। नक्सलियों को सरेंडर कराकर गांवों को नक्सल मुक्त कराइए।

▶10 पर

बिहार के राज्यपाल विद्वतपुरुष आरिफ मोहम्मद खान का वक्तव्य

वक्फ की सम्पत्ति पर गैर-मुस्लिमों का भी उतना ही हक है

पटना, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

बिहार के राज्यपाल विद्वतपुरुष आरिफ मोहम्मद खान ने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन करते हुए कहा कि वक्फ की सम्पत्तियां अल्लाह की मानी जाती हैं। इसका इस्तेमाल गरीबों, जरूरतमंदों और जनहित के लिए होना चाहिए। गैर मुस्लिमों का भी वक्फ की सम्पत्तियों में बराबर का हक है। उन्होंने कहा, भारत लोकतांत्रिक देश है। असहमति जताने का सबको अधिकार है। हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है। जब मैं यूपी में मंत्री था तब वक्फ विभाग मेरे पास ही था। हर समय मुझे ऐसे लोगों से मिलना पड़ता था, जिनके सम्पत्ति के मामले चल रहे थे। इसमें बहुत सुधार की जरूरत थी।

विरोध करने वाले लोग राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रस्त : शम्स

यह वक्फ संशोधन विधेयक इसी दिशा में एक कदम है। राज्यपाल पटना में पूर्व उप प्रधानमंत्री जगजीवन राम की 118वीं जयंती पर आयोजित राजकीय समारोह में बोल रहे थे।

राज्यपाल ने कुरान की आयत का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें दो प्रकार के जरूरतमंदों फकीर (मुस्लिम) और मिस्कीन (गैर मुस्लिम) का जिक्र किया गया है।

▶10 पर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना की परियोजनाओं का उद्घाटन किया

आर्थिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय हितों का वाहक है हिंद महासागर

कारवार, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे पर नौसेना की कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने हिंद महासागर पोत आईओएस सागर को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आईएनएस सुनयना से जुड़े इस जहाज में नौ देशों की नौसेनाओं के 44 कर्मी सवार हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हिंद महासागर पोत आईओएस सागर की यात्रा की शुरुआत पर ढेर सारी बधाई। मैं भारतीय नौसेना और हिंद महासागर क्षेत्र के हमारे सभी हितधारकों की सराहना करता हूं। आपके अथक प्रयासों और मेहनत से ही यह संभव हो पाया है।

▶10 पर

तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

हथियार डालने वाले नक्सलियों में 20 महिलाएं शामिल

हैदराबाद, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें 66 पुरुष और 20 महिलाएं शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों को मुख्यधारा में लौटने के लिए तत्काल सहायता के रूप में प्रत्येक को 25 हजार रुपए भी दिए गए। नक्सलियों का आत्मसमर्पण ऐसे समय में हुआ जब केंद्रय गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के दौरे पर थे और नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने की अपील कर रहे थे। अमित शाह के बस्तर दौरे के बीच ही तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए। छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित सीपीआई (माअ-ोवादी) के कुल 86 सदस्य शनिवार को तेलंगाना के भद्रादी कोठागुडेम जिले में हेमचंद्रपुरम पुलिस मुख्यालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 20 महिलाएं शामिल हैं। चार एरिया कमेटी सदस्यों (एसीएम) सहित 86 माओवादियों ने नक्सलवाद के हिंसक रास्ते को छोड़ने का फैसला किया है,

▶10 पर

बांग्लादेश की बदमाशी और चीन की चालाकी का करारा जवाब

पीएम मोदी के स्वागत का श्रीलंकाई गर्मजोश, उड़ा रहा होश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का श्रीलंका दौरा भारत और श्रीलंका के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। बांग्लादेश की ताजा शैतानियों और चीन की चिर-परिचित मक्कारी के मद्देनजर पीएम मोदी की श्रीलंका यात्रा रणनीतिक और कूटनीतिक नजरिए से काफी महत्वपूर्ण है। मोदी का यह दौरा कई मायनों में रणनीतिक के साथ-साथ आर्थिक दृष्टिकोण से भी अहमियत रखता है। श्रीलंका भीषण आर्थिक संकट से उबरने की कोशिश कर रहा है। भारत ऐसे समय में श्रीलंका का लगातार साथ दे रहा है। मौजूदा यात्रा में भी मोदी ने ऋण को सहायता की परिधि में रखने की महत्वपूर्ण घोषणा की। भारत के इस सहयोग को देखते हुए ही श्रीलंका भी भारत के साथ सहयोग बढ़ाने के लिए उत्सुक और उत्साही है। इस दौरे के दौरान रक्षा, ऊर्जा, व्यापार, और डिजिटलीकरण जैसे क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर हो रहे हैं। उससे चीन का परेशान होना स्वाभाविक है। पीएम मोदी के इस दौरे का महत्व चीन के संदर्भ में भी काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चीन पिछले अनेक वर्ष से श्रीलंका को अपने पैसे के प्रभाव में लेकर उसे कर्ज में डुबाता आया है। इतना ही नहीं, भारत के साथ उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंधों को भी विस्तारवादी कम्युनिस्ट चीन ने पर्याप्त आघात पहुंचाया है। इसलिए विशेषज्ञों की मोदी के इस दौरे पर खास नजर है।

शुभ-लाभ प्रसंग

श्रीलंका में मोदी की उपस्थिति में भारत और श्रीलंका के बीच लगभग आठ समझौतों पर हस्ताक्षर हुआ। इनमें रक्षा सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में सहयोग शामिल है। यह पहली बार है जब दोनों देशों के बीच रक्षा समझौता होने जा रहा है, जो सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण रहने वाला है। श्रीलंका सागर से घिरा है इसलिए उसकी भौगोलिक स्थिति रणनीतिक दृष्टि से बहुत मायने रखती है। रक्षा सहयोग के दायरे में भारत और श्रीलंका, दोनों देश इसका लाभ उठाने की स्थिति में हैं।

श्रीलंका में चीन का प्रभाव पिछले कुछ वर्षों में बढ़ता दिखा है। विशेषकर हंबनटोटा बंदरगाह जैसे रणनीतिक स्थानों पर चीन की पैनी नजर रही है।

▶10 पर

मणिपुर में शांति की सार्थक पहल

मैतेई और कुकी समुदायों के साथ हुई अहम बैठक

इंफाल, 05 अप्रैल (एजेंसियां)।

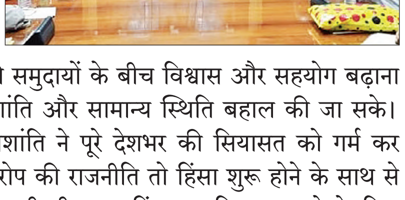

मणिपुर में शांति बहाल करने के लिए आज केंद्र सरकार ने राज्य में दोनों समुदायों के साथ बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मैतेई और कुकी समुदायों के बीच विश्वास और सहयोग बढ़ाना है, ताकि मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल की जा सके।

मणिपुर में फैली अशांति ने पूरे देशभर की सियासत को गर्म कर रखा है। आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तो हिंसा शुरू होने के साथ से ही अपने चरम पर है। इसी बीच इस हिंसा पर विराम लगाने के लिए केंद्र सरकार अब एक्शन में आती हुई नजर आ रही है। शनिवार को केंद्र ने मणिपुर में विवादित मैतेई और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और दोनों समुदायों के बीच सुलह कराने पर भी जोर दिया गया।

▶10 पर

नवकार महादिवस शांति और सद्भाव के लिए वैश्विक आह्वान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आगामी 9 अप्रैल को वैश्विक जैन समुदाय 108 देशों में आयोजित होने वाले नवकार महादिवस के अभूतपूर्व उत्सव की तैयारी कर रहा है। अकेले भारत में, 6,000 से अधिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें मुख्य समारोह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अवसर पर दिल्ली के समारोह में उपस्थित रहेंगे और इस वैश्विक आध्यात्मिक अनुष्ठान के महत्व को रेखांकित करते हुए एक विशेष संबोधन देंगे। बेंगलूरु में यह भव्य समारोह 9 अप्रैल को सुबह 8:01 बजे से 9:36 बजे (आईएसटी) के बीच मनाया जाएगा। शहर में प्राथमिक कार्यक्रम फ्रीडम पार्क गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें व्यापक भागीदारी के लिए शहर भर में अतिरिक्त स्थान बनाए गए हैं। इसके अलावा प्रमुख स्थानों में महावीर धर्मशाला वीवी पुरम, गणेश बाग भगवान महावीर रोड और मेवाड़ भवन यशवंतपुर शामिल हैं। इन

केंद्रों के अलावा भी और केंद्र की तैयारी जारी है।

जीतो नार्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने बताया कि शहर में विराजित जैन समाज के सभी आचार्य भगवंत, साधु भगवंत एवं साध्वी भगवंत की पावन सानिध्यता में इस मंगलमय कार्यक्रम का आयोजन होगा और मुख्य उद्देश्य मूल नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप है, जो शांति, अहिंसा और आध्यात्मिक ज्ञान का प्रतीक एक प्रतिष्ठित जैन महामंत्र है। समकालिक पाठ का उद्देश्य दुनिया भर में सकारात्मकता और एकता की एक शक्तिशाली लहर पैदा करना है। कार्यक्रम के महत्व पर बोलते हुए जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने कहा नवकार महा दिवस लोगों को उनकी आस्था या पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना सभी को एक साथ लाने का एक अनुपम अवसर है, ताकि सार्वभौमिक शांति और सद्भाव का माहौल बनाया जा सके। हमारा मानना है कि इस पवित्र जाप की सामूहिक ऊर्जा दुनिया भर में गूंजेगी। उत्सव के हिस्से के रूप में, जैन समुदाय भारत सरकार से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता है कि वह 9 अप्रैल को नवकार दिवस के रूप में आधिकारिक रूप से नामित करे। इस दिन को वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए समर्पित दिन के रूप में मान्यता दे।

जीतो के प्रकाश पिरगल ने अपील की कि हर जन उत्सव में उत्साह से शामिल हों और मीडिया में प्रचार प्रसार से विश्व शांति और अहिंसा के संदेश से सभी वाकिफ हो। जीतो नार्थ के मंत्री विजय सिंघवी ने बताया कि यह कार्यक्रम सभी के लिए खुला है, जिसमें विविध पृष्ठभूमि के व्यक्तियों को इस वैश्विक पहल में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। चाहे व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअल रूप से, सभी को सामूहिक जप में भाग लेने और करुणा और एकता की दुनिया में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के समापन में जीतो के पूर्व मंत्री सज्जन राज मेहता ने समस्त जैन समाज की ओर से आभार ज्ञापित करते हुए मीडिया समूह से कार्यक्रम को कवर करने का आग्रह किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिनेश खींवेसरा, महेंद्र रांका, अशोक भण्डारी, महावीर जैन, प्रवीण चौहान, नितिन लूणिया, मदन मुणोत, प्रितेश खाँटेड का भी सहयोग रहा।

सिद्ध प्रभु के साथ जो आत्मा अपना मन लगा देता है उसका मोक्ष निश्चित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में विराजमान पूज्य मलयप्रभ सागर जी ने ओली जी के द्वितीय दिवस के प्रवचन में फरमाया कि नवपदों में किसी भी व्यक्ति विशेष को वंदना नहीं की गयी है। जो जो आत्मा उन उन महान गुणों तक पहुँचे है उन सभी गुणीजनों को एक साथ वंदना की गयी है। नमो सिद्धाणं जिन आत्माओं ने खुद के ऊपर लगे हुए सभी कर्मों का क्षय कर दिया हो। जो संसार के बंधन से मुक्त हो गए हैं और जो कभी जन्म नहीं लेंगे और जिनकी कभी मृत्यु नहीं होगी, जिनका कोई शरीर, मन नहीं है। उन पवित्र आत्माओं को सिद्ध कहा जाता है। जिनके सभी काम सिद्ध हो गए है। सिद्ध

यानि अपना खुद का स्वरूप प्राप्त करना, सिद्ध पद को प्राप्त करना ही आज के हर भव्य जीव का लक्ष्य है। अरिहंत प्रभु के कुछ कर्म क्षय होना बाकी होता है। आयुष्य का बंधन भी होता है। जबकि सिद्ध प्रभु की कोई बंधन नही होता है। अरिहंत अवस्था पर्याय क्षणिक है लेकिन सिद्ध अवस्था पर्याय तो शाश्वत अनंत है। सिद्ध का वर्ण लाल है। हम जो भी आराधना करें वह हमारी सिद्ध अवस्था के लिए होनी चाहिए। विभाव की ओर जाती हुई अपनी आत्मा को स्वभाव में लाना है। जिस अवस्था में हमारी जरूरतें खत्म हो जाएं और अनन्त सुख की प्राप्ति हो वही सिद्धत्व मोक्ष है। इस सृष्टि में अगर सिद्धत्व नहीं हो तो साधक भी नहीं हो सकते हैं। दासोहम यानि हमें अपने आपको परमात्मा का दास मानना है, सोहम यानि हमें परमात्मा के जैसा मानना है और अहम यानि हमें परमात्म स्वरूप में ही अपने आपको मानना है। आत्मा के ऊपर से कर्मों का आवरण हटाकर हमें भी सिद्ध बनना है। सिद्ध प्रभु के साथ जो आत्मा अपना मन लगा देता है उसका मोक्ष निश्चित हो जाता है।

जल संरक्षण में जैन सिद्धांतों का महत्वपूर्ण योगदान: साध्वी संयम लता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल राज-ाजीनगर के तत्वावधान में एक बूंद, एक सागर जल संरक्षण कार्यशाला का आयोजन साध्वी संयमलताजी के सानिध्य में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र एवं संयममय जीवन हो संगान से किया गया।

साध्वी संयमलताजी ने इस विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और जिस पर हमें विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। लेकिन आज जल संकट एक बड़ी समस्या बन गया है और जल प्रदूषण जल की कमी जलवायु परिवर्तन यह सब जल संकट के कारण है। हमें इस पर विशेष ध्यान देना होगा। हमारे जैन धर्म के सिद्धांतों में 14 नियम 12 व्रत व छोटे-छोटे नियम लेकर जल ही नहीं सभी छः काय के जीवो की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। साध्वी रौनकप्रभा जी ने कहा कि जल की बचत करनी चाहिए और सबको एकजुट होकर जल संरक्षण के उपाय जैसे जल का संचयन जल का पुनर्चक्रण जल की बचत आदि करके हम राष्ट्र को इस समस्या से छुटकारा पाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इस कार्यशाला में सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी, मंत्री चंद्रशे मांडोत सहित सभा परिवार, महिला मंडल अध्यक्ष उषा चौधरी, मंत्री लता नवलखा, परामर्शिका कमलाबाई कोठारी, ताराबाई दक, रंजीता बोथरा, स्नेहा चौरडिया सहित श्रावक श्राविका समाज की अच्छी उपस्थिति रही।

किसानों ने दिन के समय आईपी सेट के लिए सात घंटे की निर्बाध बिजली आपूर्ति की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु में चामुंडेश्वरी विद्युत आपूर्ति निगम (सीईएससी) के प्रबंध निदेशक के कार्यालय के सामने शनिवार को किसान अपनी मांगों को लेकर एकत्रित हुए, जिसमें उनके सिंचाई पंप सेट (आईपी सेट) के लिए सात घंटे की निर्बाध बिजली आपूर्ति शामिल है। प्रदर्शनकारी किसानों से ज्ञापन प्राप्त करते हुए, सीईएससी के अधीक्षण अभियंता सुनील कुमार ने किसानों को आश्वासन दिया कि निगम अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली उनकी मांगों पर ध्यान देगा, साथ ही अन्य मांगों को कर्नाटक सरकार के संज्ञान में लाएगा।

किसानों की इस शिकायत पर कि सरकार के आश्वासन के विपरीत प्रतिदिन पांच घंटे से अधिक बिजली आपूर्ति नहीं हो रही है, उन्होंने कहा कि निगम राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार, दिन के समय किसानों के आईपी सेट को सात घंटे की निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान करने का प्रयास करेगा। जले हुए ट्रांसफार्मरों को तत्काल बदलने की मांग के संबंध में, सुनील कुमार ने आश्वासन दिया कि सीईएससी निर्धारित समय सीमा के भीतर जले हुए ट्रांसफार्मरों को बदलने के लिए कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

किसानों ने मांग की कि निगम किसानों के लिए नए बिजली कनेक्शन के लिए अक्रमा-सक्रमा योजना को वापस लाए, जबकि उनसे नए कनेक्शन के लिए शुल्क वसूलने के नियम को खत्म करे। किसानों ने मांग की कि सरकार किसानों के बिजली कनेक्शन के लिए स्मार्ट मीटर लगाने के अपने कदम को वापस ले और घरेलू उपयोग पर बिजली दरों में की गई बढ़ोतरी को वापस ले। सीईएससी के अधिकारियों ने दिन के समय आईपी सेटों को सात घंटे की नॉनस्टॉप बिजली आपूर्ति लागू करने और निर्धारित समय के भीतर जले हुए ट्रांसफार्मरों को बदलने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वे नए बिजली कनेक्शन, स्मार्ट मीटर और बिजली दरों में बढ़ोतरी के नियमों से संबंधित अन्य मांगों को राज्य सरकार के समक्ष भेजेंगे।

भाजपा अपने पार्टी कार्यकर्ता की मौत पर राजनीति कर रही: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा कार्यकर्ता की आत्महत्या को लेकर उठे विवाद ने गरमागरम राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर इस दुखद घटना का राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगाया है। बेंगलूरु में विधान सौधा में मीडिया से बात

करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भाजपा के विरोध प्रदर्शन पर टिप्पणी की, जिसमें आत्महत्या से संबंधित एफआईआर में दो कांग्रेस विधायकों के नाम शामिल करने की मांग की गई थी। उन्होंने कहा भाजपा अपने पार्टी कार्यकर्ता की मौत पर राजनीति कर रही है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है और मामले की जांच कर रही है। मैं इस मामले के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बोलूंगा। जांच पूरी होने के बाद, दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने भी इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी और भाजपा की कार्रवाई को बड़ी राजनीतिक साजिश बताया।

उन्होंने भाजपा के दृष्टिकोण की आलोचना की, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि वह न्याय पर केंद्रित नहीं है, बल्कि राजनीतिक तनाव को बढ़ावा दे रही है। स्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए, बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री, एमबी पाटिल ने कहा बीजेपी ने पहले के दो या तीन मामलों में इसी तरह की प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने डिप्टी एसपी आत्महत्या मामले में मंत्री के जे जॉर्ज को भी बिना किसी कारण के निशाना बनाया था, और बाद में उन्हें क्लीन चिट दे दी गई थी। यह उनका ट्रैक रिकॉर्ड है। पाटिल की टिप्पणियों ने पिछली घटनाओं की ओर ध्यान आकर्षित किया, जहां बीजेपी ने बिना सबूत के इसी तरह के आरोप लगाए थे। बिजली मंत्री के जे जॉर्ज ने भी बीजेपी के विरोध पर टिप्पणी करते हुए कहा बीजेपी अब किस बड़े विरोध की योजना बना रही है? डिप्टी एसपी गणपति आत्महत्या मामले में, उन्होंने मेरे खिलाफ आरोप लगाए, लेकिन सीआईडी, सीबीआई और सुप्रीम कोर्ट ने उन आरोपों को खारिज कर दिया। जॉर्ज ने बीजेपी कार्यकर्ता के परिवार के प्रति सहानुभूति व्यक्त की, लेकिन इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने के लिए पार्टी की आलोचना की। उन्होंने कहा हम भाजपा कार्यकर्ता की मौत से दुखी हैं और उनके परिवार के साथ खड़े हैं। लेकिन भाजपा इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है, जैसा कि उन्होंने उप पुलिस अधीक्षक गणपति आत्महत्या मामले, मुडा मामले और आईएएस अधिकारी डी.के. रवि की आत्महत्या के मामले में किया था। जॉर्ज ने इस बात पर भी जोर दिया कि एफआईआर दर्ज करना और आरोपियों का नाम बताना पुलिस के विवेक पर निर्भर है, उन्होंने दो-हराया कि जांच अधिकारियों पर छोड़ दी जानी चाहिए। सोमैया की मौत की जांच जारी है, पुलिस सुसाइड नोट में किए गए दावों की पुष्टि करने में जुटी है। यह विवाद कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी और विपक्षी भाजपा के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव को उजागर करता है, जिसमें दोनों पक्ष एक-दूसरे पर इस घटना का राजनीतिक लाभ उठाने का आरोप लगा रहे हैं।

जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा नवकार महामंत्र जाप का आह्वान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी द्वारा पूज्य गुरुदेव श्री मलयप्रभ सागर जी और मुकुलप्रभ सागर जी की उपस्थिति में समाज के समस्त सदस्यों और दादावाड़ी ट्रस्ट के अन्तर्गत समस्त संस्थाओं से जीतो द्वारा आयोजित 'नवकार महामंत्र दिवस' पर जाप का आह्वान किया गया है।

दादावाडी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने कहा कि इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के समस्त सदस्य आगामी 9 अप्रैल को महामंत्र दिवस पर जाप करेंगे।

ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि इस जाप में जुड़ने हेतु रजिस्ट्रेशन जारी है।

ट्रस्ट के प्रचार प्रसार संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि इस हेतु खरतर गच्छाधिपति आचार्य भगवन्त श्री जिन मणिप्रभ सूरीश्वर जी ने भी पूरे भारतवर्ष के संघों के नाम पत्र जारी कर जीतो के इस वृहत् अभियान में जुड़ने को कहा है। जो सदस्य 9 तारीख को प्रातः किसी कारणवश फ्रीडम पार्क जाप हेतु नहीं जा पाएंगे तो उनके लिए व्यवस्था श्री जिन कुशल सूरी जैन आराधना भवन बसवनगुड़ी में भी की जाएगी। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महैन्द्र कुमार रांका, प्रवक्ता अरविन्द कोठारी, ललित डाकलिया, पारसमल पगारिया, पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, भरत रांका, पंकज बाफना, विकास खटोड़ आदि सदस्य उपस्थित थे।

मंत्री सोमन्ना ने आरओबी के चल रहे निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने शनिवार को बेंगलूरु में पदरायणपुरा और होसाहल्ली के बीच रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) संख्या 431 के चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। मौजूदा पुराने रोड ओवर ब्रिज, जिसने अपना कोडल लाइफ पूरा कर लिया है, की जगह 12 करोड़ रुपये की लागत से एक नया आरओबी बनाया जा रहा है। पुराने के स्थान पर बो स्ट्रिंग गर्डर आरओबी बनाया जा रहा है। यह नया आरओबी विजयनगर और मैसूरु रोड के बीच कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। सोमन्ना ने चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और रेलवे अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजना को पूरा करने के निर्देश दिए। बाद में सोमन्ना ने कृष्णदे-वराय हॉल्ट स्टेशन और नयनदहल्ली स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने जनता से बातचीत भी की और उनके अनुरोध और शिकायतें प्राप्त कीं। इस मौके पर सांसद तेजस्वी सूर्या, बेंगलूरु मंडल रेल प्रबंधक अमितेश कुमार सिन्हा, मुख्य अभियंता (निर्माण) प्रेम नारायण, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक कृष्ण रेड्डी, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कृष्ण चैतन्य और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री मां दुर्गा पूजा समिति ट्रस्ट अंदरहल्ली नाइस रोड के निकट बेलकनहल्ली द्वारा रविवार को दुर्गा देवी मंदिर में चैत्र नवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। ट्रस्ट के पीसी सिंह, पीएस पांडे, रामप्रवेश महतो, नारायण यादव एवं अन्य सदस्यों ने महेंद्र मुणोत को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।*

राज्य के पुलिस थाने कांग्रेस कार्यालय की तरह काम कर रहे : विजयेन्द्र

▪ विधायकों के नाम दर्ज होने तक इंतजार करेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने राज्य के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री को चेतावनी दी है कि वे भाजपा कार्यकर्ता विनय सोमैया आत्महत्या मामले में एफआईआर में दो कांग्रेस विधायकों के नाम दर्ज होने तक इंतजार करेंगे। यहां शनिवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यदि उनका नाम एफआईआर में शामिल नहीं किया गया तो आगे जो भी होगा उसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। हम जिम्मेदार नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने एसपी से यह भी कहा था कि वह एक घंटे तक शांतिपूर्वक इंतजार करेंगे। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से राजनीतिक दबाव में न आने को कहा और पूछा कि क्या निर्दोष भाजपा कार्यकर्ता इंसान नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों की विफलताओं का उल्लेख करने के बजाय तुगलक दरबार लगा रही है। विधायक क्या सोचते हैं? विजयेंद्र ने कहा कि हिंसा बर्दाश्त नहीं की जा सकती। राज्य के मुख्यमंत्री और गृह मंत्री इसे हल्के में न लें, और पिछले दिनों परशुराम आत्महत्या मामले में क्या हुआ? सचिन के मामले में क्या चल रहा है? अधिकारी चंद्रशेखर के मामले में जो कुछ हुआ वह राज्य की जनता की आंखों के सामने है। यह उन अयोग्य लोगों की जिम्मेदारी है, जिन्होंने बेंगलूरु में दर्ज एफआईआर में विधायक का नाम दर्ज नहीं किया। उन्हें मजिस्ट्रेट अदालत से अनुमति लेनी होगी और विधायक का नाम जोड़ना होगा। यह अधिकारियों का कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि उन्होंने एसपी को भी इस बारे में जानकारी दे दी है। गृह मंत्री को भी इस ओर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि उन्होंने एसपी को यह भी बताया था कि बाद में जो कुछ भी हुआ उसके लिए वह जिम्मेदार नहीं हैं। इसका कारण पुलिस व्यवस्था है। उन्होंने पूछा कि वह पुलिस से किस तरह के न्याय की उम्मीद कर सकते हैं। पुलिस थाने के माध्यम से हमारे अधिकार छीने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता ऐसा नहीं होने देंगे। राज्य के पुलिस थाने कांग्रेस कार्यालय की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर चीज की एक सीमा होती है। उन्होंने कहा कि विनय सोमैया ने दो कांग्रेस विधायकों और दो कांग्रेस कार्यकर्ताओं के नाम भी बताए हैं। इस सब के बीच, हमारे विपक्षी नेता शुक्रवार को बेंगलूरु में थे, लेकिन विधायक का नाम एफआईआर में नहीं था। उन्होंने इसे अक्षम्य अपराध बताते हुए इसकी आलोचना की। पोन्नन्ना राज्य के मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार हैं। मंथर गौड़ा भी प्रभावशाली विधायक हैं। दोनों ही सत्तारूढ़ पार्टी से हैं। उन्होंने कहा कि उनके दबाव के कारण ही हमारे कार्यकर्ता ने आत्महत्या की।

उन पर दबाव डाला गया

हम निश्चित रूप से इस बात से असहमत हैं कि पुलिस ने उनका नाम एफआईआर में छोड़ दिया है। मडिकेरी और राज्य में सोशल मीडिया एडमिन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही हैं। विनय सोमैया ने शुक्रवार को आत्महत्या कर ली। उनके व्हाट्सऐप मैसेज और डेथ नोट में आत्महत्या के क्या कारण बताए गए हैं? यह किस प्रकार की यातना है? क्या यह मनोवैज्ञानिक उत्पीड़न है? स्थानीय विधायक पोन्नन्ना और मंथर गौड़ा ने सोशल मीडिया पर परेशान किया और उन पर दबाव डाला गया, जैसे कि पार्टी की विफलताओं को उजागर करना कोई अपराध हो। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि विनय के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। उच्च न्यायालय से स्थगन आदेश और जमानत के बावजूद पुलिस दरवाजे पर गई, यहां तक कि बेंगलूरु स्थित उनके घर पर भी गई। उन्होंने बताया कि इससे मानसिक रूप से परेशान विनय सोमैया ने आत्महत्या कर ली।

दो घातक सड़क दुर्घटनाओं में नौ लोगों की मौत

कलबुर्गी/मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में दो अलग-अलग दुखद सड़क दुर्घटनाओं में कुल नौ लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। पहली घटना में, शनिवार की सुबह कलबुर्गी जिले के जेवरगी शहर के पास नेलोगी क्रॉस के पास एक मिनी बस के खड़े ट्रक से टकरा जाने से पांच लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान वाजिद, महबूबी, प्रियंका, महबूब और एक व्यक्ति के रूप में हुई है, जिसकी पहचान की पुष्टि होनी बाकी है। सभी पीड़ित बागलकोट जिले के नवन-गरा इलाके के रहने वाले थे। पुलिस के अनुसार, समूह कलबुर्गी शहर में ख्वाजा बंदे नवाज दरगाह का दौरा करने के लिए एक मिनी बस में यात्रा कर रहा था। बस में 31 यात्री सवार थे। घायलों को इलाज के लिए गुलबर्गा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जीआईएमएस) में भर्ती कराया गया है। नेलोगी पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

एक अलग घटना में, कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की लग्जरी ऐरावत बस ने मांड्या शहर के नजदीक तुबिनाकेरे गांव के पास बेंगलूरु-मैसूरु एक्सप्रेसवे पर उनकी कार को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान 51 वर्षीय सत्यानंद राजे उर्स, उनकी पत्नी 45 वर्षीय निश्चिता, 62 वर्षीय चंद्रू और उनकी पत्नी 50 वर्षीय सुवेदिनी रानी के रूप में हुई है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना तब हुई जब कार चालक हाईवे से सर्विस रोड पर जाने का प्रयास कर रहा था, लेकिन अचानक उसने बस को देखे बिना ही एक्सप्रेसवे पर वापस मोड़ दिया। बस चालक समय पर ब्रेक नहीं लगा सका और बस ने वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार चकनाचूर हो गई और उसमें सवार सभी चार लोगों की तुरंत मौत हो गई। आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ताओं ने बस के नीचे से क्षतिग्रस्त कार को निकालने के लिए क्रेन का उपयोग किया। बाद में शवों को स्थानीय अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया। इस घटना के कारण एक्सप्रेसवे पर कुछ समय के लिए यातायात जाम भी लग गया। दोनों दुर्घटनाओं की जांच जारी है।

मेंगलूरु जेल जैमर के खिलाफ भाजपा ने किया विरोध प्रदर्शन

विधायक वेदव्यास कामथ ने सरकार पर साधा निशाना

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मेंगलूरु दक्षिण के विधायक वेदव्यास कामथ के नेतृत्व में भाजपा की जिला इकाई ने मेंगलूरु जेल में लगाए गए जैमर के खिलाफ शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया।

आरोप लगाया गया कि इससे आस-पास के इलाकों में लोगों को असुविधा हो रही है। विधायक वेदव्यास कामथ ने अन्य भाजपा नेताओं के साथ मिलकर सड़क जाम करने और जेल परिसर में धरना देने का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस ने हस्तक्षेप किया और प्रदर्शनकारी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। कई दिनों से चालू जैमर ने कथित तौर पर आसपास के इलाकों में संचार व्यवस्था को बाधित कर दिया है, जिससे स्थानीय निवासी, दुकानदार और व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं।

कॉलेजों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और डॉक्टरों के क्लीनिकों के नजदीक होने के कारण लोगों के लिए आपातकालीन कॉल करना और ऑनलाइन लेनदेन करना मुश्किल हो गया है। एक स्थानीय डॉक्टर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को उजागर किया था, जिसमें खराब नेटवर्क कनेक्टिविटी के कारण मरीजों की देखभाल करने और आपात स्थिति में प्रतिक्रिया देने में चुनौतियों का हवाला दिया गया था। वेदव्यास कामथ ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा मैंने पुलिस आयुक्त, डीजी और गृह मंत्री को ज्ञापन सौंपा है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अगर भाजपा की सरकार होती, तो मैं खुद जेल में घुस जाता और जैमर हटा देता। अगर पुलिस प्रभावी ढंग से काम कर रही होती, तो जैमर की कोई जरूरत ही नहीं होती। इसे हम कांग्रेस सरकार के तहत जनविरोधी प्रशासन कहते हैं। उन्होंने जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव से, जो वर्तमान में मेंगलूरु का दौरा कर रहे हैं, जैमर मुद्दे को तुरंत हल करने का आग्रह किया।

विनय सोमैया आत्महत्या मामला

कानून सबके लिए समान है और पुलिस कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करेगी: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा द्वारा भगवा पार्टी कार्यकर्ता की कथित आत्महत्या के मामले में एफआईआर में कोडागु के दो कांग्रेस विधायकों के नाम शामिल करने की मांग के बीच, कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि कानून सबके लिए समान है और पुलिस कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करेगी।

कोडागु के भाजपा पदाधिकारी विनय सोमैया (40) ने शुक्रवार को कथित तौर पर कांग्रेस नेत-ाओं पर उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद आत्महत्या कर ली। कथित तौर पर उनके द्वारा एक कथित मृत्यु नोट व्हाट्सऐप ग्रुप पर पोस्ट किया गया था। पीड़ित के बड़े भाई जीवन के एस द्वारा कथित मृत्यु नोट के आधार पर दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, कांग्रेस कार्यकर्ता थेनीरा महेना और अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना), 3(5) (सामान्य इरादा), 351(2) (आपराधिक धमकी) और 352 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, एफआईआर में विराजपेट विधायक ए एस पोन्नन्ना और मडिकेरी विधायक मंथर गौड़ा और हरीश पूवैया के नाम का उल्लेख नहीं किया गया है, जबकि पुलिस को सौंपी गई हस्तलिखित शिकायत में उनके नाम का उल्लेख किया गया है। परमेश्वर ने एफआईआर में नाम न होने वाले विधायकों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कानून सबके लिए समान है, चाहे वह पोन्नन्ना हो या मंथर। पुलिस कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करेगी। घटना फरवरी में हुई थी और अब उन्होंने आत्महत्या कर ली है। पुलिस विभाग जांच कर रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सोमैया ने व्हाट्सऐप पर एक विस्तृत नोट पोस्ट किया है और पुलिस सबका विश्लेषण करके कार्रवाई करेगी। शिकायत किसने दी है, इसकी विषय-वस्तु क्या है, कोई चूक हुई है, इन सभी की जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या मामला सीआईडी को सौंपा जाएगा, गृह मंत्री ने कहा यदि आवश्यक हो तो ऐसा किया जा सकता है, लेकिन फिलहाल हमें इसकी आवश्यकता नहीं दिखती। कथित मृत्यु नोट में सोमैया ने कहा है कि करीब दो महीने पहले, उन्हें महेना की शिकायत पर मडिकेरी पुलिस ने गिरफ्तार किया था। यह मामला पोन्नन्ना के खिलाफ कुछ टिप्पणियों के संबंध में था, जो मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के कानूनी सलाहकार भी हैं। उन्होंने एक व्हाट्सऐप ग्रुप में पोन्नन्ना के खिलाफ कुछ टिप्पणियां पोस्ट की थीं। सोमैया को व्हाट्सऐप ग्रुप का एडमिन बताया गया था। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। मृत्यु नोट में भाजपा कार्यकर्ता ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर राजनीति से प्रेरित थी और उन्हें और उनके परिवार को अपमान का सामना करना पड़ा, जिससे वे परेशान थे। न्याय की मांग करते हुए उन्होंने आग्रह किया कि मृत्यु नोट में नामित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना के खिलाफ कथित हनीट्रैप प्रयासों के बारे में परमेश्वर ने कहा कि सीआईडी जांच कर रही है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव से जुड़े सोने की तस्करी मामले के संबंध में अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता द्वारा एक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है। उन्होंने कहा जांच रिपोर्ट मुख्य सचिव को सौंप दी गई है, जो इसे हमें भेजेंगे। कर्नाटक सरकार ने डीजीपी रैंक के पुलिस अधिकारी रामचंद्र राव की भूमिका की जांच करने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता को नियुक्त किया था, यदि उनकी सौतेली बेटी रान्या राव की कथित सोने की तस्करी गतिविधि में कोई भूमिका है।

कर्नाटक में 2007 से अब तक बुजुर्ग माता-पिता को छोड़ने वाले बच्चों के खिलाफ 3,000 से अधिक मामले दर्ज

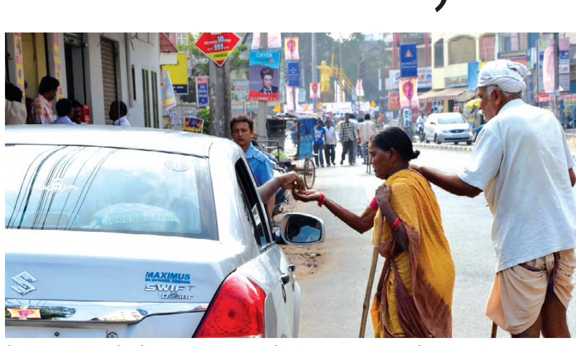

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक में 2007 से अब तक बुजुर्ग माता-पिता को छोड़ने वाले बच्चों के खिलाफ 3,000 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं। सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों के निदेशकों को निर्देश दिया गया है कि वे माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत सहायक आयुक्त (एसी) अदालतों में उन बच्चों के खिलाफ सख्ती से मामले दर्ज करें, जो अपने बुजुर्ग माता-पिता को इलाज के लिए भर्ती कराते हैं, लेकिन अंततः उन्हें छुट्टी देने के लिए वापस नहीं आते हैं। चिकित्सा शिक्षा और कौशल विकास मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने कहा कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों की हाल ही में की गई समीक्षा से पता चला है कि इस कानून के लागू होने के बाद से पूरे कर्नाटक में एसी अदालतों में कुल 3,010 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें से 2,007 मामलों का निपटारा किया जा चुका है और 1,003 मामले लंबित हैं। सबसे अधिक मामले (827) बेंगलूरु शहरी जिले में दर्ज किए गए हैं, जिनमें से केवल 274 मामलों का निपटारा किया गया है। कर्नाटक में बच्चों द्वारा बुजुर्ग माता-पिता को अस्पतालों में छोड़ने की चिंताजनक प्रवृत्ति ने सरकार को कदम उठाने पर मजबूर कर दिया है। हासन जिले में 588 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 581 मामलों का निपटारा कर दिया गया है। दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण विभाग के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर कन्नड़ और दावणगेरे जिलों में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

यह केंद्र सरकार का कानून है जो अपने बुजुर्ग माता-पिता को छोड़ने वाले बच्चों के खिलाफ एसी अदालतों में मामला दर्ज करने की अनुमति देता है। उन बच्चों से भरण-पोषण शुल्क वसूलने का विकल्प है जो अपने बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों के नाम पर हस्तांतरित या वसीयत की गई संपत्ति वापस लेने का विकल्प भी है। हाल ही में बेलगावी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (बीआईएमएस) में ऐसे मामलों को चिन्हित किया गया था। मंत्री पाटिल ने कानून के बारे में जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह एक प्रभावी अधिनियम है। जब मामले दर्ज किए जाते हैं, तो दोनों पक्ष समस्या को हल करने के लिए आगे आते हैं। यदि ऐसा नहीं होता है, तो एसी एक आदेश जारी करेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों और गरीबों में परित्याग के मामले कम हैं क्योंकि वहां परिवार अधिक एकजुट हैं। हालांकि, शहरी क्षेत्रों में ऐसी घटनाएं बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि समाधान न होने की स्थिति में, परित्यक्त माता-पिता को वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है। पाटिल ने कहा जब समाज वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल नहीं करता है, तो कानून को हस्तक्षेप करना पड़ता है।

पडिल में नए डीसी कार्यालय का अप्रैल में होगा उद्घाटन

मंत्री ने किया निरीक्षण

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दक्षिण कन्नड़ जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव ने डिप्टी कमिश्नर मुल्लई मुहिलान के साथ शनिवार को पडिल में नए डिप्टी कमिश्नर (डीसी) कार्यालय के निर्माण की प्रगति का निरीक्षण किया। मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा पडिल में नए डीसी कार्यालय का निर्माण अपने अंतिम चरण में है। हमने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की उपलब्धता का अनुरोध किया है, क्योंकि हमें उम्मीद है कि यह परियोजना 20 अप्रैल तक पूरी हो जाएगी। नए डीसी कार्यालय का उद्घाटन, इनडोर स्टेडियम और मूडबिद्री में प्रजा सौधा के साथ, मुख्यमंत्री की उपलब्धता के आधार पर निर्धारित किया जाएगा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने खुद आधारशिला रखी, और हमें खुशी है कि वे नए डीसी कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। हमने अप्रैल में उद्घाटन करने की योजना बनाई है। उन्होंने आगे कहा नए भवन में जनता को बेहतरीन सुविधाएं मिलेंगी। उद्घाटन के बाद उप-पंजीयक कार्यालय, समाज कल्याण, बाल कल्याण, खान विभाग और रिकॉर्ड रूम समेत करीब 35 विभागों को नए परिसर में तुरंत स्थानांतरित कर दिया जाएगा। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग के लिए भी नया भवन बनाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान एमएलसी मंजूनाथ भंडारी, कांग्रेस नेता पद्मराज और अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

आरडीपीआर विश्वविद्यालय के चांसलर की नियुक्ति में देरी

राज्यपाल ने सरकार पर साधा निशाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने राज्य ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति को लेकर सरकार पर निशाना साधा है और सीधे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को पत्र लिखकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। गदग ग्रामीण विकास विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति का अधिकार राज्यपाल के बजाय मुख्यमंत्री को देने के लिए संशोधन विधेयक का मसौदा तैयार किया गया है। हालांकि, इस कानूनी संशोधन पर आपत्ति जताने वाले राज्यपाल ने स्पष्टीकरण मांगते हुए इसे वापस भेज दिया है और अभी तक अपनी सहमति नहीं दी है। इसलिए सरकार ने 25 मई 2024 से खाली पड़े विश्वविद्यालय के

कुलपति के पद पर नियुक्ति में रुचि नहीं दिखाई है। इससे राज्यपाल नाराज हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने मंत्री प्रियंका खड़गे को कई बार पत्र लिखकर आरडीपीआर विश्वविद्यालय गदग के कुलपति की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करने को कहा है। इस नियुक्ति के लिए पहले एक सर्च कमेटी बनाई गई थी। हालांकि, उन्होंने बताया कि अभी तक कोई आवेदन आमंत्रित नहीं किया गया है। सर्च कमेटी का गठन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले कुलपति का कार्यकाल समाप्त होने से पहले ही अधिसूचना जारी कर दी गई थी, लेकिन राज्य सरकार द्वारा आ-वेदन नहीं मांगे जाने के कारण खोज समिति अभी भी अपना काम शुरू करने का इंतजार कर रही है। छात्रों, शोधकर्ताओं और विश्वविद्यालय के हित में, संबंधित विभागीय अधिकारियों को कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया तुरंत शुरू करने का निर्देश दिया जाना चाहिए। यदि नहीं, तो मेरे लिए स्वयं ऐसी कार्रवाई करना आवश्यक हो सकता है। राज्य सरकार को ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होने देनी चाहिए। विश्वविद्यालयों की प्रगति में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न न हों, इसका ध्यान रखा जाना चाहिए। मौजूदा कानून के अनुसार, संबंधित विभाग के अधिकारियों को कर्नाटक राज्य ग्रामीण विकास और पंचायत राज विश्वविद्यालय के कुलपति पद के लिए आवेदन आमंत्रित करने का निर्देश दें और पद को लंबे समय तक खाली न छोड़ें जिससे छात्रों पर असर पड़े। इस संबंध में एक महीने के भीतर निर्णायक कार्रवाई की जानी चाहिए, अन्यथा उन्हें खुद आ-वेदन आमंत्रित करने होंगे।

भाजपा महंगाई का पितामह हैं: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को महंगाई के खिलाफ भाजपा के विरोध प्रदर्शन की आलोचना की और उन्हें महंगाई का पितामह बताया। यहां संवाददाताओं से बातचीत में शिवकुमार ने कहा वे (भाजपा) महंगाई के पितामह हैं। हमने दूध के दाम बढ़ाए हैं और इससे किसानों को फायदा होगा। अपने दिल्ली दौरे के बारे में बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने सिंचाई और नागरिक

उड्डयन मंत्री से मुलाकात की और उन्होंने कृष्णा नदी जल मुद्दे पर महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक की बैठक बुलाने पर सहमति जताई है। हम जानते हैं कि कावेरी जल मुद्दे पर तमिलनाडु सहयोग नहीं करेगा और अब केवल न्यायालय ही रास्ता है। कर्नाटक भाजपा दूध, डीजल, पेट्रोल, कचरा उपकर आदि की कीमतों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रही थी। इससे पहले, 3 अप्रैल को कर्नाटक के विपक्ष के नेता आर अशोक ने कांग्रेस सरकार की नीतियों, खासकर हाल ही में की गई कीमतों में बढ़ोतरी और जनता पर लगाए गए करों की तीखी आलोचना की थी। सीटी रवि सहित कर्नाटक भाजपा के नेताओं ने बेंगलूरु में राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। अशोक ने कहा भाजपा सरकार की मूल्य वृद्धि नीतियों के खिलाफ लड़ रही है और इसे तार्किक निष्कर्ष तक ले जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी सरकार की शोषणकारी वित्तीय रणनीतियों का विरोध करने से पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने अपना ध्यान मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर केंद्रित किया और उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। अशोक ने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया करों के माध्यम से चोरी कर रहे हैं और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार कमीशन के माध्यम से चोरी कर रहे हैं। उन्होंने दोनों को राज्य के कथित कुप्रबंधन के मुख्य व्यक्ति के रूप में इंगित किया। अशोक ने सरकार की वित्तीय रणनीति की आलोचना करने के लिए एक रूपक का इस्तेमाल करते हुए कहा मृत्यु के बाद शव पर पैसे रखने की परंपरा है। कांग्रेस सरकार ने पैसे इकट्ठा करने के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र की फीस भी बढ़ा दी है।

शोषितों को खुद को कमजोर समझने का रवैया त्याग देना चाहिए: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यकों सहित शोषितों को खुद को कमजोर समझने का रवैया त्याग देना चाहिए। वे शनिवार को केपीसीसी कार्यालय में आयोजित बाबू जगजीवन राम की 118वीं जयंती समारोह में बोल रहे थे। जगजीवन राम ने संत रविदास की तरह राजनीति में प्रवेश किया, जिन्होंने कहा था, मेरी भक्ति ही मेरी जाति है, मेरा कर्म ही मेरा धर्म है। उन्होंने याद किया कि वे एक छात्र नेता के रूप में बड़े हुए और देश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक मंत्री के रूप में सेवा करने का गौरव प्राप्त किया। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्य में एक सौ कांग्रेस कार्यालयों के निर्माण का सुझाव दिया है। स्थलों का पंजीकरण किया जा रहा है। कांग्रेस द्वारा अपनाए गए मार्ग पर एक प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। दस हजार वर्ग फीट के क्षेत्र में इतिहास को दर्शाने का काम किया जाएगा। मल्लिकार्जुन खड़गे, एक कन्नड़ नागरिक, उस स्थान पर बैठे हैं जहां महात्मा गांधीजी बैठते थे। उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा को क्रियान्वित करने के लिए कांग्रेस के पुराने नेता रामलिंगा रेड्डी की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जाएगी।

केबीजेएनएल के अधिकारियों ने बसवसागर जलाशय से नहरों में पानी छोड़ा

यादगीर/शुभ लाभ ब्यूरो। कृष्णा भाग्य जल निगम लिमिटेड (केबीजेएनएल) के अधिकारियों ने शुक्रवार की मध्यरात्रि से कर्नाटक के यादगीर जिले के हुंसगी तालुक के नारायणपुर में बसवसागर जलाशय से नारायणपुर दाएँ और बाएँ शाखा नहरों में पानी छोड़ना शुरू किया, जिसके बाद किसानों को कुछ राहत और उम्मीद मिली। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार 4 अप्रैल की मध्यरात्रि को पानी छोड़ा गया।

एक सूत्र ने बताया तीन दिनों में दोनों नहरों और रामपुर लिफ्ट सिंचाई नहर में कुल 2.40 टीएमसीएफटी पानी (प्रत्येक दिन 0.80 टीएमसीएफटी) छोड़ा जाएगा। जब अधिकारियों ने 25 मार्च को पानी छोड़ना बंद कर दिया, तो किसानों, कन्नड़ समर्थक

समूहों, दलित संगठनों और पूर्व विधायक नरसिंह नायक के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

नायक ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से मुलाकात कर पानी छोड़ने का अनुरोध किया। इसी दौरान मंत्री शरणबसप्पा दर्शनपुर और विधायक राजा वेणुगोपाल नाइक और चन्नारेड्डी पाटिल टुन्नूर ने इस मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री डी.के. डी.के. शिवकुमार से मुलाकात की। जब किसानों की अपेक्षा के अनुसार तत्काल कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो नायक ने कर्नाटक उच्च न्यायालय, कलबुर्गी पीठ में रिट याचिका दायर की और सरकार को 4 से 6 अप्रैल तक पानी छोड़ने का निर्देश दिलवाया। सरकार ने इस आदेश को खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी, जिसने 4 अप्रैल को एकल पीठ द्वारा पारित आदेश पर 9 अप्रैल तक रोक लगा दी। एक वीडियो रिलीज में दर्शनपुर ने बिना नाम लिए नायक की आलोचना की और कहा कि किसी ने गलत जानकारी के साथ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

इसलिए, सरकार को आदेश पर रोक लगाने की अपील के साथ उचित जानकारी प्रदान करनी पड़ी। उन्होंने कहा सरकार, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री किसानों के साथ हैं। इसलिए किसानों को घबराना नहीं चाहिए और पानी का सही तरीके से इस्तेमाल करना चाहिए। इससे पहले नायक ने दावा किया था कि श्री दर्शनपुर और कांग्रेस के अन्य विधायक मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को पानी छोड़ने के लिए मनाने में विफल रहे हैं और किसानों द्वारा किसी भी कठोर कार्रवाई के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराने की धमकी दी थी।

दो महीने बाद आंतरिक आरक्षण लागू कर दिया जाएगा: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि दो महीने बाद आंतरिक आरक्षण लागू कर दिया जाएगा। वे शनिवार को

विधान सौधा परिसर में समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित बाबू जगजीवन राम की 118वीं जयंती समारोह का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा आंतरिक आरक्षण को कोई नहीं रोक सकता, चाहे वह न चाहे। हम सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन जरूर करेंगे। आयोग के अध्यक्ष नागमोहन दास ने दो महीने का समय मांगा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इसके बाद आंतरिक आरक्षण लागू कर दिया जाएगा, ताकि अनुसूचित जाति के किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय न हो। आरक्षण के खिलाफ बोलने वाले भी आरक्षण का लाभ उठा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के नाम पर 10 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के बाद से सभी लोग आरक्षण के लाभार्थी बन गए हैं। इसलिए उन्होंने दावा किया कि अब आरक्षण का विरोध करने वाला कोई नहीं है।

ब्रह्मवर में फ्लाईओवर या अंडरपास की व्यवहार्यता की समीक्षा के लिए तकनीकी समिति गठित: उडुपी डीसी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। डिप्टी कमिश्नर (डीसी) डॉ. के. विद्याकुमारी ने कहा ब्रह्मावर में फ्लाईओवर या अंडरपास की व्यवहार्यता की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग अधिकारियों, राजस्व अधिकारियों और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) इंजीनियरों की एक तकनीकी समिति बनाई गई है। यहां शनिवार को पत्रकारों से वार्ता में डॉ. विद्याकुमारी ने कहा ब्रह्मावर में एक

दुखद घटना हुई, जहाँ एक 13 वर्षीय लड़के वंश एस शेट्टी की राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक दुर्घटना में दुखद रूप से मृत्यु हो गई। इस घटना ने राजमार्ग की सुरक्षा को लेकर चिंताएँ बढ़ा दी हैं, जहाँ तेज गति से चलने वाले वाहनों की आवाजाही के कारण अक्सर दुर्घटनाएँ होती रहती हैं। साइट का निरीक्षण करने और यह निर्धारित करने के लिए एक तकनीकी समिति का गठन किया गया है कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए फ्लाईओवर या अंडरपास सबसे व्यवहार्य समाधान होगा या नहीं। उन्होंने कहा सोमवार तक एक रिपोर्ट आने की उम्मीद है, जो निर्णय लेने की प्रक्रिया में सहायता करेगी। व्यवहार्यता जांच के आधार पर, आवश्यक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए सरकार को एक औपचारिक अपील प्रस्तुत की जाएगी। इसके अतिरिक्त, पहले के निर्देशों के अनुसार, भूमि को लाल मिट्टी से भरकर एसएमएस कॉलेज के पास एक अस्थायी सर्विस रोड का निर्माण किया गया है। आगे की योजना एक स्थायी सर्विस रोड के निर्माण के लिए भी है, जिसमें प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। डॉ. विद्याकुमारी ने कहा राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों, ग्राम पंचायत अध्यक्ष और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग खंड पर चल रहे मुद्दों पर चर्चा करने और आगे के समाधान तलाशने के लिए मंगलवार को एक बैठक निर्धारित की गई है।

इंद्राली रेलवे पुल की प्रगति के बारे में उन्होंने कहा निर्माण कार्य चल रहा है। मैंने हाल ही में पुलिस अधीक्षक के साथ साइट का निरीक्षण किया और श्रमिकों को प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस परियोजना में गहन श्रम और एल्यूमीनियम का काम शामिल है और अप्रैल के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। वर्तमान में, गर्डरों की स्थापना प्रगति पर है, और रेलवे विभाग द्वारा एक सप्ताह के भीतर अंतिम निरीक्षण करने की उम्मीद है।

भाजपा विधायक ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर उनका फोन टैप करने का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा विधायक शिवराज पाटिल ने गंभीर आरोप लगाया है कि उनके फोन को टैप किया जा रहा है और उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के इशारे पर पुलिस विभाग के माध्यम से उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। इस दावे ने विवाद को जन्म दिया है, जिसके कारण संभावित अवैध निगरानी की जांच की मांग की जा रही है। इस आरोप का जवाब देते हुए गृह मंत्री जी परमेश्वर ने वादा किया कि इस तरह की अवैध गतिविधियों में शामिल पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। यह मामला सबसे पहले तब प्रकाश में आया जब विधायक पाटिल और रायचूर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) एम. पुट्टमदैया के बीच बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में विधायक पाटिल एसपी पुट्टमदैया से कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि उनके फोन को कम से कम 70 बार टैप किया गया है और अधिकारी उनकी गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। वे पुलिस के पास जाते हैं और सभी नियमों का उल्लंघन करते हुए मेरा फोन टैप करवा रहे हैं। राज्य में यही स्थिति है। अगर मेरी यह दुर्दशा है, तो आम लोगों की स्थिति की कल्पना करें। सूत्रों ने संकेत दिया कि यह वीडियो 1 अप्रैल को रायचूर में रात भर चले विरोध प्रदर्शन के बाद विधायक पाटिल और एसपी पुट्टमदैया के बीच बातचीत के दौरान रिकॉर्ड किया गया था। यह विरोध प्रदर्शन एक व्यक्ति की मौत के विरोध में आयोजित किया गया था, जिसकी कथित तौर पर पुलिस की यातना के कारण मौत हो गई थी। पाटिल के आरोपों के जवाब में गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा कि वह जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी), क्षेत्रीय पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से जानकारी एकत्र करेंगे। परमेश्वर ने कहा मैं एसपी और आईजीपी से बात करूंगा। अगर ऐसी कोई घटना हुई है, तो हम जांच करेंगे कि ऐसा क्यों हुआ, किन परिस्थितियों में हुआ और किसने इसकी अनुमति दी।

एसीपी धन्या नायक उल्लाल चोरी मामले में कथित अतिरिक्त सोना जब्ती की करेंगी जांच

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने बताया कि दक्षिण उपमंडल की एसीपी धन्या नायक को उल्लाल पुलिस थाने की सीमा में चोरी के मामले में अधिक सोना बरामद होने के आरोपों की जांच सौंपी गई है। अग्रवाल ने शुक्रवार को मीडिया से बात करते हुए कहा आरोपियों में से एक की मां ने मेरे पास आकर आरोप लगाए हैं। प्रारंभिक जांच के बाद मैंने आगे की जांच की जिम्मेदारी एसीपी धन्या नायक को सौंप दी है। वह जांच कर रही हैं और अगर शिकायत सही पाई गई तो

उचित कार्रवाई की जाएगी। गत 28 जून 2024 को उल्लाल में एक घर से सोने के आभूषणों की चोरी के संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई थी। जांच के दौरान उल्लाल इंस्पेक्टर बालकृष्ण ने एक पीयूसी छात्र को दो नाबालिगों और उसके तीन दोस्तों के साथ गिरफ्तार किया और चोरी हुए सोने के आभूषण बरामद किए। हालांकि, इस साल 13 मार्च को एक आर-ोपी की मां ने तत्कालीन उल्लाल इंस्पेक्टर बालकृष्ण के खिलाफ भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के आर-ोपों के साथ पुलिस आयुक्त से संपर्क किया। शिकायतकर्ता ने बताया कि इंस्पेक्टर ने उसे थाने बुलाया और पैसे मांगे, जिसका उसने दावा किया है कि उसने भुगतान कर दिया है। बाद में, जब उसके बेटे को अदालत में पेश किया गया, तो उसके पास मौजूद लगभग 50 ग्राम सोना कथित तौर पर पुलिस द्वारा जब्त कर लिया गया। कथित तौर पर इंस्पेक्टर ने उसे आश्वासन दिया कि सोने का हिसाब चार्जशीट में दर्ज किया जाएगा और बाद में उसे बरामद कर लिया जाएगा। हालांकि, उसने आरोप लगाया कि अदालत में पेश किए गए चार्जशीट में 50 ग्राम सोने के आभूषणों का उल्लेख नहीं किया गया था, जिससे उसे विश्वास हो गया कि आभूषणों का दुरुपयोग किया गया है। फिलहाल जांच चल रही है।

दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू 10 अप्रैल से मिलेगा कार्ड

नई दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में केंद्र सरकार की आयुष्मान योजना लागू हो गई है। इसको लेकर दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच समझौता हो गया है। अब 10 अप्रैल से कार्ड मिलने शुरू हो जाएंगे। इस सुविधा के तहत पंजीकृत व्यक्ति दिल्ली सहित देशभर के निजी अस्पतालों में 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज करवा सकेंगे। इसको लेकर शनिवार को दिल्ली में आयुष्मान के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच समझौता हुआ है।

दिल्ली के स्वास्थ्य सचिव और केंद्र सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेंद्र, स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह, सभी सातों सांसद सहित अन्य गणमान्य लोग उप-स्थित रहे।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार ने इस योजना को लागू करवाया और बढ़ा फंड दिया। केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार एक दिशा में काम न करें इसका उदाहरण है। दिल्ली को इस योजना का लाभ नहीं मिल रहा था। मंहगा इलाज होता था। निजी अस्पताल में मिल सकते थे। इस योजना के लागू होने पर मनपसंद अस्पताल में इलाज करवा सकेंगे। 1961 चिकित्सा बीमारी का इलाज करवा सकता है। 30957 देशभर के अस्पतालों में इलाज करवा सकते हैं। 2 लाख 35 हजार को पहले चरण में लाभ मिलेगा। 10 अप्रैल से कार्ड मिलेगा। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, यह एक ऐतिहासिक दिन है। इस दिन को मोदी जी ने 9 साल पहले सोचा था वो आज लागू हो रही है। 2009 में जेनेवा गया था। क्या भारत में ऐसा सोच सकेगा। पीएम से बात की तो हेल्थ कवरेज के बारे में सोचा। तो एक लाख की स्कीम लेकर गए। दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। ये पहली योजना है जो गरीब को जोड़ती है। हेल्थ कवर दिया गया। इस साल मोदी जी ने 70 साल अधिक के सभी को 5 लाख का इलाज दिया है। इसकी मदद से लोगों के इलाज में खर्च होने वाला पैसे में कमी आई है। 6 लाख लोग 70 से अधिक के होंगे। जबकि 30 लाख गरीब लोगों को इस योजना का फायदा होगा। 36 लाख लोगों को दिल्ली में इस योजना से सुविधा मिलेगी।

दिल्ली सरकार के मुताबिक, समझौते के साथ ही योजना के तहत पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उम्मीद है कि अगले एक माह में एक लाख परिवारों को यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। योजना के पहले चरण के लिए एएवाई और पीआरएस कार्ड को चुना है। इसके अलावा दूसरे नियम भी बनाए जा रहे हैं। समझौते के साथ ही योजना में शामिल करने के लिए नियम और शर्त सार्वजनिक हो जाएंगे। इन्हीं नियमों के तहत दिल्ली के सभी लाभार्थियों को सुविधा मिलेगी।

उत्तर प्रदेश सरकार का फैसला

सौर ऊर्जा से लैस होंगे 75 जिलों के सरकारी भवन

लखनऊ, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में सरकारी भवनों को सौर ऊर्जा से लैस करने की प्रक्रिया जारी है। उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा अभिकरण (यूपीनेडा) सभी जिलों में सरकारी भवनों की फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार कर रहा है। योजना के अनुसार, इसमें उन भवनों का नाम तो होगा ही जिन्हें 25 किलोवॉट व उससे ज्यादा क्षमता वाले सौर ऊर्जा आधारित ग्रिड युक्त किया गया है, साथ ही उन भवनों की लिस्ट भी तैयार होगी जो सौर ऊर्जा युक्त किए जाने के लिए चिह्नित हैं या फिर जिनमें किसी कारणवश प्रक्रिया को आगे नहीं बढ़ाया जा सका। इस कार्य को यूपीनेडा द्वारा एक विशिष्ट टीम के गठन से पूरा किया जाएगा जिसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यूपीनेडा द्वारा तैयाह होने वाले विस्तृत खाका में प्रदेश के सभी जिलों के सरकारी भवनों का लेखा-जोखा होगा। इसमें 25 किलोवॉट व उससे ज्यादा क्षमता वाले सभी ग्रिड कनेक्टेड सोलर रूफटॉप इंस्टॉलेशन वाले सरकारी भवनों का डाटाबेस विशिष्ट टीम करेगी। इसके अतिरिक्त, टीम द्वारा सौर ऊर्जा प्रणालियों के लिए

उपयुक्त सरकारी भवनों की पहचान करने, विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने और यूपीईआरसी आरएसपीवी विनियम 2019 व इसके बाद के संशोधनों के अनुसार इन भवनों पर सौर फोटो वोल्टिक (एसपीवी) सिस्टम स्थापित करने की व्यवहार्यता का आकलन कर रिपोर्ट पेश किया जाएगा। इस कार्य को केवल जनपद मुख्यालय स्तर पर ही नहीं बल्कि शहर, तहसील, ब्लॉल व ग्राम स्तर पर भी पूरा किये जाने का लक्ष्य निर्धारित है। टीम द्वारा साइट सर्वेक्षण और डाटा संकलन किया जाएगा जिसके अनुसार प्रत्येक भवन के लिए विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करेगी।

प्रक्रिया के अंतर्गत, रिपोर्ट में जिन सरकारी भवनों को ग्रिड कनेक्टेड सोलर रूफटॉप इंस्टॉलेशन के लिए चिह्नित किया जाएगा उनमें स्थापना कार्य को पूरा करने के लिए एक डीटेल्ड एक्शन प्लान तैयार होगा। इसमें कॉम्प्रिहेंसिव प्रोसेस फ्रेमवर्क तथा बिजनेस रिक्वायरमेंट डॉक्यूमेंट (बीआरडी) रिपोर्ट का संकलन शामिल है। कार्य योजना के अनुसार यूपीनेडा इन इंस्टॉलेशन कार्यों को पूरा करने के लिए पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स (पीएसयू) से हाथ मिलाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, प्रक्रिया के आखिरी चरण में डिजिटल सौर मानचित्र का निर्माण किया जाएगा जिसमें प्रत्येक जिले में रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन वाले सरकारी भवनों का विवरण होगा। इसे बाद में एकीकृत करके प्रदेश स्तर पर एक डिजिटल सौर मानचित्र के गठन के कार्य को भी पूरा किया जाएगा

दिल्ली सरकार ने बंद कर दी आपा की एक फ्री वाली सुविधा

नई दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के बाद से यह सवाल लगातार उठ रहा था कि क्या पिछली आम आदमी पार्टी (आपा) की सरकार द्वारा चलाई गई किसी मुफ्त सुविधा की योजना को क्या बंद कर दिया जाएगा?

विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने बार-बार कहा था कि दिल्ली में जो फ्री वाली योजनाएं चल रही हैं, वे जारी रहेंगी। लेकिन अब रेखा गुप्ता सरकार ने इस दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है और आम आदमी पार्टी सरकार के द्वारा दी गई एक फ्री की सुविधा खत्म कर दी है।

दिल्ली की तत्कालीन आपा सरकार ने ऑटो और काली-पीली टैक्सी और इकनॉमिक टैक्सियों की फिटनेस जांच फीस खत्म करने का बड़ा फैसला लिया था। उस वक्त ऑटो के लिए 200 और टैक्सी के लिए 400 रुपए फिटनेस जांच शुल्क था। 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में जब आम आदमी पार्टी फिर से जीती थी तो यह माना गया था कि इस फैसले का उसे फायदा हुआ है। तब से ऑटो-टैक्सी चालकों से उनके वाहनों की फिटनेस जांच का कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा था लेकिन अब भाजपा सरकार के परिवहन विभाग ने इस सुविधा को खत्म कर दिया है और टैक्सी की फिटनेस जांच के लिए 300 रुपए का चार्ज निर्धारित किया है। दिल्ली ऑटो टैक्सी यूनियन से जुड़े कई लोगों ने फिटनेस जांच की निशुल्क सुविधा खत्म करने का विरोध किया है। दिल्ली ऐसा शहर है, जहां बड़े पैमाने पर टैक्सी चलती हैं। ऐसे में निश्चित रूप से उन लोगों पर इसका असर होगा और इसकी वजह से किराया भी बढ़ सकता है। याद दिलाना होगा कि 70 विधानसभा सीटों वाली दिल्ली की विधानसभा में भाजपा ने 48 सीटों पर जीत दर्ज की है जबकि आम आदमी पार्टी को केवल 22 सीट मिलीं। कांग्रेस का इस बार भी खाता नहीं खुल सका। भाजपा ने 27 साल बाद दिल्ली की सत्ता में वापसी की है।

युवाओं को उद्यमी और आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों का असर

सीएम युवा योजना से जुड़े तीन लाख से ज्यादा युवा

लखनऊ, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू किया गया मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) योजना राज्य के युवाओं को उद्यमिता की दिशा में प्रेरित कर रहा है।

आत्मनिर्भर भारत के सपनों को साकार करने वाली यह योजना तेजी से आगे बढ़ रही है और 31 मार्च 2025 तक 3 लाख से अधिक युवाओं ने इस योजना के अंतर्गत अपना पंजीकरण करा लिया है। यही नहीं, 2024-25 और 2025-25 में अब तक इस योजना के अंतर्गत 28 हजार से अधिक परियोजन-ाओं को स्वीकृत करते हुए करीब 1 हजार करोड़ से ज्यादा की धनराशि बैंकों के द्वारा युवाओं को वितरित की जा चुकी है।

31 मार्च 2025 तक इस योजना के अंतर्गत कुल 3,21,527 युवाओं ने अपना पंजीकरण कराया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में योजना के तहत 1,83,357 आवेदन प्राप्त हुए, जिनकी कुल परियोजना लागत 8894.14 करोड़ रुपए थी। वेरिफिकेशन के उपरांत 1,48,632 आवेदन 7168.01 करोड़ रुपए की परियोजना लागत के साथ बैंकों को भेजे

गए। इनमें से 41,286 परियोजनाएं स्वीकृत हुईं, जिनकी लागत 1621.37 करोड़ रुपए रही। वहीं, 27,848 परियोजनाओं में 1111.10 करोड़ रुपए वितरित भी किए गए। इसके अतिरिक्त अन्य आवेदनों पर भी कार्यवाही जारी है।

योगी सरकार ने 2025-26 में 1.5 लाख परियोजनाओं को स्वीकृति देने का लक्ष्य रखा है। इसके अंतर्गत 4 अप्रैल 2025 तक 6559 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसकी परियोजना लागत 314.4 करोड़ रुपए है। 3354 परियोजनाएं (160.3 करोड़ रुपए) बैंकों को भेजी गईं तो 399 परियोजनाओं (16 करोड़) को स्वीकृति मिली। इसके अंतर्गत 175 परियोजनाओं में 7.1 करोड़ रुपए का वितरण भी हो चुका है। शेष पर कार्यवाही जारी है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बैंकों में लंबित आवेदनों की संख्या को लेकर निर्देश दिए हैं कि संबंधित जिलाधिकारी और सीडीओ बैंकों का निरीक्षण करें। सभी सीडीओ नियमित मॉनीटरिंग करें और बैंकर्स कमेटी की बैठकें आयोजित कर निस्तारण की गति बढ़ाई जाए।

सीएम युवा योजना उत्तर प्रदेश सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य अगले 10 वर्षों में 10 लाख युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। योजना के तहत माइक्रो और स्मॉल यूनिट्स के माध्यम से आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसका लाभ लेने के लिए 21 से 40 वर्ष की आयु सीमा होनी चाहिए और न्यूनतम 8वीं पास व कौशल प्रशिक्षण प्रमाण पत्र अनिवार्य है। इसके माध्यम से 5 लाख तक का ब्याज मुक्त, बिना गारंटी ऋण प्रदान किया जाएगा। साथ ही, 10 प्रतिशत मार्जिन मनी का अनुदान भी प्राप्त होगा

मोदी सरकार ने बिहार को दिया 588 करोड़ का तोहफा

आपदा से राहत के लिए खोला खजाना

नई दिल्ली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। बाढ़, बादल फटने, भूस्खलन और चक्रवाती तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए मोदी सरकार ने बिहार को 588.73 करोड़ रुपए दिए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली एक उच्चस्तरीय समिति ने इसकी मंजूरी दी है। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश के लिए 136.22 करोड़ रुपए, तमिलनाडु के लिए 522.34 करोड़ रुपए और पुडुचेरी के लिए 33.06 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं।

केंद्र द्वारा दी गई यह सहायता राशि राज्यों को राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (डऊठऋ) और केंद्रशासित प्रदेश आपदा प्रतिक्रिया कोष (यूटीडीआरएफ) में जारी की गई धनराशि के अतिरिक्त है। बता दें कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान केंद्र सरकार ने एसडीआरएफ के तहत 28 राज्यों को 20,264.40 करोड़ रुपए और एनडीआरएफ के तहत 19 राज्यों को 5,160.76 करोड़ रुपए जारी किए थे।

आला हजरत हेल्पिंग सोसाइटी की अध्यक्ष निदा खान ने कहा

वक्फ की जमीनों पर जिनका कब्जा, वही कर रहे विरोध

बरेली, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। आला हजरत हेल्पिंग सोसाइटी की अध्यक्ष निदा खान ने वक्फ संशोधन विधेयक को जरूरी बताया है। निदा खान ने कहा कि यह विधेयक मुसलमानों की बेहतरी के लिए है। मुसलमानों को इससे डरने की जरूरत नहीं है। इसका वही लोग विरोध कर रहे हैं, जिनके आलीशान घर वक्फ की जमीनों पर बने हैं। निदा खान ने मौलाना तौकीर रजा खान पर भी निशाना साधा।

आला हजरत की बहू रहीं निदा खान ने एक वीडियो जारी कर कहा कि हम वक्फ बोर्ड के बारे में जानते हैं, लेकिन वक्फ संशोधन विधेयक के बारे में जानना बहुत जरूरी है। यह बिल मुसलमानों की भलाई के लिए हैं। कुछ लोगों का कहना है कि मस्जिदें चली जाएंगी। पुश्तैनी जमीन चली जाएगी। ऐसा कुछ नहीं है। निदा खान ने कहा कि वक्फ सम्पत्तियों पर भूमाफिया द्वारा कब्जा किया जा रहा है। अवैध निर्माण किया जा रहा है। वह कब्रिस्तानों की जमीन तक बेच रहे हैं। उन्होने कहा कि लोगों ने कब्जा कर वक्फ की जमीनों पर घर बना लिए। ये जमीनें औरतों, मजलूम व गरीब मुसलमानों के फायदे के लिए दी गई थीं, लेकिन कुछ लोगों ने कब्जा कर मैरिज लॉन खोल लिए हैं। इसमें बड़े-बड़े लोग शामिल हैं। निदा ने मौलाना तौकीर रजा खान का नाम लेते हुए कहा कि उन्होंने नौमहला मस्जिद की दुकानों का सौदा कर दिया था। ऐसे लोग विरोध कर रहे हैं।

निदा ने कहा कि विरोध वही लोग कर रहे हैं, जो इन कामों में संलिप्त है। जिनके घर वक्फ की जमीनों पर बने हैं। निदा खान ने कहा कि यह विधेयक बहुत जरूरी है। मुसलमान महिलाओं को वक्फ सम्पत्ति से हमेशा दूर रखा गया है। इसलिए महिला सशक्तिकरण में बहुत पीछे हैं। वक्फ संशोधन विधेयक से मुस्लिम महिलाओं को फायदा होगा।

संगमरमर पर लिखा महाभारत का श्लोक, कृष्ण के रथ की पेंटिंग

जामा मस्जिद के सामने तैयार हुई सत्यव्रत पुलिस चौकी

रामनवमी के दिन पुलिस चौकी का होगा उद्घाटन

संभल, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। संभल में जामा मस्जिद के सामने बन रही सत्यव्रत नगर पुलिस चौकी का काम तेजी से पूरा किया जा रहा है। फिलहाल ये पुलिस चौकी लोगों की नजरों में एक खास वजह से आ गई है। चौकी के बाहर बड़े से संगमरमर पर चौकी के नाम सत्यव्रत के साथ महाभारत का रथ और गीता का श्लोक लिखा गया है।

संगमरमर पर श्रीमद्भगवद्गीता के चौथे अध्याय का सातवां श्लोक लिखा गया है। नीले रंग से रथ बनाकर उसके नीचे यदा यदा ही धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम।। परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्। धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे।। लिखा गया है। हिंदी में इस श्लोक का अर्थ है, जब-जब धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब मैं अपने रूप को रचता हूं, अर्थात साकार रूप से लोगों के सम्मुख प्रकट होता हूं। साधु पुरुषों का उद्धार करने के लिए, पापियों का विनाश करने के लिए और धर्म की स्थापना करने के लिए मैं युग-युग में प्रकट हुआ करता हूं।

कलाकृति बनाने के लिए राजस्थान से कारीगरों को बुलाया गया है। कभी भी धूप और पानी से न खराब होने वाले एनिमेटेड रंगों का उपयोग किया गया है। इसका लोकार्पण रामनवमी के दिन किया जा सकता है। इस चौकी में क्षेत्र में आवाजाही करने वाले हर व्यक्ति का डिजिटल बायोडाटा होगी। साथ ही संभल जिले का डेल्टा कंट्रोल रूम भी यहीं स्थापित किया जाएगा।

राहुल-प्रियंका से नाराज इंडियन मुस्लिम लीग कांग्रेस सांसद के इस कदम को बताया काला धब्बा

तिरुवनंतपुरम, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन विधेयक के लोकसभा और राज्यसभा में पेश होने के दरम्यान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की चुप्पी को लेकर मुस्लिम संगठनों ने कड़ा प्रतिरोध जताया है। केरल के मुस्लिम संगठन समस्त केरल जमायतुल उलमा द्वारा संचालित मलयालम दैनिक सुप्रभातम ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मुस्लिम संगठन द्वारा संचालित अखबार ने राहुल गांधी से वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ संसद में न बोलने पर सवाल उठाया है और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी की भी तीखी आलोचना की है।

अखबार ने अपने संपादकीय में प्रियंका गांधी की संसद से अनुप-स्थिति पर भी तीखी टिप्पणी की। अख़बार ने अपने संपादकीय में

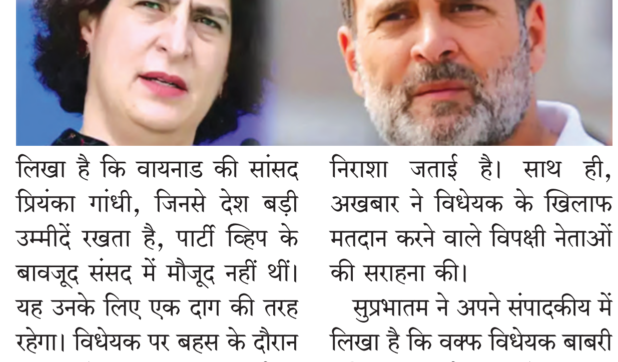

लिखा है कि वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी, जिनसे देश बड़ी उम्मीदें रखता है, पार्टी व्हिप के बावजूद संसद में मौजूद नहीं थीं। यह उनके लिए एक दाग की तरह रहेगा। विधेयक पर बहस के दौरान वह कहां थीं, यह सवाल हमेशा बना रहेगा। प्रियंका गांधी का निर्वाचन क्षेत्र वायनाड मुस्लिम बहुल इलाका है। लोकसभा चुनाव के दौरान इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने कांग्रेस के साथ मिलकर प्रियंका के लिए प्रचार किया था, जिसके बाद उन्होंने इस सीट पर जीत हासिल की थी। अखबार सुप्रभातम ने वक्फ (संशोधन) विधेयक के पारित होने पर गहरी निराशा जताई है। साथ ही, अखबार ने विधेयक के खिलाफ मतदान करने वाले विपक्षी नेताओं की सराहना की।

सुप्रभातम ने अपने संपादकीय में लिखा है कि वक्फ विधेयक बाबरी मस्जिद घटना के बाद संघ परिवार द्वारा मुसलमानों और देश की धर्मनिरपेक्षता पर सबसे बड़े हमलों में से एक है। हम उन विपक्षी नेत-ाओं को धन्यवाद देते हैं, जिन्होंने आधी रात के बाद तक चले संसद सत्र में विधेयक के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी और इसके खिलाफ मतदान किया। कांग्रेस और डीएमके सदस्यों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा।

1640 करोड़ की 107 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास

जातिवादी, परिवारवादी और माफियावादी ताकतों का टाइम खत्म: योगी

गोरखपुर, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। वासंतिक नवरात्र की अष्टमी तिथि पर गोरखपुर को रोड कनेक्टिविटी, आतिथ्य एवं पर्यटन, आवासीय योजना सहित विकास के अनेकानेक उपहार देने आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरासत और विकास के संगम के विजन से 2017 से बदला उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। आज का उत्तर प्रदेश अब जातिवादी, परिवारवादी व माफियावादी ताकतों के हाथों में नहीं खेलेगा बल्कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करते हुए देश की अर्थव्यवस्था का अग्रणी राज्य बनेगा।

सीएम योगी शनिवार दोपहर बाद गोरखपुर को 1640 करोड़ से अधिक की 107 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रामगढ़ताल रिंग रोड प्रथम चरण (पैडलेगंज से स्मार्टव्हील्स तक), रामगढ़ताल क्षेत्र में बहुआयामी कार्निवाल ऑफ ड्रीम्स पार्क, बहुमंजिली आवासीय योजना गोरक्ष एंक्लेव का शुभारंभ तथा विश्व स्तरीय कन्वेंशन सेंटर का शिलान्यास किया। साथ ही उनके हाथों जीडीए (गोरखपुर विकास प्राधिकरण) की अन्य कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर चंपा देवी पार्क मैदान में आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास की प्रक्रिया अनवरत चलाने की सोच रखने वाली वर्तमान डबल इंजन

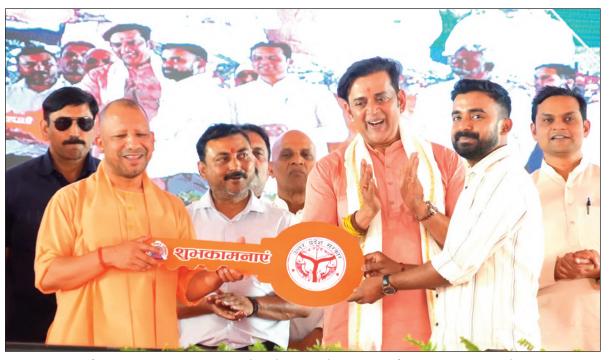

सरकार और पिछली सरकारों में फर्क यह है कि पिछली सरकारें परिवार के लिए लड़ रही थीं। परिवार के लिए कार्य कर रही थीं। वे प्रदेश के संसाधनों में लूट मचाई हुई थीं। पिछली सरकारों में बिजली नहीं मिलती थी, सड़के गड्ढों में तब्दील थीं। पर्व और त्योहार आने के पहले सन्नाटा छा जाता था, लोगों के घर में आशंका होती थी कि पता नहीं कब क्या हो जाए?

अब तो पर्व और त्योहार किसी के भी आएं, शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो रहे हैं। शांतिपूर्ण तरीके से लोग उत्साह और उमंग के साथ आयोजनों का हिस्सा बनते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की प्रगति से 25 करोड़ जनता को परेशानी कोई परेशानी नहीं है, बल्कि परेशान तो दंगाइयों और दंगाइयों के आका हैं क्योंकि बढ़ते व्यापार, व्यापरियो, बहन-बेटियों की सुरक्षा के साथ पूर्ण रूप से सुरक्षित उत्तर प्रदेश में उनका धंधा चौपट हो गया है। उन्होंने कहा कि आज के उत्तर प्रदेश में दंगाई और दंगाई के आका परेशान हैं। वह उत्तर प्रदेश के खिलाफ विष वमन कर रहे हैं। उन्हें उत्तर प्रदेश की प्रगति अच्छी नहीं लग रही है। वे कहते हैं कि उत्तर प्रदेश की प्रगति के आंकड़े तो फर्जी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था के आंकड़े फर्जी नहीं हैं बल्कि ऐसा कहने वालों की सोच दूषित हो चुकी है। ऐसे लोग अपनी दूषित सोच को उत्तर प्रदेश पर मत थोपें, वे जान लें कि अब यह उत्तर प्रदेश बदल चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा सुरक्षा के माहौल में उत्तर प्रदेश देश और दुनिया में निवेश के बेहतरीन गंतव्य के रूप में उभरा है। अब आगे बढ़ रहा उत्तर प्रदेश जातिवादी, माफियावादी और परिवारवादी ताकतों के हाथों में नहीं खेलेगा। अब उत्तर प्रदेश विरासत और विकास के प्रधानमंत्री मोदी के विजन पर विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत की इसी परिकल्पना को साकार करने के लिए आज उत्तर प्रदेश के अंदर हर एक जनपद में नई प्रतिस्पर्धा खड़ी हुई है। गोरखपुर हो या वार-ाणसी, प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ, कानपुर, आगरा, मेरठ, बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, गाजियाबाद, इन सभी जिलों में एक नई प्रतिस्पर्धा खड़ी हुई है कि कौन अच्छा कार्य कर सकता है। इसी स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बनने के लिए जब प्रदेशवासी खड़ा हुआ है तो उत्तर प्रदेश को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने

में देर नहीं लगेगी।

सीएम योगी ने कहा कि 1947 से 2017 तक जिन लोगों ने परिवारवादी, जातिवादी और तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया था उनके समय में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था लगातार गिरावट की ओर थी। आबादी में सबसे बड़ा, प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर, सबसे उर्वरा भूमि वाला और सबसे प्रतिभाशाली युवाओं वाला राज्य होने के बावजूद विकास के पायदान पर लगातार गिरावट थी। जबकि 2017 के बाद तीन वर्ष कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से लड़ते हुए भी लगातार उत्तर प्रदेश आगे बढ़ता जा रहा है। उत्तर प्रदेश 2017 में देश की सातवीं अर्थव्यवस्था था, आज वही उत्तर प्रदेश देश की नंबर दो की अर्थव्यवस्था बन चुका है सबसे तेज अर्थव्यवस्था के रूप में देश के अंदर वर्तमान में आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार की उन सभी योजनाओं में जिसमें 2017 के पहले उत्तर प्रदेश सबसे फिसड्डी रहता था, आज नंबर एक की लड़ाई में सबसे आगे है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए भारत का नया उत्तर प्रदेश सुरक्षा के बेहतरीन वातावरण में हर एक क्षेत्र में आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। इसीलिए जिन लोगों में क्षमता नहीं थी, उनको उत्तर प्रदेश के आंकड़े फर्जी लगते होंगे लेकिन जिनमें सामर्थ्य था उन्होंने करके दिखा दिया है।

सीएम ने कहा कि पहले की सरकारों में जहां जिलों में माफिया होते थे, वसूलीबाज होते थे वहीं वर्तमान सरकार में एक जिला-एक उत्पाद और एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज जैसी अभिनव योजनाएं हैं। अपने अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ उत्तर प्रदेश आज देश के विकास में भरपूर योगदान दे रहा है। आज का यूपी भारत का ग्रोथ इंजन बनकर उभरा है। आज उत्तर प्रदेश में पर्व और त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हो रहे हैं। नौजवानों को यहीं पर रोजगार और नौकरी मिल रही है। उन्होंने कहा कि 1947 से लेकर 2017 तक उत्तर प्रदेश पुलिस बल में केवल 10000 महिला पुलिसकर्मी थीं। जबकि गत दिनों हुई 60000 से अधिक की पुलिस भर्ती में ही अकेले 12000 से अधिक बेटियों को भर्ती किया गया। मुख्यमंत्री ने किसानों के हित की चर्चा करते हुए कहा कि गन्ना किसानों के लिए 1996 से लेकर 2017 तक जितना गन्ना मूल्य का भुगतान हुआ उससे, 60000 करोड़ यानी 280000 करोड रुपए का गन्ना मूल्य का भुगतान सिर्फ आठ वर्षों में डबल इंजन सरकार ने किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़क, रेल और एयर कनेक्टिविटी के लिहाज से मजबूत हुए गोरखपुर को शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग का हब बनने की दिशा में अग्रसर शहर बताते हुए कहा कि यहां जीडीए की तरफ से पांच लाख लोगों की आवसीय आवश्यकता के दृष्टिगत न्यू गोरखपुर सिटी भी बसा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज का गोरखपुर वह सिटी नहीं है जिसकी पहचान अपराध के गढ़ और माफियागिरी के चलते थी। आज का गोरखपुर विरासत और विकास के अद्भुत सामंजस्य के साथ आगे बढ़ रहा है। आज का गोरखपुर चार विश्वविद्यालयों वाले शहर के रूप में, एम्स, बीआरडी की सुपर स्पेशलिटी और निजी क्षेत्र के अनेक अच्छे अस्पतालों के माध्यम से शिक्षा और स्वास्थ्य का हब बन चुका है। 2017 के पहले तक जहां यहां इंसेफेलाइटिस के चलते बचपन काल कवलित होता था, वहीं डबल इंजन सरकार ने अभियान चलाकर इंसेफेलाइटिस को छू मंतर कर दिया है। अब बच्चे इंसेफेलाइटिस की चपेट में आकर काल कवलित नहीं होंगे बल्कि उनकी प्रतिभा विकास में योगदान देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का गोरखपुर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के साथ ही निवेश के बेहतरीन गंतव्य के रूप में भी उभरा है।15000 करोड रुपये के निवेश से 60000 नौजवानों को रोजगार गोरखपुर में मिला है। यहां नए-नए उद्योग लग रहे हैं। नए होटल खुल रहे हैं। देश और दुनिया के उद्यमी यहां निवेश कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने वीर सावरकर का किया अपमान

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राहत देने से इन्कार किया

प्रयागराज, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वीर सावरकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी को राहत देने से इन्कार कर दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने साल 2022 में भारत जोड़ो यात्रा रैली के दौरान वीर सावरकर के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस मामले में सत्र न्यायालय ने उन्हें तलब किया था। इस आदेश को हाईकोर्ट ने रद्द करने से इन्कार कर दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुभाष विद्यार्थी ने राहुल गांधी की याचिका पर विचार करने से इन्कार करते हुए कहा कि राहुल गांधी के पास दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 397 (निचली अदालत के रिकॉर्ड की समीक्षा) के तहत सत्र न्यायाधीश के समक्ष याचिका दायर करने का विकल्प है। पिछले साल दिसंबर में लखनऊ सत्र न्यायालय ने उन्हें अदालत में हाजिर होने के लिए कहा था। अदालत के इस आदेश को रद्द करने के लिए राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में याचिका दी थी। राहुल गांधी ने कहा था कि सावरकर एक ब्रिटिश नौकर थे, जिन्हें पेंशन मिलती थी। ट्रायल कोर्ट ने कहा कि इन टिप्पणियों से समाज में नफरत और दुर्भावना फैली है। इसलिए, ट्रायल कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला पाया है।

अदालत ने पाया था कि राहुल गांधी ने 17 नवंबर 2022 को समाज में नफरत और दुर्भावना फैलाई थी। लखनऊ के अपर सिविल जज (सीनियर डिविजन)/एसीजेएम आलोक वर्मा ने अपने आदेश में कहा था, प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहले से छपे पर्चे और पत्रक वितरित करना दर्शाता है कि राहुल गांधी ने समाज में नफरत और दुश्मनी फैलाकर राष्ट्र की बुनियादी विशेषताओं को कमजोर और अपमानित किया है। दरअसल, सावरकर के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर अधिवक्ता नृपेंद्र पांडेय ने राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। याचिका में कहा गया है, राष्ट्रवादी विचारधारा के महान नेता क्रांतिवीर सावरकर आजादी के इतिहास में एक निडर स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने भारत माता को गुलामी से मुक्त कराने के लिए अंग्रेजों के अमानवीय अत्याचारों को सहन किया।

पांडेय ने अपनी शिकायत में यह भी दावा किया है कि महात्मा गांधी ने पहले भी विनायक दामोदर सावरकर को देशभक्त माना था। अधिवक्ता की शिकायत के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं रायबरेली से लोकसभा सांसद राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153-ए (शत्रुता को बढ़ावा देना) और 505 (सार्वजनिक शरारत) के तहत आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के बाद जून 2023 में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने पांडेय की शिकायत को खारिज कर दिया था। इसके बाद पांडे ने सत्र न्यायालय में इसे चुनौती दी थी। सत्र न्यायालय ने तब याचिका को स्वीकार कर लिया और मामले को वापस मजिस्ट्रेट अदालत में भेज दिया था।

तंत्र-मंत्र के नाम पर संभल में चल रहा था सेक्स का धंधा

संभल, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। दंगा और हिंसा के लिए कुख्यात संभल में तंत्र क्रिया के नाम पर मानव तस्करी करने वाले गिरोह का भी खुलासा हुआ है। इस गिरोह के अहम पात्र को गिरफ्तार किया गया है। उसने खुद को मथुरा के एक निजी विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी और इन्फॉरमेशन साइंस का प्रोफेसर बताया है। इस मामले में 28 मार्च को पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार कर गिरोह का भंडाफोड़ किया था।

संभल में तंत्र विद्या की आड़ में यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग का धंधा चल रहा था। मथुरा के एक निजी विश्वविद्यालय का प्रोफेसर बताने वाले व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह प्रोफेसर धनवर्षा गैंग का सदस्य है। प्रोफेसर तंत्र क्रिया के नाम पर लड़कियों की लंबाई फीते से नापता था, उनसे एक फॉर्म भरवाता था, उसके बाद उन्हें गैंग में शामिल करता था। आरोपी के मोबाइल से कई आपत्तिजनक वीडियो, तस्वीरें और चैट्स मिली हैं। आरोपी के मोबाइल से मिले फॉर्म में हैरान करने वाले सवाल होते हैं। जो लड़कियों से भरवाए जाते थे, उसके बाद ही लड़कियों को गैंग में शामिल कराया जाता था।

गिरफ्तार आरोपी दशरथ ने खुद को मथुरा की एक निजी यूनिवर्सिटी में लाइब्रेरी एवं इन्फॉर्मेशन साइंस का प्रोफेसर बताया। आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने यह जानकारी दी।

मोहनलालगंज में खाली प्लॉट पर गुलफाम ने बना दी कब्र

लखनऊ, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ में मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के गांव पुरसैनी में एक खाली प्लॉट पर कब्र बना दी गई। प्लॉट मालिक को इसकी जानकारी हुई तो उसने कब्र बनाने वालों से बातचीत की कोशिश की। मामला नहीं सुलझा। इसके बाद पीड़ित ने प्रशासन एवं मोहनलालगंज थाने पर गुहार लगायी। फिर भी पीड़ित की कोई सुनवाई नहीं हो सकी है।

पीड़ित पक्ष के सुधांशु ने बताया कि कुछ दिनों पहले उनके प्लॉट (खसरा संख्या 1443) पर कब्र देखकर वे सभी हक्का बक्का रह गए। मालूम करने पर पता लगा कि ये कब्र गांव के ही गुलफाम और दऊवा ने बनाई है। प्लॉट में घुसने के लिए पहले उन्होंने दीवार गिरा दी और चुपके से कब्र बना दिया। समूचे घटनाक्रम को देखते हुए उन्होंने पहले तो तहसील में गुहार लगाई। फिर वे पुलिस थाने भी गये, लेकिन दोनों जगहों पर न्याय नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली से भी उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों तक अपनी शिकायत पहुंचाने की कोशिश की। वहां से मेरी शिकायत को सिविल मामला बताते हुए पुलिस के पास जाने को कह दिया गया। मोहनलालगंज थाने की पुलिस मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। मोहनलालगंज थाना के प्रभारी निरीक्षक अमर सिंह ने बताया कि थाने पर अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले लोगों की बातों को सुना और तत्काल कार्रवाई कराई जाती है। प्लॉट पर कब्र से संबंधित पुलिस चौकी के चौकी इंचार्ज गुड्डू प्रसाद है। उनसे वार्ता कर तत्काल मौके पर पहुंचने के लिए कहा जाएगा। अवैध रूप से कब्र बनी हुई पाए जाने पर कार्रवाई करायी जाएगी।

वक्फ संशोधन विधेयक पास होने पर जश्न

मुस्लिमों ने मिठाई बांटकर आभार जताया

मुरादाबाद, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। मुरादाबाद में शुक्रवार को मुस्लिम समाज की महिलाओं व पुरुषों ने संसद के दोनों सदनों में वक्फ संशोधन अधिनियम बिल पारित होने पर सिविल लाइन स्थित अंबेडकर पार्क में मिठाई बांटकर हर्ष जताया। साथ ही सभी ने बिल के पास होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करते हुए इस कदम की सराहना की। इस मौके पर समाजसेवी फराह ने कहा लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ संशोधन अधिनियम बिल पास होने के बाद एक बड़ा बदलाव आएगा। उन्होंने कहा, वक्फ संशोधन अधिनियम के पास होने से बड़ा बदलाव यह होगा कि वक्फ बोर्ड में अब पिछड़े और गरीब मुस्लिमों को प्रतिनिधित्व मिलेगा। इसके अलावा मुस्लिम महिलाओं की भी भागीदारी सुनिश्चित होगी, जिससे व्यवस्था में पारदर्शिता और समावेश बढ़ेगा। फराह ने कहा कि यह विधेयक मुस्लिम समाज के व्यापक हित में है और इससे वक्फ बोर्ड में व्याप्त एकाधिकार खत्म होगा, जिससे ज्यादा लोग लाभान्वित होंगे।

चाइल्ड हेल्पलाइन की 18 नई यूनिट शुरू करेगी यूपी सरकार

लखनऊ, 05 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा और सहायता को सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कई सराहनीय कदम उठाए गए हैं। इसी कड़ी में मिशन वात्सल्य के अंतर्गत संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन (1098) सेवा को और सशक्त करते हुए योगी सरकार ने इसकी पहुंच और प्रभावशी-लता को बढ़ाने के लिए व्यापक कदम उठाए हैं। योगी सरकार प्रदेश चाइल्ड हेल्पलाइन के 9 नए रेलवे स्टेशन व 9 नए बस स्टैंड यूनिट की जल्द ही शुरुआत करने जा रही है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 से चाइल्ड हेल्पलाइन मिशन वात्सल्य योजना के अन्तर्गत संचालित इस योजना के तहत बच्चों को 24 घंटे सक्रिय सहायता प्रदान की जा रही है। अभी तक चाइल्ड हेल्पलाइन में राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम, समस्त जनपदों में 75 चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिट और 19 रेलवे स्टेशन यूनिट व 2 बस स्टैंड यूनिट संचालित हैं। यह कदम बच्चों को त्वरित सहायता और सुरक्षा प्रदान करने में मील का पत्थर साबित हो रहा है।

योगी सरकार ने बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए चाइल्ड हेल्पलाइन सेवा को और प्रभावी बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। 24 घंटे

सक्रिय सहायता प्रदान करने वाली यह सेवा बच्चों के लिए संकट के समय एक मजबूत सहारा बन चुकी है जो यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी बच्चा संकट में अकेला न रहे। इसके साथ ही, 19 रेलवे स्टेशन यूनिट और 2 बस स्टैंड यूनिट की स्थापना ने उन बच्चों को भी सुरक्षा का आलम प्रदान किया है, जो यात्रा के दौरान जोखिम में होते हैं।

चाइल्ड हेल्पलाइन के विस्तार में भारत सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही योगी सरकार इसे प्रभावी रूप से लागू किया है। महिला एंव बाल विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत सरकार ने 9 नई रेलवे स्टेशन यूनिट और 9 नई बस स्टैंड यूनिट को स्वीकृति प्रदान की है। इन नई यूनिट्स को क्रियाशील करने की जिम्मेदारी भी शुरू कर दी गई है, जिससे चाइल्ड हेल्पलाइन की पहुंच और व्यापक होगी। यह कदम उन बच्चों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगा, जो रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थानों पर असुरक्षित स्थिति में पाए जाते हैं।

संकट में फंसे बच्चों को त्वरित सहायता, परामर्श, और सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने में चाइल्ड हेल्पलाइन ने अहम भूमिका निभाई है। चाइल्ड हेल्पलाइन का उद्देश्य असुरक्षित बच्चों को तुरंत मदद देना है। यह सेवा 24 घंटे सक्रिय रहकर पुलिस सहायता, चिकित्सा, आश्रय, कानूनी मदद, भावनात्मक समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करती है। कोई भी बच्चा, कहीं से भी, किसी भी समस्या के लिए 1098 पर कॉल कर सकता है। यह बच्चों को परिवार या समाज से जोड़ने में भी मदद करती है, चाहे वह सड़क पर हों या रेलवे स्टेशन पर खो गए हों। आंकड़ों के अनुसार, अपने शुरुआत से चाइल्ड हेल्पलाइन को अब तक 10.05 लाख कॉल प्राप्त हुई हैं जिसमें आवश्यक रूप से 96,012 बच्चों को योगी सरकार ने त्वरित सहायता प्रदान की है।

क्या आप जानते हो

बहादुर बब्बर शेर

अगर यह प्रश्न पूछा जाए कि जंगल का राजा कौन है, तो शायद ही कोई ऐसा हो, जिसे मालून न हो कि शेर जंगल का राजा है। बहुत पुराने समय से उसे शक्ति और प्रभुत्व का प्रतीक माना जाता है। भारत ने भी उसे अपने राष्ट्रीय चिन्ह में स्थान दिया है। वह पशुओं में सबसे अधिक रोबीला और बहादुर है। बिल्ली जाति का वह एकमात्र पशु है, जिसके नर की गर्दन दर्शनीय अयाल से सुशोभित रहती है। शेर की शारीरिक गठन, बनावट और आदतें घरेलू बिल्ली के समान होती हैं।

एक समय था, जब शेर बब्बर उत्तरी भारत के अधिकांश मैदानी जंगलों में पाया जाता था, किंतु अब उनकी संख्या काफी कम हो गई है। अपनी निर्भीकता के कारण वह सरलता से मारा गया। भारत में उनके संरक्षण के लिए गिरनार में एक संरक्षित वन बनाया है जहां लगभग दो सौ शेर है।

भारतीय शेर की लंबाई 2.5 मीटर से 2.9 मीटर और वजन 200 से 250 किलोग्राम होता है। वह समाज प्रिय पशु है और झुंड बनाकर रहता है। एक झुंड में दो तीन शेर कुछ शेरनियां और बच्चे होते हैं। वे मिलकर शिकार करते हैं, जिसमें प्रमुख भाग शेरनियां लेती हैं। शिकार पर पहला अधिकार शेर का होता है, शेरनियां व बच्चे बाद में खाते हैं। तीन वर्ष से बड़े शेर अपना नया झुंड बनाते हैं। दिन के समय शेर किसी घनी झाड़ी में सोया रहता है, शाम होते ही उसे भोजन प्राप्त करने की चिंता होती है। प्राय: वह जलाशय को जाने वाले मार्ग के किनारे दुबककर बैठ जाता है।

जुगनू कैसे चमकते हैं ?

अंधेरी रातों में जुगनूओं को चमकते हुए तो आप सबने जरूर देखा होगा। यदि अंधेरा हो, तो जुगनू का बारी-बारी से चमकना और बंद होना रोमांचक और आर्कषक दिखता है। जुगनू लगातार नहीं चमकते, बल्कि एक निश्चित अंतराल में ही चमकते और बंद होते हैं। जुगनू के पेट में नीचे की ओर स्किन के ठीक नीचे कुछ हिस्सों में रोशनी पैदा करने वाले अंग होते हैं। इन अंगों में एक रसायन होता है। यह रसायन ऑक्सीजन के संपर्क में आकर रोशनी पैदा करता है। वहां एक और रसायन भी होता है, जो इस रोशनी पैदा करने की क्रिया को उकसाता है, हालांकि यह पदार्थ खुद क्रिया में भाग नहीं लेता है। पुराने जमाने में लोग रोशनी पैदा करने वाले कीटों को पकड़कर अपनी झोंपड़ियों में उजाले के लिए इस्तेमाल करते थे। ये लोग किसी छेद वाले बर्तन में जुगनूओं को पकड़ कर कैद कर लेते थे और रात को इन कीटों की रोशनी में अपना काम करते थे। दूसरे विश्व युद्ध में जापानी फौजी किसी संदेश या नक्शे को पढ़ने के लिए कीटों से निकलने वाली रोशनी की मदद लेते थे। जुगनूओं के अलावा और भी जीव हैं जो रोशनी पैदा करते हैं। कुछ बैक्टीरिया, कुछ मछलियां, कुछ किस्म के शैवाल, घोंघे और केकड़ों में भी रोशनी पैदा करने के गुण होते हैं। कुछ फफूंद भी चमकने की क्षमता रखती हैं और लगातार रोशनी पैदा कर कीटों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। कुकरमुत्ते की एक किस्म भी रात में बड़ी तेजी से चमकती है।

कुदरत का खूबसूरत अजूबा विक्टोरिया जलप्रपात

आकर्षक उद्यानों वाले पठार, ऊंची-ऊंची पर्वत श्रेणियां, रोमांचक वन्य जीवन, समुद्र जैसी विशाल झीलें और मनमोहक जलप्रपात, यह सब कुछ ऐसी विशेषताएं हैं जिनकी वजह से बार-बार अफ्रीका जाने को मन करता है। अफ्रीका की प्राकृतिक खूबसूरती में जो चीज सबसे अधिक हैरान करती है वह है भव्य विक्टोरिया जलप्रपात। इस जलप्रपात को कुदरत का खूबसूरत अजूबा ही कहा जा सकता है।

ऐसा अनुमान है कि प्रति मिनट जैंबेजी नदी का लगभग 55 लाख घन मीटर पानी घाटी में नीचे गिरता रहता है और इस घाटी के सामने के छोर से, जोकि नदी के तट जितना ही ऊंचा है, का आनंद आप ले सकते हैं। इस प्रपात को एक किनारे से दूसरे किनारे तक देखने के लिए आपको कार द्वारा या फिर पैदल पुल पार करके जिम्बाब्वे की सीमा में प्रवेश करना होगा। यह पुल जलप्रपात से 700 मीटर दक्षिण में स्थित है और इस पर खड़े होकर आप इसका पूरा नजारा देख सकते हैं।

विक्टोरिया जलप्रपात के आसपास लोग हजारों साल से रहते आ रहे हैं, लेकिन बाहरी दुनिया को प्रकृति के इस आश्चर्य से परिचित कराने का श्रेय एक स्काटिश मिशनरी डेविड लिविंग्सटन को जाता है। 1855 में एक छोटी सी नाव में बैठ कर वह यहां पहुंचा था। उसी ने उस समय की परंपरा के अनुसार इंग्लैंड की महारानी के नाम पर इसे विक्टोरिया जलप्रपात नाम दिया और उसके नाम पर इस शहर का नाम पड़ा लिविंग्सटन।

इस जलप्रपात का सबसे पुराना नाम शोंगवे था, जो इस क्षेत्र में बसे टोकलेया लोगों ने इसे दिया था। उसके बाद एंडेबेले लोग यहां आकर बसे और उन्होंने इसे बदल कर अमांजा थुंकुआयो कर दिया, जिसका अर्थ हुआ, धुएं में बदलता हुआ पानी। अंत में मकालोलो लोगों ने इसे एक नया नाम दिया मोस औ तुन्या, यानि गरजता हुआ धुआं। स्थानीय लोगों में आज भी यही नाम प्रचलित है। पिछले लगभग साढ़े पांच लाख वर्षों के दौरान यह जलप्रपात अपना स्थान बदलता रहा है। इस प्रक्रिया के दौरान नदी अब तक सात घाटियां पीछे छोड़ कर अपने वर्तमान स्थान पर पहुंची है। यहां आपको पानी तथा कीचड़ में अपने स्थूल शरीर को छिपाने का प्रयास करते हिप्पो भी देखने को मिल जाएंगे।

आसपास के वनों में आपको एक डाल से दूसरी डाल पर कूदते बंदर भी नजर आएंगे साथ ही अनेक प्रकार के पक्षियों का कलरव भी आपका मन मोह लेगा। यहां का विक्टोरिया राष्ट्रीय उद्यान हाथी, अफ्रीकी भैंस, शेर तथा अन्य वन्य पशुओं से भरा पड़ा है। नदी में बड़े-बड़े खतरनाक मगरमच्छ भी हैं इसलिए इसमें नहाना सुरक्षित नहीं है। यहां सूर्योदय तथा सूर्यास्त देखने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से दिसंबर के बीच ही होता है, उस समय नदी में पानी भी ज्यादा नहीं होता और आकाश भी साफ होता है। आधुनिक पर्यटकों के मनोरंजन के लिए यहां पैराशूटिंग और जैंबेजी पुल से बंजी जंपिंग जैसे रोमांचक खेलों की व्यवस्था है। मछली पकड़ने के शौकीनों के लिए कुछ विशेष नौकाएं भी यहां उपलब्ध हैं जो नदी के अंदर ले जाकर आपके इस शौक को पूरा करती हैं। विक्टोरिया जलप्रपात को देखने के बाद आप यह अवश्य ही महसूस करेंगे कि प्रकृति का इससे अधिक रोमांचक, नाटकीय, भव्य तथा विलक्षण रूप शायद ही कहीं अन्यत्र देखने को मिले।

पृथ्वी जैसा एक ग्रह मौजूद है सौर मंडल में

सौरमंडल में अनेक ग्रह, नक्षत्र उपस्थित हैं, इनके बारे में पता लगाने की लगातार कोशिशें चलती रही हैं। हाल ही में अमेरिका के वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के सौरमंडल के बाहर पृथ्वी जैसे ही एक ग्रह की उपस्थिति का पता लगाया है जिसका आकार पृथ्वी जितना ही है। इस ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान का 3 गुना है। वैज्ञानिकों का कहना है कि चूंकि इस ग्रह की बहुत सी विशेषताएं पृथ्वी से मिलती जुलती हैं; इसलिए इस पर जीवन की सम्भावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता।

वैज्ञानिकों ने 'गोल्डीलॉक्स जोन' नामक इस नए ग्रह में पानी होने की सम्भावना भी व्यक्त की है, उनका कहना है कि यह ग्रह जिस तारे की कक्षा में है उससे इसकी दूरी न तो बहुत कम ही है न ही बहुत ज्यादा इसलिए इस ग्रह पर पानी के तरल अवस्था में मौजूद होने की पूरी सम्भावना है। खोजे गए इस नए ग्रह की एक और विषेशता है जो हमारी पृथ्वी से मिलती-जुलती है वह ये कि वातावरण और गुरूत्व के लिए भी यह ग्रह न तो बहुत बड़ा है और न ही बहुत छोटा। पृथ्वी से 20 प्रकाशवर्ष दूर स्थित यह ग्रह 'ग्लीज 581' तारे की कक्षा में चक्कर लगा रहा है। सूर्य का चक्कर लगाने में इसे 37 दिनों का समय लगता है। इस ग्रह के एक भाग में अंधेरा है। इसके 'ग्रे' जोन में जीवन की सम्भावना है। खगोलविद स्टीवन का कहना है कि यदि खोजे गए इस नए ग्रह को अन्य वैज्ञानिकों द्वारा स्वीकृति मिल गई तो यह पृथ्वी से मिलता जुलता पहला ग्रह होगा।

नए ग्रह की यह खोज हवाई स्थित 'डब्ल्यूएम कैक ऑब्जरवेटरी' में किए 11 साल के अध्ययन का परिणाम है। इस नए ग्रह की खोज के साथ ही हमारे सौरमंडल के बाहर खोजे गए ग्रहों की संख्या 400 से भी अधिक हो गई है। गौरतलब है कि हाल ही में खगोलशास्त्रियों ने एक ऐसे आकाशीय पिंड की पहचान की थी जिसका आकार पृथ्वी से दोगुना था, किन्तु इस ग्रह का अपने तारे के बहुत निकट होने के कारण इस पर जीवन की संभावना नहीं की जा सकी। परन्तु अब इस नए ग्रह की खोज ने अवश्य ही हमारे अलग पृथ्वी बसाने की नई उम्मीदें जगा दी हैं।

नकली हीरा

एक दिन बादशाह अकबर के दरबार में एक हीरे का व्यापारी आया। उसने बादशाह के सामने सात हीरे रखे और कहा, 'हुजूर, ये दुनिया के सबसे महंगे हीरे हैं, लेकिन इनमें एक हीरा असली नहीं है, वो शक्कर से बना हुआ है। मैं सारी दुनिया घूम आया हूं, पर कोई भी व्यक्ति पहचान नहीं कर पाया है कि इनमें से नकली हीरा कौन-सा है। क्या आपके दरबार में ऐसा कोई बुद्धिमान व्यक्ति है जो शक्कर से बने हीरे को पहचान सकता हो?'

बादशाह ने तुरंत अपने दरबारियों को हुक्म दिया और उनसे मीठा हीरा पहचानने को कहा, लेकिन उनमें से कोई भी व्यक्ति मीठे हीरे को पहचान नहीं पाया। इस पर बादशाह ने बीरबल को बुलाया और उसे नकली हीरा ढूंढने को कहा। बीरबल ने हीरों को देखा और कहा, 'बादशाह सलामत, आप मुझे कल तक का समय दें, मैं इन हीरों में से नकली हीरे को पहचान सकता हूं।'

दूसरे दिन बीरबल जलेबी का एक टुकड़ा लिए दरबार में आया। जलेबी पर मक्खियां भिनभिना रही थीं। बीरबाल ने जलेबी का टुकड़ा खिड़की से बाहर फेंक दिया। बादशाह ने बीरबल को टोकते हुए कहा, 'यह क्या तमाशा है?'

बीरबल बोला, 'बस देखते जाइए। हुजूर मैं क्या करता हूं।' जलेबी बाहर फेंकते ही मक्खियां उड़कर शक्कर से बने हीरे पर जा बैठीं। बीरबल चिल्लाया, 'हजूर, यही है नकली मीठा हीरा।'

जौहरी ने कहा, 'सही हुजूर, यही है शक्कर से बना नकली हीरा। आप बहुत किस्मत वाले हैं कि आपके दरबार में बीरबल जैसा चतुर और बुद्धिमान मंत्री है। इसकी वजह से आप बड़ी से बड़ी समस्या तुरंत हल कर लेते हैं।'

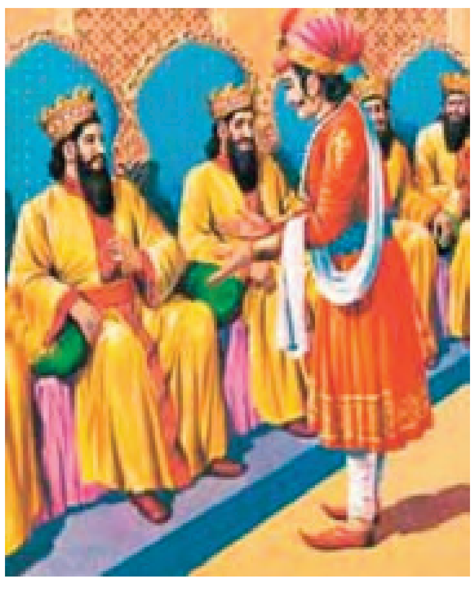

रंगोली के रंग

रंगोली धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक है। हमारे यहां त्योहार, व्रत, पूजा, उत्सव, विवाह आदि शुभ अवसरों पर रंगोली बनाने की परंपरा है। इनका उद्देश्य सजावट और सुमंगल है। रंगोली को द्वार की देहरी, आंगन के केंद्र या पूजा स्थल पर बनाया जाता है।

ऐसे हुई शुरुआत

प्राचीन काल में लोगों का विश्वास था कि कलात्मक चित्र बनाने से घर में धन-धान्य में वृद्धि होती है। ग्रामीण अंचलों में घर-आंगन बुहारकर लीपने के बाद रंगोली बनाने का रिवाज आज भी प्रचलित है।

रंगोली की आकृतियां

रंगोली को बनाने में नारियल का चूरा, चावल का आटा, सिंदूर, रोली, हल्दी, सूखा आटा और रंगोली के रंगो का प्रयोग किया जाता है। इसमें साधारण ज्यामितिक आकार हो सकते हैं या फिर देवी देवताओं की आकृतियां। विशेष अवसरों पर बनाई जाने वाली रंगोलियों में कुछ विशेष आकृतियां भी जुड़ जाती हैं, जैसे दिवाली की रंगोली में दीप, गणेश या लक्ष्मी।

आप भी बनाएं रंगोली

यदि आपको रंगोली बनाने की प्रैक्टिस नहीं है, तो भी मन खराब करने की जरूरत नहीं है। आप भी रंगोली से अपने घर के आंगन को सजा सकते हैं। रंगोली बनाने के लिए प्लास्टिक के स्टेंसिल्स का प्रयोग भी किया जाता है। 'रेडिमेड रंगोली स्टिकर' भी बाजार में उपलब्ध हैं, उन्हें साफ जमीन पर चिपका कर उस पर रंगोली का डिजाइन बनाया जा सकता है। रंगोली को झाड़ू या पैरों से नहीं हटाया जाता है, बल्कि इसे पानी से साफ किया जाता है। किसी सुंदर से कांच या क्रिस्टल के बर्तन में पानी डालें। इसमें फूलों की पंखुड़ियां सजाएं और फिर रंग-बिरंगी कैंडल्स को पानी पर छोड़ दें। यह खुशबूदार और जगमगाती रंगोली आपके घर आने वाले मेहमानों को यकीनन बहुत पसंद आएगी।

हसो हसाओ

टीचर (जय से)- बड़े होकर तुम क्या करोगे?
जय- सर, शादी
टीचर- मेरा मतलब है कि क्या बनोगे?
जय- जी, मैं दूल्हा बनूंगा।
टीचर- मेरा कहना चाह रहा हूं कि तुम क्या हासिल करोगे?
जय- दुल्हन।

संता (दुकानदार से)- एक केला कितने का दिया?

दुकानदार- एक रुपए का एक।

संता- यह तो बहुत महंगा है, तुम मुझे 60 पैसे में दोगे क्या?

दुकानदार- इतने कम पैसों में तो सिर्फ केले का छिलका ही मिलेगा।

संता- तो ठीक है न, ये लो 40 पैसे और सिर्फ केला दे दो।

रंग भरो

समुद्र किनारे लाइब्रेरी

आईकिया कंपनी ने अपनी बीसवीं सालगिरह के उपलक्ष्य में सिडनी बाडी बीच में केवल एक दिन के लिए समुद्र के किनारे एक नायाब लाईब्रेरी पेश की थी। इसमें लाल रंग की 30 बुक शैल्फ रखी गई थीं।

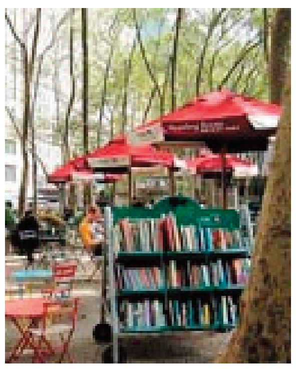

कारों से महंगे ऊंट

आबूधाबी में लगे एक ऊंट महोत्सव में ऊंटों की कीमत मर्सिडीज कारों से भी ज्यादा थी। हाल ही में हुए एक महोत्सव में ऊंट व्यवसायी हमदान बिन गानीम अल फलादी ने 3 ऊंट दो करोड़ चालीस लाख दिहराम (करीब 29 करोड़ रुपए) में खरीदे।

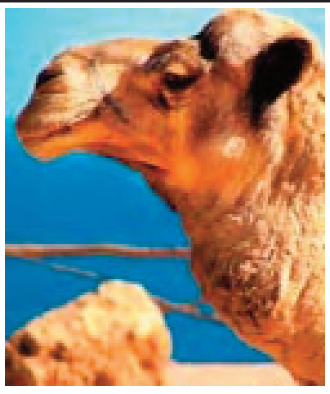

घोंसले वाला मेंढक

कर्नाटक में एक विशेष प्रजाति का मेंढक पाया जाता है, जो पक्षियों की तरह घोंसला बनाकर रहता है। परभक्षियों से आपने अंडों की हिफाजत करने के लिए वह पजे से अपना घोंसला बनाता है।

संयुक्त राष्ट्र नारकोटिक ड्रग्स आयोग ने पाकिस्तान को सदस्य बनाया

न्यूयॉर्क ,05 अप्रैल (एजेंसियां) ।
संयुक्त राष्ट्र नारकोटिक ड्रग्स आयोग (सीएनडी) ने पाकिस्तान को चार साल के लिए सदस्य के रूप में चुना है। यह अवधि 2026 से 2029 तक रहेगी। यह चुनाव संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद में आयोजित मतदान के दौरान किया गया। पाकिस्तान के समाचार की खबर के अनुसार, यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी मिशन ने अपने बयान में दी। बयान में कहा गया कि पाकिस्तान ने परिषद के सदस्य देशों से मिले समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। आयोग में पाकिस्तान का चुनाव वैश्विक मादक पदार्थ नियंत्रण प्रयासों के प्रति देश की प्रतिबद्धता में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के विश्वास और भरोसे को दर्शाता है। मिशन ने बयान में कहा कि पाकिस्तान मादक पदार्थों की तस्करी, उत्पादन और उपयोग के खिलाफ वैश्विक प्रयासों में लगातार सबसे आगे रहा है। बहुत खराब है पाकिस्तान का ट्रैक रिकार्ड महत्वपूर्ण यह है कि संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ड्रग्स एंड क्राइम की इस संबंध में जारी 2013 की एक रिपोर्ट पाकिस्तान के इस दावे को झुठलाती है। इस रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में नशीली दवाओं के आदी लोगों की कुल संख्या 7.6 मिलियन है। इनमें से 78 प्रतिशत पुरुष और शेष 22 प्रतिशत महिलाएं हैं।

रिपोर्ट में चिंता जताई गई थी कि इनकी संख्या प्रति वर्ष 40,000 की दर से बढ़ रही है। इस वजह से पाकिस्तान दुनिया में सबसे अधिक नशीली दवाओं से प्रभावित देशों में से एक बन गया है। पाकिस्तान में हेरोइन, कोकीन और हशीश का भी जमकर प्रयोग होता है। पिछले साल पाकिस्तान की एंटी-नारकोटिक्स फोर्स ने तो गजब का खुलासा किया था। इसने कहा था कि भारत में हेरोइन की तस्करी करने वाला कोई और नहीं लाहौर पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स विंग का प्रमुख मजहर इकबाल है।

न्यूज ब्रीफ

पापुआ न्यू गिनी में 6.9 तीव्रता का भूकंप सुनामी की चेतावनी वापस ली गई

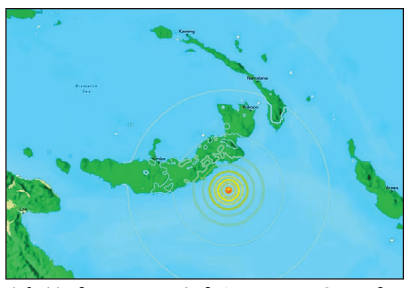

पोर्ट मोरेस्बी। पापुआ न्यू गिनी के तट पर शक्तिशाली भूकंप आने से हड़कंप मच गया । आनन-फानन में सुनामी की चेतावनी जारी की गई, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.9 रही। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कारपोरेशन (एबीसी) की खबर में यह जानकारी दी गई। यूएसजीएस के अधिकारियों ने कहा कि भूकंप शनिवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 6 :04 बजे (एईडीटी के अनुसार सुबह 7 :04 बजे) न्यू ब्रिटेन द्वीप के दक्षिणी तट के पास 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। यह स्थान निकटतम शहर किम्बे से लगभग 194 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है। अमेरिकी सुनामी चेतावनी केंद्र ने भूकंप के तुरंत बाद जारी की गई सुनामी की चेतावनी को वापस ले लिया। बताया गया है कि भूकंप के केंद्र से लगभग 620 किलोमीटर दूर राजधानी पोर्ट मोरेस्बी तक भूकंप का झटका महसूस किया गया। साथ ही पूर्वी न्यू ब्रिटेन प्रांत की राजधानी कोकोपो में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। यूएसजीएस के अनुसार, कुछ देरबाद प्रभावित तट के पास 4.9 और 5.3 तीव्रता के कई छोटे भूकंप आए। न्यू ब्रिटेन द्वीप पर पांच लाख से अधिक लोग रहते हैं। मौसम विज्ञान ब्यूरो ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया को सुनामी का कोई खतरा नहीं है। पापुआ न्यू गिनी इंडोनेशिया के समीप प्रशांत महासागर क्षेत्र में द्वीपों का एक समूह है।

अमेरिका में 75 दिन और चलेगा टिकटॉकः राष्ट्रपति ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह टिकटॉक के संचालन को अमेरिका में 75 दिन और जारी रखने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर रहे हैं, ताकि उनके प्रशासन को इस सोशल मीडिया मंच को अमेरिकी स्वामित्व में लाने के लिए समझौता करने के वास्ते और समय मिल सके। बता दें कि ट्रंप ने शॉर्ट वीडियो ऐप टिकटॉक को बड़ी राहत देते हुए उसे बेचने का समय बढ़ा दिया है। ट्रंप ने हाल ही में लोकप्रिय सोशल मीडिया साइट में हिस्सेदारी खरीदने की मांग करने वाली अमेरिकी कंपनियों की ओर से कई प्रस्तावों पर विचार किया है, लेकिन चीन की बाइटडांस, जो टिकटॉक और इसके करीबी एल्गोरिदम का मालिक है, ने जोर देकर कहा है कि उसका मंच बिक्री के लिए नहीं है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि खरीद की पूरी प्रक्रिया में समय लग सकता है इसलिए थोड़े दिनों के लिए टिकटॉक को राहत दी जा रही है। ट्रंप ने कहा, हमारा प्रशासन टिकटॉक के सौदे और उसे बचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। इस दिशा में हमने काफी काम किया भी है। हालांकि जरूरी मंजूरियों के लिए अभी और काम करना होगा। ऐसे में टिकटॉक की खरीद के लिए 75 दिनों का समय बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि टिकटॉक खत्म ना हो और उसका चीनी स्वामित्व खत्म हो जाए।

एसप्रेसो कैमरों ने की एक नए सुपर-अर्थ ग्रह की खोज

वॉशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के ट्रांज़िटिंग एक्सोप्लेनेट सर्वे सैटेलाइट (टीईएसएस) और चिली के वेरी लार्ज टेलीस्कोप (वीएलटी) पर लगे एसप्रेसो कैमरों ने एक नए सुपर-अर्थ ग्रह की खोज की है। इस नए ग्रह का नाम टीओआई-776 बी रखा गया है। इस खोज से ब्रह्मांड में कुछ खास तरह के एक्सोप्लेनेट्स की कमी को समझने में मदद मिल सकती है, और इसके साथ ही यह जानने में भी मदद मिलेगी कि कुछ ग्रहों पर वायुमंडल क्यों नहीं होते हैं। टीओआई-776 बी , टीईएसएस द्वारा खोजा गया एक नया ग्रह है, जो पृथ्वी से 1.8 गुना बड़ा और 5 गुना अधिक द्रव्यमान वाला है। यह ग्रह अपने तारे, जो कि एक लाल बौना है, के चारों ओर केवल 8.2 दिनों में एक पूरा चक्कर लगाता है। इसके बाद, वीएलटी पर लगे एसप्रेसो उपकरण ने इस ग्रह की पुष्टि की और इसके द्रव्यमान को मापने के लिए रेडियल वेलोसिटी पद्धति का इस्तेमाल किया। सुपर-अर्थ ऐसे ग्रह होते हैं जो पृथ्वी से बड़े होते हैं, लेकिन नेपच्यून से छोटे होते हैं। खगोलज्ञों ने ब्रह्मांड में सुपर-अर्थ और मिनी-नेपच्यून के बीच एक अजीब कमी को देखा है, जिसे रेडियस वैली कहा जाता है। इस कमी के कारण अभी तक पूरी जानकारी नहीं मिल पाई है।

ताइवान की सीमा पर चीनी लड़ाकू विमानों को हुआ जमावड़ा, अमेरिका ने दी चेतावनी

ताइपे,05 अप्रैल (एजेंसियां) ।

चीन और ताइवान के बीच लंबे समय से टकराव की स्थिति रही है। आए दिन एक चीन सीमा नियमों का उल्लंघन करता रहा है। इसी बीच ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि शुक्रवार सुबह 6 बजे चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के 12 विमान और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी के 6 पोतों की गतिविधि ताइवान के आसपास दर्ज की हैं। ताइवान का दावा है कि इन 12 विमानों में से 9 ने ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार किया और ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया।

इससे पहले, एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और यूरोपीय संघ ने ताइवान के आसपास चीन की सेना द्वारा हाल ही में किए गए संयुक्त अभ्यास के बाद ताइवान जलडमरूमध्य में यथास्थिति में किसी भी एकतरफा बदलाव के प्रति अपनी अस्वीकृति दोहराई है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ताइवान जलडमरूमध्य में शांति बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करते हैं और बल या दबाव के जरिए यथास्थिति में किसी भी एकतरफा बदलाव के प्रयास का विरोध किया है।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने एक पोस्ट में लिखा, पीएलए के 12 विमान और चीन नेवी के 6 पोत ताइवान के आसपास सक्रिय पाए गए हैं। इनमें से 9 विमानों ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के दक्षिण-पश्चिम और पूर्वी पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया। हमने स्थिति की निगरानी की और उचित प्रतिक्रिया दी। इससे पहले शुक्रवार को ही ताइवान ने पीएलए के 16 विमानों, 9 नेवी पोतों और 2 आधिकारिक जहाजों की गतिविधि दर्ज की थी। उन 16 विमानों में से 15 ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया था।

अमेरिका ने बिना देरी के 25 सेकंड में हूतियों को कर दिया तबाह

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक वीडियो शेयर करते हुए हूतियों को फिर से चेतावनी दे दी है। वीडियो में दिखाया गया है कि कैसे 25 सेकंड में ही हूती विद्रोहियों के गुट को खत्म कर दिया गया। राजनीतिक और रणनीतिक लिहाज से यह वीडियो काफी मायने रखता है। ट्रंप के वीडियो में देखा जा सकता है कि हूती गोलाकार बनाकर खड़े हुए हैं। इसके बाद अचानक विस्फोट होता है। तेज चमक के बाद पूरा इलाका धुएं और धूल के गुबार में समा जाता है। इसके बाद वीडियो जूमआउट होता है और बड़ा इलाका इस धुएं की गिरफ्त में दिखाई देता है। इसमें दो गाड़ियां भी दिखाई देती हैं। अनुमान है कि इन गाड़ियों का इस्तेमाल हमले के लिए किया गया होगा। वहीं हूती विद्रोहियों ने आंकड़े जारी करते हुए बताया था कि डोनाल्ड ट्रंप का कार्यकाल शुरू होने के बाद से ही अमेरिकी हमलों में कम से कम 67 लोग मारे गए हैं। हालांकि वास्तविक संख्या ज्यादा भी हो सकती है। डोनाल्ड ट्रंप ने वीडियो शेयर करते हुए संदेश भी दिया। उन्होंने लिखा,ये हूती हमले की साजिश के लिए इकट्ठा हुए थे। अब हूती कोई हमला नहीं कर पाएंगे। अब वे हमारा शिप नहीं डुबो सकते। बता दें कि लाल सागर में हूती जहाजों को निशाना बनाते हैं। हमास का समर्थन करने के लिए हूती इजरायल और अमेरिका के जहाजों को ज्यादा निशाना बना रहे हैं। इसी का जवाब देने के लिए अमेरिका ने हूतियों के ठिकानों को तबाह कर दिया।हूती विद्रोहियों ने अभी तक अपने किसी भी नेता की मौत की बात स्वीकार नहीं की है, उधर अमेरिका ने भी किसी भी मारे गए विद्रोही नेता का नाम उजागर नहीं किया है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों के बीच हुई बातचीत के लीक होने पर यह जानकारी सामने आई है कि विद्रोहियों के मिसाइल बल के एक नेता को निशाना बनाया गया था।

यौन शोषण के आरोपित रोमन कैथोलिक चर्च के पूर्व प्रमुख अमेरिकी प्रीलेट थियोडोर ई. मैककैरिक का 94 वर्ष की आयु में निधन

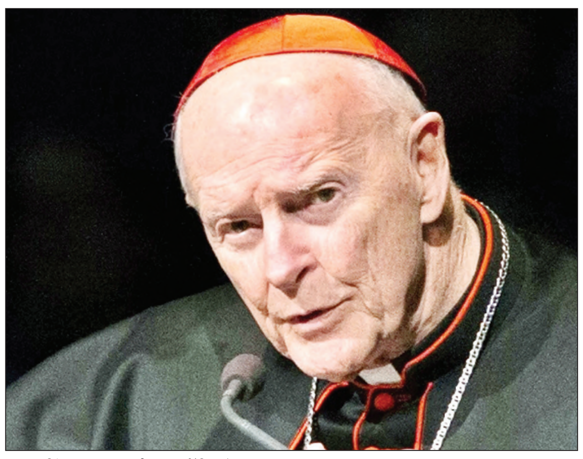

वॉशिंगटन,05 अप्रैल (एजेंसियां) ।

साल 2018 में लड़कियों के यौन शोषण के आरोपों से घिरने के बाद सुर्खियों में आए रोमन कैथोलिक चर्च के प्रमुख अमेरिकी कार्डिनल थियोडोर ई. मैककारिक का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। कदाचार के आरोपों से पहले वे रोमन कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च पदों पर थे। एक जांच के बाद पोप फ्रांसिस ने उनसे उनकी उपाधि और पादरी का पद छीन लिया था।

खबर के अनुसार, वाशिंगटन के पूर्व आर्कबिशप और रोमन कैथोलिक चर्च के सर्वोच्च अमेरिकी प्रीलेट थियोडोर ई. मैककैरिक पर नाबालिगों और सेमिनेरियन का यौन शोषण करने का आरोप लगाया गया था। इस आरोप से वेटिकन सिटी में हड़कंप मंच गया। पोप फ्रांसिस की कड़ी कार्रवाई के बाद वह एक आम आदमी की तरह जीवन बसर करने लगे।

वाशिंगटन के आर्कबिशप कार्डिनल रॉबर्ट डब्ल्यू. मैकलेरॉय ने एक बयान में उनकी मृत्यु की पुष्टि की गई, लेकिन अन्य कोई और विवरण नहीं दिया गया है। वेटिकन के बयान में कहा गया कि गुरुवार को मिसौरी में उनकी मृत्यु हो गई।

मैककारिक के खिलाफ लगे आरोपों के बाद वेटिकन ने चर्च के यौन शोषण संकट से निपटने के लिए कई नीतियों को आकार दिया। जांच में साफ हुआ कि उन्होंने 1971 और 1972 में एक किशोरी से छेड़छाड़ की। वह तब न्यूयॉर्क में मोनसिग्नर थे। उनसे पहले भी हजारों पादरियों पर दुर्व्यवहार के आरोप लगे थे और चर्च ने पीड़ितों को समझौते के तौर पर करोड़ों डॉलर का भुगतान किया। 2012 में बोस्टन के आर्कबिशप और अमेरिका के वरिष्ठ प्रीलेट कार्डिनल बर्नार्ड एफ. लॉ ने इस खुलासे के बीच इस्तीफा दे दिया था।

किंग कोबरा से भी 100 गुना ज्यादा खतरनाक होता है जेलीफिश का जहर

क्या आपको पता है कि ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र में पाई जाने वाली इरुकांजी जेलीफिश का जहर किंग कोबरा से भी 100 गुना ज्यादा खतरनाक होता है। यह जेलीफिश इतनी छोटी होती है कि इसका आकार केवल 1 सेंटीमीटर तक बढ़ता है, लेकिन इसका ज़हर इतना तेज़ और खतरनाक है कि इससे 20 वयस्कों की जान जा सकती है। इरुकांजी जेलीफिश का डंक इतना तेज़ होता है कि इससे इंसान को असहनीय दर्द का सामना करना पड़ता है, जो कई दिनों तक जारी रह सकता है। इसे इरुकांजी सिंड्रोम कहा जाता है, जिससे पीड़ित व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है। इस दर्द के कारण पीड़ित व्यक्ति में डिप्रेशन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है ।

कनाडा में भारतीय नागरिक की चाकू घोंपकर हत्या

ओटावा,05 अप्रैल (एजेंसियां) । कनाडा के ओटावा के निकट रॉकलैंड इलाके में एक भारतीय नागरिक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की। कनाडा में भारतीय दूतावास ने शनिवार सुबह घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है।

भारतीय दूतावास ने एक बयान जारी कर घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और पीड़ित परिवार को सहायता देने का भी ऐलान किया।

दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ओटावा के निकट रॉकलैंड में चाकू घोंपने से एक भारतीय नागरिक की दुखद मौत से हम बहुत दुखी हैं। पुलिस ने बताया है कि एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। हम शोक संतप्त परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए स्थानीय सामुदायिक संघ के माध्यम से निकट संपर्क में हैं।

हालांकि चाकू मारने की घटना का विवरण अभी भी अस्पष्ट है, लेकिन स्थानीय मीडिया रिपोर्टों से पता चलता है कि यह घटना सुबह-सुबह क्लेरेंस-रॉकलैंड क्षेत्र में हुई।

अधिकारियों ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है कि क्या यह वही मामला है जिसका उल्लेख भारतीय दूतावास ने किया है।

सीबीसी न्यूज़ के अनुसार, हत्या की चल रही जांच के तहत ओन्टारियो प्रांतीय पुलिस (ओपीपी) ने क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ा दी है।

पुलिस ने रॉकलैंड निवासियों को भी चेतावनी जारी की है, जिसमें उन्हें सलाह दी गई है कि वे कानून प्रवर्तन की गतिविधियों में वृद्धि की अपेक्षा करें, जबकि अधिकारी अपराध से जुड़ी परिस्थितियों की जांच जारी रखेंगे।

कनाडा स्थित दूतावास ने जनता को आश्वासन दिया कि वह इस कठिन समय में पीड़ित परिवार को सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है।

चाकू घोंपने के पीछे का मकसद अभी भी स्पष्ट नहीं है और जांच जारी है। दूतावास ने स्थानीय अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने का वादा किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि परिवार को उनकी ज़रूरत के मुताबिक सहायता मिले और मामले से जुड़ी आगे की कार्रवाई में मदद मिले।

नई नीति के तहत भारत, इजराइल और वियतनाम टैरिफ को छूट दे सकते हैं ट्रंप!

वॉशिंगटन,05 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ लगाकर पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है। कई देश इस भारी भरकम टैरिफ से राहत के लिए प्रयास कर रहे हैं। कूटनीति के तहत लगभग सभी देश चाहते हैं कि इसमें राहत मिले। कई देशों ने तो पलटवार करते हुए जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है।

वहीं राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि भारत, इजरायल और वियतनाम को कुछ राहत दे सकते हैं।राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को अपनी नई टैरिफ नीति में राहत देने के संकेत दिए। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप भारत, इजरायल और वियतनाम के प्रतिनिधियों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहे हैं।

ये बातचीत एक महत्वपूर्ण समय सीमा के पहले हो रही है। यदि इन तीनों देशों के साथ उनकी वार्ता सफल होती है तो नई व्यवस्था लागू होने से पहले राहत मिल सकती है। अगर ऐसा नहीं होता है तो इन देशों से आयातित वस्तुओं पर नए शुल्क लागू हो जाएंगे।

बता दें कि 2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत, वियतनाम और इजरायल सहित कई देशों पर नए शुल्क लागू करने की घोषणा की थी। 9 अप्रैल से भारत को अमेरिका के लिए अपने निर्यात पर 26 प्रतिशत शुल्क लगेगा, वियतनाम पर 46 प्रतिशत शुल्क, और इजरायल पर 17 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा।

ट्रंप द्विपक्षीय व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहे हैं जो प्रस्तावित शुल्कों के क्रियान्वयन को रोक सकते हैं। ट्रंप की यह बातचीत एक छोटे समूह के देशों के साथ शुरू हुई है। हालांकि, चीन और कनाडा पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वे जवाबी कार्रवाई करेंगे।

राष्ट्रपति ट्रंप के बेटे एरिक ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, मैं नहीं चाहता कि कोई देश आखिरी देश हो जो डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत करने की कोशिश करे। पहला जो बातचीत करेगा, वही जीत जाएगा। आखिरी वाला निश्चित रूप से हार जाएगा। मैंने यह फिल्म पूरी जिंदगी देखी है। इसी बीच ट्रंप ने खुद पुष्टि की कि वह व्यापारिक साझेदारों के साथ संवाद के लिए खुले हैं। एयर फोर्स वन पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, हर देश ने हमें कॉल किया है। यही हमारी रणनीति की सुंदरता है, हम खुद को चालक की सीट पर रखते हैं। जब तक वे हमें कुछ अच्छा दे रहे हैं।

पाकिस्तान भी चला अमेरिकी के नक्शे-कदम पर, सैकड़ों अफगानियों को वापस भेजेगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की शहबाज सरकार ने अफगान नागरिकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। इसके तहत अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों समेत सैकड़ों अवैध विदेशियों को हिरासत में लिया गया है और फिर उन्हें अफगानिस्तान वापस भेजने के लिए शिविरों में भेज दिया है। पाकिस्तान में अफगान नागरिकों की स्वैच्छिक वापसी के लिए 31 मार्च की समय-सीमा के बाद सैकड़ों अफगान नागरिकों को हिरासत में लिया है और उनके परिवारों के साथ उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दिलचस्प बात यह है कि सुरक्षा बलों को जारी निर्देशों से पता चलता है कि यदि कोई भी अफगान नागरिक आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाया गया तो पूरे परिवार को निर्वासन का सामना करना पड़ेगा। काबुल में तालिबान सरकार ने इस्लामाबाद से पाकिस्तान में अफगान नागरिकों के प्रत्यावर्तन की प्रक्रिया में देरी का अनुरोध किया था, लेकिन इस्लामाबाद इसमें ढील देने के मूड में नहीं है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने नए सिरे से कार्रवाई की घोषणा की है, जिसमें कहा गया कि वह बिना कानूनी निवास परमिट वाले व्यक्तियों को निर्वासित करेगा, जबकि वैध कार्डधारकों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा। यूएनएचसीआर की प्रतिनिधि ने कहा कि पाकिस्तान से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अनिश्चित काल तक अफगान शरणार्थियों की मेजबानी की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाए। मानवीय सहायता की जरूरत है, न केवल अल्पकालिक राहत के लिए बल्कि दीर्घकालिक विकास पहलों को समर्थन देने के लिए भी। समय सीमा को आगे न बढ़ाने और कार्रवाई शुरू करने का फैसला पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री मोहसिन रजा नकवी और पीएम शहबाज शरीफ के बीच हुई बैठक में लिया गया। सूत्रों का कहना है कि अधिकारी छापेमारी करेंगे और देश में अवैध रूप से रह रहे अफगानियों को हिरासत में लेंगे, जिन्हें फिर शरणार्थी शिविरों में स्थानांतरित किया जाएगा। फिर उन्हें प्रत्यावर्तन के लिए तोरखम पाक-अफगान सीमा पर लांडी कोटल क्षेत्र में ले जाने से पहले सूचीबद्ध किया जाएगा। आंकड़े बताते हैं कि देश में कम से कम 13,44,584 अफगान नागरिक हैं, जिनमें से कम से कम 7,09,278 अफगान नागरिक केपी में रहते हैं, जिनके पास पंजीकरण प्रमाण है। आंकड़ों से पता चलता है कि बलूचिस्तान में 3,17,000 पंजीकृत अफगानी हैं, सिंध में 74,117, पंजाब में 1,96,000, इस्लामाबाद में 42,718 और देश के अन्य हिस्सों में 4,448 अफगान शरणार्थी हैं।

दिल्ली कैपिटल्स ने लगाई जीत की हैट्रिक, चेन्नई को 25 रनों से हराया, शंकर का पचासा

चेन्नई,05 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स से शनिवार को आईपीएल मुकाबले में 25 रन से हार झेलने वाले चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने हार के बाद कहा कि पिछले तीन मैचों से मैच हमारे पक्ष में नहीं जा रहा है। पिछले कुछ मैचों से हम लगातार सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है।गायकवाड़ ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, 'हमारे लिए पावरप्ले अच्छा नहीं जा रहा है। हम पावरप्ले में गेंदबाजी के दौरान 15-20 रन ज्यादा दे रहे हैं। साथ ही बल्लेबाजी में हम लगातार कई विकेट गंवा दे रहे हैं। मुझे ऐसा लग रहा है कि हम थोड़ा ज्यादा दबाव में आ जा रहे हैं या फिर हम थोड़ा ज्यादा

प्रयास कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम इस बात को लेकर बहुत चिंतित या अनिश्चित हैं कि पावरप्ले में कौन गेंदबाजी करने आएगा।

हम पहले या दूसरे ओवर में ही विकेट खो देते हैं। हम पावरप्ले में होने वाली चीजों को लेकर बहुत चिंतित हो जा रहे हैं।

सभी को एक साथ अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। पावरप्ले के बाद से हम हमेशा बराबरी करने की कोशिश कर रहे थे।

हमारे पास नंबर 8 पर ऐश थे और हमारे पास ओवर्टन नहीं थे। हम मैच को अंत तक लेकर जाना चाहते थे। दिल्ली ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की।

जब शिवम बल्लेबाजी कर रहा था, तब भी हम मोमेंटम तलाश रहे थे, लेकिन हम इसे हासिल नहीं कर सके।'दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 183 रन बनाये और फिर लक्ष्य का पीछा करने उतरे चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट पर 158 रन पर रोककर 25 रन से जीत हासिल की। चेन्नई को आईपीएल 2025 में लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा।

न्यूज़ ब्रीफ

ईशान किशन के 'बागी रवैए' को नहीं है भूलाया बीसीसीआई ने

नई दिल्ली। कभी भारतीय टीम की पहली पसंद माने जाने वाले क्रिकेटर ईशान किशन के 'बागी रवैए' को

बीसीसीआई अब भी भूला नहीं है। बीते सीजन में बोर्ड के निर्देश को नजरअंदाज करते हुए ईशान ने घरेलू क्रिकेट खेलने के बजाय आईपीएल की तैयारी को प्राथमिकता दी थी। इसी फैसले के बाद से उनका करियर डगमगाने लगा। पहले मुंबई इंडियंस ने उन्हें टीम से बाहर किया और अब खबरें हैं कि उन्हें इस बार बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से भी बाहर किया जा सकता है। एक समय था जब ईशान को सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारत का भविष्य माना जा रहा था। लेकिन अब स्थितियां पूरी तरह बदल चुकी हैं। जहां एक तरफ ऋषभ पंत, संजू सैमसन, केएल राहुल जैसे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाजों को कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में बरकरार रखा गया है, वहीं ध्रुव जुरैल, प्रभसिमरन सिंह, जीतेश शर्मा, विष्णु विनोद, कुमार कुशाग्र और नारायण जगदीशन जैसे युवा खिलाड़ियों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। इस सूची में ईशान का नाम कहीं नजर नहीं आता। आईपीएल में शानदार शतक के बावजूद ईशान को लेकर बोर्ड और चयनकर्ताओं की चुप्पी यह इशारा कर रही है कि उन्हें दोबारा खुद को साबित करने के लिए कुछ और बड़ी पारियां खेलनी होंगी। जब तक वह निरंतरता नहीं दिखाते और बीसीसीआई के साथ अपने रिश्ते नहीं सुधारते, तब तक उनके लिए टीम इंडिया का दरवाजा पूरी तरह खुलता नहीं दिख रहा। ईशान किशन के लिए यह आईपीएल न सिर्फ एक टूर्नामेंट है, बल्कि उनके करियर की नई राह बनाने का आखिरी मौका भी साबित हो सकता है। बता दें कि कभी भारतीय टीम की पहली पसंद माने जाने वाले ईशान किशन भारतीय क्रिकेट में हाशिये पर जाते दिख रहे हैं। आईपीएल 2025 के पहले ही मैच में ईशान किशन ने 47 गेंदों पर 106 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। उन्होंने 7 छक्के और 11 चौके जड़कर अपने इरादे साफ कर दिए थे कि वह टीम इंडिया में वापसी को लेकर गंभीर हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि सिर्फ प्रदर्शन अब उनके लिए काफी नहीं रहा।

आक्रामकता का मतलब हर गेंद पर छक्का मारना नहीं होता, वेंकटेश अय्यर ने केकेआर के खिलाड़ियों को दिया गुरु मंत्र

कोलकाता। आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद पर जीत के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स

के उप-कप्तान वेंकटेश अय्यर ने विपक्षी टीम को आक्रामक बैटिंग के बारे में बताया है। उन्होंने कहा कि आक्रामकता का मतलब हर गेंद पर छक्का मारना नहीं बल्कि हर गेंद पर सही इरादा दिखाने से है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में वेंकटेश ने हाफ सेंचुरी जड़ते हुए मात्र 29 गेंदों पर 7 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 60 रन बनाए और पिछले सीजन के फाइनल की तरह ईडन गार्डंस पर गुरुवार को एक अच्छी शुरुआत के बाद केकेआर को 200 रनों तक पहुंचाया। केकेआर की बल्लेबाजी को लेकर अय्यर ने कहा कि आक्रामकता दिखाना जरूरी है, लेकिन खेलने के दौरान अहम यह है कि आप अपने नेचुरल गेम पर फोकस रखें। अय्यर ने कहा कि अगर हमारा स्कोर 50 रन पर छह विकेट था और हमें खुद को स्मार्ट क्रिकेटर कहना है, तो किसी भी स्थिति को समझना और उसके मुताबिक प्रतिक्रिया करना बहुत अहम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केकेआर की आक्रामकता की परिभाषा हर गेंद पर बिना सोचे-समझे बाउंड्री लगाना नहीं है।

मुंबई इंडियंस ने रन चेज के दौरान तिलक वर्मा को कराया रिटायर्ड आउट

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ

रन चेज के दौरान मुंबई इंडियंस ने एक चौंकाने वाला कदम उठाया। टीम ने तिलक वर्मा को रिटायर्ड आउट करने का फैसला किया, जो उस समय 23 गेंदों पर 25 रन बनाकर खेल रहे थे। यह घटना मैच के 19वें ओवर की पांचवीं गेंद पर हुई, जब शार्दुल ठाकुर गेंदबाजी कर रहे थे और मुंबई को जीत के लिए 7 गेंदों में 24 रन की जरूरत थी। तिलक की जगह मिशेल सैंटनर को क्रीज पर भेजा गया। हालांकि, मुंबई यह मुकाबला नहीं जीत सकी और आवेश खान ने आखिरी ओवर में 22 रन बचा लिए। मैच के बाद कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा, ये साफ था कि हमें बड़े शॉट्स की जरूरत थी और तिलक उस दिन लय में नहीं थे। क्रिकेट में ऐसा दिन आता है जब आप पूरी कोशिश करते हैं लेकिन चीजें आपके पक्ष में नहीं जातीं। हमारा फैसला खुद बयां कर रहा है कि हमने ऐसा क्यों किया। आईपीएल में यह चौथी बार है जब कोई बल्लेबाज रिटायर्ड आउट हुआ हो। इससे पहले 2022 में राजस्थान रॉयल्स के रविचंद्रन अश्विन ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुंबई में यह कदम उठाया था। 2023 में पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ धर्मशाला में अथर्व ताइड़े को रिटायर्ड आउट किया था।

राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को रौंदा

पहले बल्लेबाजों ने बनाया पहाड़ जैसा स्कोर, फिर गेंदबाजों का जलवा

मुल्लांपुर,05 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स को आईपीएल 2025 में अपनी पहली हार मिल गई है। घर के बाहर लगातार दो मैचों में जीत के बाद पंजाब को अपने घरेलू मैदान महाराजा यादवेन्द्र सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार मिली। पहले खेलते हुए राजस्थान की टीम ने 4 विकेट पर 205 रन ठोक दिए। पंजाब किंग्स ने फॉर्म में चल रहे अपने कप्तान श्रेयस अय्यर का विकेट पहले ओवर में ही खो दिया। अंत में टीम 9 विकेट पर 155 रन ही बना सकी और उसे 50 रनों से हार गई। लगातार दो हार के बाद राजस्थान की यह लगातार दूसरी जीत है। पंजाब अभी तक तीन मैचों में दो जीती और एक हारी है।

पहली बार राजस्थान की ओपनिंग जोड़ी चली

यशस्वी जायसवाल ने फॉर्म में वापसी करते हुए बल्ले से कमाल दिखाया और 67 रनों की पारी खेली। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने 44 गेंद में तीन चौके और पांच छक्के जड़ित शानदार पारी खेली। जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन (26 गेंद में 38 रन) ने पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर के गेंदबाजी करने के फैसले के बाद पहले विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी करके राजस्थान रॉयल्स को इस सत्र की सर्वश्रेष्ठ शुरुआत दिलाई। लॉकी फर्ग्यूसन ने बीच के ओवरों में सैमसन और जायसवाल दोनों को आउट किया।

नीतीश राणा (12) भी सस्ते में आउट हो गए, जिससे 11 से 15वें ओवर के बीच राजस्थान रॉयल्स ने तीन विकेट खो दिए। खतरनाक दिख रहे शिमरोन हेटमायर (12 गेंद में 20 रन) भी धमाकेदार शुरुआत के बाद बड़ा स्कोर नहीं बना सके। लेकिन रियान पराग (25 गेंद में नाबाद 43 रन) ने अंत में धमाकेदार बल्लेबाजी की जिससे राजस्थान रॉयल्स की टीम 200 रन का स्कोर पार करने में कामयाब रही। पराग और ध्रुव जुरेल (पांच गेंद में नाबाद 13 रन) ने आखिरी सात गेंदों में 20 रन जोड़े जिससे टीम ने अंतिम तीन ओवरों में 55 रन जुटाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे पंजाब किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही। जोफ्रा आर्चर ने पहली ही गेंद पर प्रियांश आर्या को बोल्ड कर दिया। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर दो चौके लगाने के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर भी बोल्ड हो गए। मार्कस स्टोइनिस (1) और प्रभसिमरन सिंह (17) भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए और 7वें ओवर में पंजाब का स्कोर 4 विकेट पर 43 रन हो गया। इसके बाद ग्लेन मैक्सवेल और नेहाल वढेरा ने पारी को संभाला। दोनों के बीत 5वें विकेट के लिए 52 गेंदों पर 88 रनों की साझेदारी हुई। नेहाल ने 33 गेंदों पर अपनी फिफ्टी पूरी की।

मैक्सवेल और वढेरा लगातार दो गेंदों पर आउट हो गए। मैक्सवेल को महीश तीक्षणा और वढेरा को वानिंदु हसरंगा ने आउट किया। इसके बाद पंजाब किंग्स की पारी पटरी से उतर गई। राजस्थान के गेंदबाजों ने बल्लेबाजों को पूरी तरह बांध दिया। सुर्यांश शेडगे सिर्फ 2 रन बनाकर संदीप शर्मा का शिकार बने। मार्को यानसन के बल्ले से तीन ही रन निकले। राजस्थान के लिए जोफ्रा आर्चर ने तीन जबकि संदीप शर्मा और महीश तीक्षणा ने 2-2 विकेट लिए। शशांक सिंह 13 गेंद पर 10 रन बनाकर नाबाद रहे।

केविन डी ब्रुइन का मैनचेस्टर सिटी से विदाई का ऐलान, सीजन के अंत में क्लब छोड़ेंगे

नई दिल्ली,05 अप्रैल (एजेंसियां)। मैनचेस्टर सिटी के दिग्गज मिडफील्डर केविन डी ब्रुइन ने शुक्रवार को एक भावुक पोस्ट के जरिए ऐलान किया कि वह इस सीजन के अंत में क्लब को अलविदा कह देंगे। डी ब्रुइन ने सोशल मीडिया पर लिखा, आपने यह पोस्ट देखी, तो शायद समझ गए होंगे कि मैं क्या कहना चाहता हूं। सीधे मुद्दे पर आता हूं - यह मेरे मैनचेस्टर सिटी करियर के आखिरी कुछ महीने हैं।

यह लिखना आसान नहीं है, लेकिन हम फुटबॉलर्स जानते हैं कि यह दिन एक न एक दिन जरूर आता है। वह दिन आज है - और आप सबको यह खबर सबसे पहले मुझसे मिलनी चाहिए थी।

2015 में जर्मन क्लब वोल्फ्सबर्ग से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुए डी ब्रुइन ने क्लब के साथ 16 ट्रॉफी अपने नाम की हैं। इनमें 2022-23 सीजन में ऐतिहासिक ट्रेबल जीत भी शामिल है।

अपने पहले ही सीजन में उन्होंने 16 गोल और 15 असिस्ट किए और क्लब के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए। कुल 413 मैचों में डी ब्रुइन ने 106 गोल और 174 असिस्ट किए। वह प्रीमियर लीग के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डरों में गिने जाते हैं।

डी ब्रुइन ने लिखा, फुटबॉल ने मुझे आप सभी से और इस शहर से जोड़ा। जब मैं अपना सपना पूरा करने आया था, तब नहीं जानता था कि यह दौर मेरी जिंदगी बदल देगा। इस शहर, इस क्लब और इन लोगों ने मुझे सबकुछ दिया। और मैंने भी बदले में सब कुछ झोंक दिया - और हम सब कुछ जीत गए।उन्होंने आगे कहा,मेरी पत्नी मिशेल और हमारे बच्चे सूरी, रोम, मेसन और मैं - सभी इस शहर और इसके लोगों के हमेशा ऋणी रहेंगे। 'मैनचेस्टर' हमारे बच्चों के पासपोर्ट पर ही नहीं, बल्कि दिलों में भी रहेगा। यह हमेशा हमारा घर रहेगा। 33 वर्षीय डी ब्रुइन मैनचेस्टर सिटी के उस दौर के अहम सदस्य रहे हैं, जब क्लब ने अंग्रेजी फुटबॉल पर अपना दबदबा बनाया। वह दो बार (2019-20 और 2020-21) प्लेयर्स प्लेयर ऑफ द ईयर भी चुने गए। प्रीमियर लीग में वह अब तक कुल 118 असिस्ट कर चुके हैं, जो ऑल-टाइम लिस्ट में दूसरे स्थान पर है।

पुनर्मिलन : सानिया मिर्जा टेनिस अकादमी के छात्र ने 12 साल बाद अपने गुरु से मुलाकात की

हैदराबाद, 05 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सानिया मिर्जा टेनिस अकादमी के पूर्व छात्र मो. नुमान शम्सुद्दीन ने 12 साल बाद टेनिस आइकन सानिया मिर्जा के पिता इमरान मिर्जा से मिलकर एक भावुक पल का अनुभव किया। यह अप्रत्याशित मुलाकात शुक्रवार की नमाज के बाद बंजारा हिल्स स्थित मस्जिद-ए-बकी में हुई।

अपने शुरुआती वर्षों में प्रतिष्ठित मोइनाबाद स्थित अकादमी में प्रशिक्षण लेने वाले नुमान शम्सुद्दीन, इमरान मिर्जा को फिर से देखकर बेहद खुश थे। वह व्यक्ति जिसने कभी कोर्ट पर कई युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन और प्रेरणा की थी। इस पल की खुशी को और बढ़ाते हुए, नुमान के साथ उसी अकादमी के रणजी खिलाड़ी और टेनिस कोच श्री फैयाज भी उपस्थित थे।यह मुलाकात पुरानी यादों और खेल के प्रति साझा जुनून के सुखद समागम में बदल गई। नुमान के लिए, यह महज एक संयोग नहीं था, बल्कि उनकी टेनिस यात्रा की जड़ों और इसे आकार देने में मदद करने वाले गुरुओं के साथ एक सार्थक पुनः जुड़ाव था।इस तरह के अप्रत्याशित पुनर्मिलन खेल और मार्गदर्शन के माध्यम से बनाए गए शक्तिशाली बंधनों की याद दिलाते हैं - ऐसे बंधन जो समय की कसौटी पर खरे उतरते हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत और गेंदबाज दिग्वेश पर लगा जुर्माना

लखनऊ,05 अप्रैल (एजेंसियां)। टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 16वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए मुकाबले के बाद एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत और गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर जुर्माना लगाया गया है।

लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए इस मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स ने धीमी ओवर गति बनाए रखी। यह इस सीजन में टीम की पहली गलती थी, जिसके चलते कप्तान ऋषभ पंत पर आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह अनुच्छेद न्यूनतम ओवर गति से संबंधित मामलों को कवर करता है।

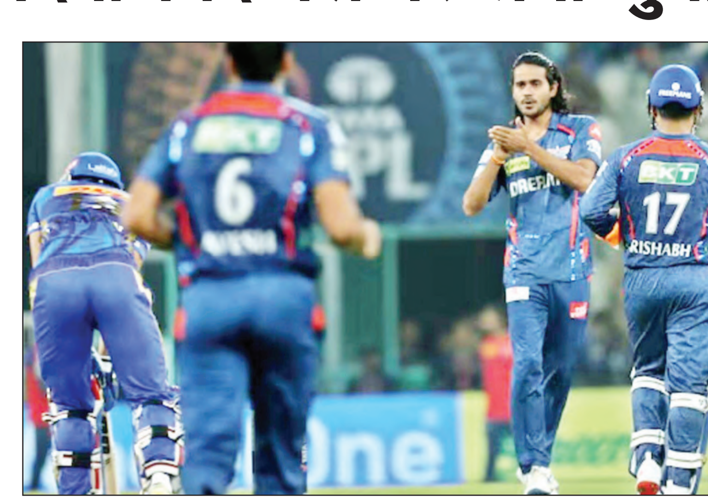

वहीं, एलएसजी के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाए जाने पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगा है। यह इस सीजन में उनका दूसरा लेवल एक उल्लंघन है, जिसके चलते उन्हें दो डिमेरिट अंक दिए गए हैं। इससे पहले एक अप्रैल 2025 को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मैच में उन्हें एक डिमेरिट अंक मिल चुका है। दिग्वेश पर यह जुर्माना मुंबई के बल्लेबाज नमनधीर को आउट करने के बाद नोटबुक सेलीब्रेशन करने के लिए लगाया है। इसके पहले पंजाब किंग्स के खिलाफ भी उनपर इसी तरह का सेलीब्रेशन करने के लिए जुर्माना लगाया गया था। आईपीएल आचार संहिता के लेवल एक उल्लंघनों में मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है।

महिमा टेटे ने की बड़ी बहन सलीमा की तारीफ, कहा- दीदी मुझे बहुत सपोर्ट करती हैं

बेंगलुरू,05 अप्रैल (एजेंसियां)। हाल ही में 15वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप जीतने के बाद महिमा टेटे के लिए पिछले कुछ हफ्ते यादगार रहे हैं। झारखंड की इस 21 वर्षीय मिडफील्डर को अब सीनियर नेशनल कैंप में जगह मिली है, जहां वह अपनी बड़ी बहन और भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे के साथ ट्रेनिंग कर रही हैं।

महिमा ने कैंप में बहन के साथ बिताए अनुभव को साझा करते हुए हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, मैं हमेशा अपनी दीदी के नक्शेकदम पर चलना चाहती थी और देश के लिए अच्छा करना चाहती थी। अब जब मैं उनके साथ ट्रेनिंग कर रही हूं, तो बहुत अच्छा लग रहा है। जब मैं कुछ गलत करती हूं, तो वह मुझे समझाती हैं और सुधारने में मदद करती हैं। दीदी मुझे बहुत सपोर्ट करती हैं।

महिमा ने बताया कि कैंप में आने से पहले सलीमा ने उन्हें कई अहम बातें बताईं, जिससे वह मानसिक रूप से तैयार हो सकीं। उन्होंने कहा,

दीदी ने मुझे मेहनत करने और कभी पीछे न हटने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि घरेलू टूर्नामेंट की तुलना में यहां खेल की रफ्तार तेज होती है, इसलिए हर वक्त सतर्क रहना होगा। यह सुनकर मैंने अपने मन को पहले ही तैयार कर लिया था।

महिमा शुरू में 65 संभावित खिलाड़ियों की सूची में थीं, लेकिन ट्रेनिंग और फिटनेस टेस्ट में शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्हें 2 अप्रैल को घोषित 40 सदस्यीय मुख्य सूची में जगह मिल गई। इस पर उन्होंने कहा, यह एक अलग अनुभव है। सीनियर खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करना शानदार है। मैं खुश हूं कि सीनियर टीम में हूं, लेकिन मुझे अब और मेहनत करनी होगी ताकि उस स्तर तक पहुंच सकूं जहां मुझे होना चाहिए। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से मुकाबले के लिए बहुत फिट और तेज होना जरूरी है। इसलिए सीनियर कैंप में हमें बहुत कड़ी ट्रेनिंग दी जाती है।

बीमार होने के बावजूद फाइनल मैच में झोंकी पूरी ताकत

महिमा ने झारखंड की ओर से खेले गए सभी पांच मुकाबलों में अहम भूमिका निभाई और टीम को पहली बार फाइनल तक पहुंचाने में मदद की। फाइनल में झारखंड ने गत चैंपियन हरियाणा को शूटआउट में 4-3 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस खास दिन पर महिमा बीमार थीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी।

महिमा ने कहा, मैं बीमार थी, इसलिए शूटआउट में हिस्सा नहीं ले सकी, लेकिन मैंने खुद को तैयार किया और चार बोतल पानी पिया ताकि पूरे मैच में खेल सकूं। मैंने खुद से कहा कि यह मौका बार-बार नहीं मिलेगा और अपनी टीम को गोल्ड दिलाने के लिए मैंने पूरी जान लगा दी। एक बार भी मन में नहीं आया कि बीमार होने के कारण मैच छोड़ दूं।

महिमा का अगला लक्ष्य सीनियर टीम की प्लेइंग इलेवन में शामिल होना है। उन्होंने कहा, मुझे बहुत मेहनत करनी होगी ताकि मैं उन खिलाड़ियों के स्तर पर पहुंच सकूं जो अभी टीम में खेल रही हैं। मेरा सपना है कि एक दिन मैं भी टीम की शुरुआत करने वाली खिलाड़ियों में शामिल हो सकूं।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

सरकार जल्द ही पेट्रोल-डीजल के भाव में करेगी कटौती,पेट्रोल 95 और डीजल 88 रुपए लीटर

नई दिल्ली,05 अप्रैल (एजेंसियां)।

दैनिक उपभोग से लेकर जरूरी चीजों के भाव में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। महंगाई का सीधा कनेक्शन पेट्रोल-डीजल के कीमतों से होता है।

क्योंकि पूरे देश में सामानों का परिवहन डीजल गाड़ियों से होता है। वहीं आम जनता पेट्रोल वाहनों का उपयोग करते हैं। ऐसे में लोगों को उम्मीद है कि सरकार जल्द ही पेट्रोल-डीजल के दाम में राहत दे सकती है।

सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार शनिवार को दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत की 94.72 रुपए है और डीजल प्रति लीटर 87.62 रुपए है। इसके अलावा मुंबई में प्रति लीटर की कीमत 103.94 रुपए और डीजल प्रति लीटर के दाम 89.97 रुपए है। वहीं कोलकाता में प्रति लीटर पेट्रोल का भाव 103.94 रुपए और डीजल का भाव 90.76 रुपए है। आखिर में चेन्नई में प्रति लीटर पेट्रोल का दाम 100.85 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.44 रुपए प्रति लीटर है। इससे पहले 14 मार्च को लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पेट्रोल और डीजल के दाम 2 रुपए प्रति लीटर कम हुए थे। जबकि, उससे पहले 22 मई 2022 में सरकार ने एक्साइज ड्यूटी कम की थी, जिसके बाद पेट्रोल 13 रुपए प्रति लीटर और डीजल 16 रुपये प्रति लीटर सस्ता हुआ था। वहीं पेट्रोलियम मंत्री ने हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि अगर ग्लोबल लेबल पर कच्चे तेल की कीमत अभी की तरह रही तो देश में पेट्रोल और डीजल के दाम में कमी देखने को मिल सकती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भाजपा में ...

वहीं, ईसाई समुदाय के लोग वक्फ पारित होने के लिए चर्चों में प्रार्थना करते रहे। दरअसल, अधिकांश ईसाई परिवार वाले मुनंबम के लोगों का कहना है कि वे इस जगह पर पीढ़ियों से रहते आ रहे हैं। इसके बावजूद वक्फ बोर्ड ने इस गांव पर अपना दावा ठोका है।

केरल वक्फ बोर्ड ने साल 2019 में दावा किया कि मुनंबम, चेराई और पल्लिकाल द्वीप के इलाके वक्फ सम्पत्ति है। वक्फ बोर्ड का कहना है कि यह जमीन साल 1950 में वक्फ सम्पत्ति के रूप में दर्ज की गई थी, जबकि यहां रहने वाले लोगों का दावा है कि उन्होंने इस जमीन को कानूनी रूप से दशकों पहले खरीदा था। उनकी पीढ़ियां यहां रहते आ रही हैं। इन लोगों के पास 1989 से जमीन के वैध कागजात हैं।

इन परिवारों का कहना है कि उन्होंने वैध तरीके से अपनी जमीन खरीदी है। अब वक्फ बोर्ड द्वारा किए गए दावे के बाद उन्हें इस जमीन को जबरन खाली करने के आदेश दिए जा रहे हैं। बता दें कि समुद्र तट पर बसा यह इलाका न केवल केरल के 600 से अधिक परिवारों का घर है, बल्कि यहां विभिन्न धर्मों के लोग रहते हैं। इसके बावजूद, वक्फ बोर्ड ने इस इलाके पर अपना दावा ठोक दिया। केरल के एर्नाकुलम जिले में कोच्चि से लगभग 38 किलोमीटर दूर अरब सागर के किनारे मुनम्बम स्थित है। यहां 610 परिवारों रहते हैं, जिनमें 510 कैथोलिक ईसाई और 100 हिंदू परिवार हैं। इन लोगों कहना है कि इन लोगों ने फारूख कॉलेज के मैनेजमेंट से यह जमीन खरीदी थी। इसको लेकर वे पिछले 60 साल से कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। वहीं, साल 2019 में वक्फ ने इसे अपनी सम्पत्ति घोषित कर दी।1341 ईस्वी में केरल में भयानक बाढ़ आई थी। इस दौरान वाइपिन आईलैंड के उत्तरी हिस्से पर मुनम्बम बना। साल 1503 में पुर्तगालियों ने यहां हमला किया और 1663 में डचों ने इस पर कब्जा कर लिया। यह डचों के अधिकार में लंबे समय तक रहा। इसके बाद 1789 ईस्वी में डचों ने मुनम्बम को त्रावणकोर के महाराजा को बेच दिया। इसके बाद विवाद की शुरुआत हुई। साल 1902 में त्रावणकोर के महाराजा ने गुजरात से आए एक किसान अब्दुल सत्तार मूसा हाजी सैत को यहां की 404 एकड़ जमीन और 60 एकड़ जल क्षेत्र पट्टे पर दिया था। उस समय, यह जमीन मछुआरों के लिए अलग रखी गई थी, जो वहां कई वर्षों से रह रहे थे। 1948 में सेठ के उत्तराधिकारी एवं दामाद सिद्दीक सैत ने यह जमीन अपने नाम पर पंजीकृत करवा ली।इस जमीन का एक बड़ा हिस्सा समुद्री कटाव के कारण खो गया और साल 1934 की भारी बारिश ने पांडरा समुद्र किनारे की जमीन को पूरी तरह नष्ट कर दिया था। हालांकि, सिद्दीक सैत द्वारा पंजीकृत जमीन में मछुआरों के रहने वाले इलाके भी शामिल हो गए। साल 1950 में सिद्दीक सैत ने यह जमीन फारूख कॉलेज को उपहार में दे दी, जो मुस्लिमों को शिक्षित करने के लिए 1948 में बनाया गया था। इसके साथ ही सिद्दीकी सैत ने शर्त रखी थी। शर्त यह थी कि कॉलेज केवल शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए ही इसका उपयोग करेगा। अगर कभी कॉलेज बंद हो जाता है तो जमीन वापस सिद्दीकी सैत के वंशजों को लौटा दी जाएगी। हालांकि, दस्तावेजों में गलती से या जानबूझकर वक्फ शब्द लिख दिया गया, जिससे अब यह विवाद खड़ा हो गया है। कहा जाता है कि 1 नवंबर 1950 को कोच्चि के एडापल्ली में उप-पंजीयक कार्यालय में एक वक्फ पंजीकृत किया गया था। इसमें सैत ने फारूक कॉलेज के अध्यक्ष के पक्ष में पंजीकृत कराया था।फारूख कॉलेज के प्रबंधन को करीब एक दशक बाद जमीन का मालिकाना हक मिल गया। साल 1960 के दशक के आखिर में जमीन पर कब्जा करने वालों के बीच कानूनी लड़ाई शुरू हो गई। कॉलेज प्रबंधन यहां रहने वाले लोगों को बेदखल करना चाहता था। कैथोलिक ईसाई और दलित हिंदू समुदाय के ये लोग पीढ़ियों से वहां रह रहे थे, लेकिन उनके पास स्वामित्व साबित करने के लिए कानूनी दस्तावेज नहीं थे। आखिरकार, अदालत के बाहर समझौते में कॉलेज प्रबंधन ने बाजार दर पर जमीन को अपने कब्जेदारों को बेचने का फैसला किया। दस्तावेजों से पता चलता है कि बिक्री के कामों में कॉलेज प्रबंधन ने यह उल्लेख नहीं किया कि विचार-ाधीन भूमि वक्फ सम्पत्ति थी, जिसे शिक्षा के उद्देश्य से कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष को दिया गया था। इसके बजाय उन्होंने कहा कि यह सम्पत्ति 1950 में गिफ्ट डीड में मिली थी।निसार आयोग और नया विवाद: केरल राज्य वक्फ बोर्ड के खिलाफ कई शिकायतों मिलने के बाद वीएस अच्युतानंदन के नेतृत्व वाली सीपीआई (एम) सरकार ने 2008 में एक आयोग गठित किया। यह आयोग सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश एमए निसार के नेतृत्व में नियुक्त किया गया। आयोग का काम बोर्ड द्वारा परिसम्पत्तियों के नुकसान के लिए जिम्मेदारी तय करना था। इसके अलावा, आयोग को इन परिसम्पत्तियों की वसूली के लिए कार्रवाई की सिफारिश करना भी शामिल था। आयोग ने साल 2009 में अपनी रिपोर्ट दी। इस रिपोर्ट में आयोग ने मुनंबम में जमीन को वक्फ सम्पत्ति माना और कहा कि कॉलेज प्रबंधन ने बोर्ड की सहमति के बिना इसकी बिक्री को मंजूरी दे दी थी। इसने इसकी वसूली के लिए कार्रवाई की सिफारिश की थी।इसके बाद साल 2019 में वक्फ बोर्ड ने खुद ही मुनंबम भूमि को वक्फ अधिनियम 1995 की धारा 40 और 41 के अनुसार वक्फ सम्पत्ति घोषित कर दी। बोर्ड ने राजस्व विभाग को निर्देश दिया कि वह भूमि के वर्तमान कब्जेदारों (जो कई वर्षों से कर का भुगतान कर रहे थे) से भूमि कर स्वीकार न करे। राजस्व विभाग को दिए गए इस निर्देश को राज्य सरकार ने साल 2022 में खारिज कर दिया। इसके बाद बोर्ड ने राज्य सरकार के फैसले को केरल हाई कोर्ट में उसी साल चुनौती दी। न्यायालय ने फिलहाल राज्य सरकार के फैसलों पर रोक लगा दी है। वर्तमान में, इस विवाद को लेकर भूमि के कब्जेदारों के साथ-साथ वक्फ संरक्षण समिति की ओर से एक दर्जन से अधिक अपीलें न्यायालय में लंबित हैं।

नरेंद्र मोदी...

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह इस सम्मान को पाकर बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने श्रीलंका और भारत के संबंधों के बारे में कहा कि श्रीलंका केवल पड़ोसी देश नहीं, बल्कि भारत का पारंपरिक और भरोसेमंद मित्र भी है। उन्होंने कहा कि भारत हर मुश्किल घड़ी में श्रीलंका के साथ खड़ा रहा है और आगे भी रहेगा। वहीं श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी की जरूरत के समय श्रीलंका की सहायता करने और निरंतर उनके देश के साथ एकजुटता दर्शाने के लिए सराहना की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को यह आश्वासन दिया कि श्रीलंका अपने क्षेत्र का किसी भी तरह इस्तेमाल नहीं होने देगा जिससे भारत के सुरक्षा हितप्रतिकूल रूप से प्रभावित हों।

पीएम मोदी और राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ मुलाकात में दोनों देशों के बीच रक्षा और सूचना सहित आठ बड़े समझौते हुए। दोनों देशों ने त्रिंकोमाली को ऊर्जा केंद्र के रूप में विकसित करने, बिजली के आयात-निर्यात, रक्षा सहयोग, पूर्वी क्षेत्र के लिए बहु-क्षेत्रीय अनुदान सहायता और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र में परस्पर समझौते पर हस्ताक्षर किए। पीएम मोदी ने भारतीय मछुआरों की रिहाई की मांग और तमिलों को पूरा अधिकार देने की वकालत की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक और आत्मीय संबंध हैं। पीएम मोदी ने कहा, मुझे बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि सन 1960 में गुजरात के अरावली में मिले भगवान बुद्ध के पुरावशेष को श्रीलंका में दर्शन के लिए भेजा जा रहा है। इसके अलावा, त्रिंकोमाली के तिरुकोणेश्वरम मंदिर के रेनोवेशन में भारत सहयोग देगा। अनुराधापुरा महाबोधि मंदिर परिसर में पवित्र शहर और नुरेलिया में सीता एलिया मंदिर के निर्माण में भी भारत सहयोग करेगा।श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके ने कहा, जरूरत के समय भारत हमेशा श्रीलंका के साथ रहा है। मैं श्रीलंका की यूनिक डिजिटल आइडेंटिटी प्रोजेक्ट को लागू करने के लिए 300 करोड़ रुपए के वित्तीय अनुदान देने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद देता हूं। पीएम मोदी के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री के रूप में श्रीलंका का यह मेरा चौथा दौरा है। 2019 की मेरी पिछली यात्रा बहुत ही संवेदनशील समय पर हुई थी। उस समय मेरा विश्वास था कि श्रीलंका विकसित होगा और ताकतवर होगा। मैं श्रीलंका के लोगों के धैर्य और साहस की सराहना करता हूं। आज श्रीलंका को वापस प्रगति के पथ पर देख कर हर्ष महसूस कर रहा हूं। भारत के लिए यह गर्व का विषय है कि हमने एक सच्चे पड़ोसी मित्र के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। चाहे 2019 का आतंकी हमला हो, कोविड महामारी हो, या हाल में आया आर्थिक संकट, हर कठिन परिस्थिति में, हम श्रीलंका के लोगों के साथ खड़े रहे हैं। मोदी ने कहा, मुझे महान तमिल संत थिरुवलुवर की बात याद आ रही है। उन्होंने कहा था कि चुनौतियों और शत्रुओं के विरुद्ध एक सच्चे मित्र और उसकी मित्रता की ढाल से बढ़कर और क्या सुरक्षा हो सकती है। अनुरा कुमारा दिसानायके ने भी राष्ट्रपति बनने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को ही चुना। और उनका प्रथम विदेशी अतिथि बनने का सौभाग्य मुझे मिला है। यह हमारे विशेष संबंधों की गहराई का प्रतीक है। हमारा पड़ोसी-प्रथम और विजन-महासागर दोनों दृष्टिकोणों से श्रीलंका का विशेष स्थान है। पिछले चार महीनों में, राष्ट्रपति दिसानायके की भारत यात्रा के बाद से, दोनों देशों के बीच सहयोग में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

पीएम मोदी ने कहा, सामपुर सोलर पावर प्लांट से श्रीलंका की ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलेगी। मल्टी-प्रोडेक्ट पाइपलाइन के निर्माण, और त्रिंकोमाली को ऊर्जा हब के रूप में विकसित किए जाने के लिए जो समझौता हुआ है, उसका लाभ श्रीलंका के सभी लोगों को मिलेगा। दोनों देशों के बीच ग्रिड इंटर कनेक्टिविटी समझौते से श्रीलंका के लिए बिजली निर्यात करने के विकल्प खुलेंगे। मुझे ख़ुशी है कि आज श्रीलंका में धार्मिक स्थलों के लिए पांच हजार सोलर रूफ टॉप सिस्टम का उद्घाटन किया जाएगा। श्रीलंका के यूनिक डिजिटल आइडेंटिटि प्रोजेक्ट में भी हम सहयोग करेंगे। भारत ने सबका साथ सबका विकास के विजन को अपनाया है। हम अपने पार्टनर देशों की प्राथमिकताओं को भी महत्व देते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पिछले 6 महीनों में ही हमने 100 मिलियन डॉलर से अधिक राशि के ऋण को सहायता में बदला है। हमारे द्विपक्षीय बकाया-पुनरनिर्धारण समझौते से श्रीलंका के लोगों को तत्काल सहायता और राहत मिलेगी। आज हमने ब्याज की दर को भी कम करने का निर्णय लिया है। यह प्रतीक है कि आज भी भारत श्रीलंका के लोगों के साथ खड़ा है। पूर्वी प्रांतों के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए, लगभग 2.4 बिलियन श्रीलंकाई मुद्रा का सहयोग पैकेज दिया जाएगा। आज हमने किसानों की भलाई के लिए, श्रीलंका के सबसे बड़े वेयरहाउस का भी उद्घाटन किया। कल हम माहो-ओमनथायी रेल लाइन का उद्घाटन करेंगे, और माहो-अनुराधापुरम सेक्शन पर सिग्नलिंग सिस्टम का शिलान्यास करेंगे। कांकेसंतुरई पोर्ट के आधुनिकीकरण के लिए काम जल्द ही शुरू किया जाएगा। श्रीलंका में भारतवंशी तमिलों के लिए दस हजार घरों का निर्माण कार्य जल्द पूरा किया जाएगा। श्रीलंका के 700 अतिरिक्त कार्मिकों को भारत में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसमें सांसदों, न्यायपालिका से जुड़े लोगों, उद्यमियों, मीडियाकर्मियों, के साथ-साथ युवा लीडर्स भी शामिल होंगे।

पीएम मोदी ने कहा, हमारा मानना है कि हमारे सुरक्षा हित समान हैं। दोनों देशों की सुरक्षा एक-दूसरे से जुड़ी है और एक-दूसरे पर निर्भर है। भारत के हितों के प्रति उनकी संवेदनाओं के लिए मैं राष्ट्रपति दिसानायक का आभारी हूं। रक्षा सहयोग में किए गए महत्वपूर्ण समझौते का हम स्वागत करते हैं। कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव और हिंद महासागर में सुरक्षा सहयोग पर भी मिलकर काम करने के लिए हम सहमत हैं। भारत और श्रीलंका के बीच सदियों पुराने आध्यात्मिक और आत्मीयता भरे संबंध हैं। मुझे यह बताते हुए अत्यंत खुशी है कि 1960 में मेरे गृह प्रदेश गुजरात के अरावली में मिले भगवान बुद्ध के शिलालेख श्रीलंका में दर्शन के लिए भेजे जा रहे हैं। त्रिंकोमाली के थिरुकोनेश्वरम मंदिर के पुनरुद्धार में भारत सहयोग देगा। अनुराधापुरम महाबोधी मंदिर परिसर में पवित्र नगर और नुरेलिया में सीता एलिया मंदिर के निर्माण में भी भारत सहयोग करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमने मछुआरों की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। हम सहमत हैं, कि हमें इस मामले में एक मानवीय दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना चाहिए। हमने मछुआरों को तुरंत रिहा किए जाने और उनकी नावों को वापस भेजने पर भी असरदार वार्ता की। हम आशा करते हैं कि श्रीलंका सरकार तमिलों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी।

अगली चैत्र...

हर गांव को एक करोड़ मिलेगा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सलियों से एक बार फिर अपील करते हुए कहा, अब वो जमाना चला गया, जब यहां पर गोलियां चलती थीं, बम धमाके होते थे, जिनके हाथों में हथियार हैं और जिनके हाथों में हथियार नहीं हैं, उन सभी नक्सलियों से आह्वान करता हूं कि आप हथियार डाल दीजिए और मुख्यधारा में शामिल हो जाइए। आप हमारे अपने हैं। कोई भी नक्सली मारा जाता है तो किसी को खुशी नहीं मिलती है, लेकिन इस क्षेत्र को विकास चाहिए। जो 50 साल में विकास नहीं हुआ वो हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच साल में करके दिखाना चाहते हैं, लेकिन यह तभी होगा जब बस्तर के अंदर शांति होगी। बच्चे स्कूल जाएंगे। यहां के लोगों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि अब तक साल 2025 में 521 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। साल 2024 में 881 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं, जो सरेंडर करेंगे वो मुख्यधारा में होंगे और जो हथियार लेकर रहेंगे उनके साथ सुरक्षाकर्मी सामना करेंगे। शाह ने अपने संकल्प को दोहराते हुए कहा कि मार्च 2026 से पहले देश नक्सल मुक्त होगा। आज धड़ल्ले से 50 हजार आदिवासी भाई-बहनों के साथ अष्टमी और रामनवमी मनाई जा रही है। जहां कभी-कभी गोलियां चलती थी अब वहां मशीनों की आवाज आ रही है। जहां कभी गांव वीरान थे। अब स्कूलों की घंटियां बज रही हैं। सड़क जहां स्वप्न था, वहां हाईवे बन रहे हैं। जहां बच्चा स्कूल जाने से डरता था, वहां कंप्यूटर पर बच्चा पूर्व विश्व के साथ बात कर रहा है। बस्तर का विकास इसलिए है कि अब कोई नक्सलवाद से जुड़ता नहीं है। विकास और विश्वास के साथ बस्तर के लोग आगे बढ़ रहे हैं।

समारोह में बड़ी संख्या में आए आदिवासियों से अमित शाह ने कहा, इस साल बस्तर पंडुम बस्तर के उत्सव के रूप में मनाया गया। लेकिन मैं मोदी जी का संदेश लेकर आया हूं। अगले साल बस्तर पंडुम, यही नाम के साथ देश के हर आदिवासी जिले से कलाकारों को हम यहां लाएंगे। यही नहीं हम बस्तर पंडुम को अंतरराष्ट्रीय दर्जा देने के लिए दुनियाभर के राजदूत जो राजधानी में हैं, उनको बस्तर में लाकर हमारी परंपराओं को, संस्कृति को और आदिवासी बच्चों की कला को पूरे विश्व में पहुंचाने का काम भाजपा की सरकार करेगी। 12 मार्च से लेकर आज तक जिला प्रशासन और संस्कृति विभाग ने पांच करोड़ का आवंटन किया है, जो सबसे पहला इतना बड़ा संस्कृतिक आयोजन है। स्थानीय कला और संस्कृति, पारंपरिक लोककलाएं, शिल्प, तीज-त्योहार, खान-पान, बोली-भाषा, रीति-रिवाज, वेशभूषा, आभूषण, वाद्य यंत्र, पारंपरिक गीत-संगीत, व्यंजन, पेय पदार्थ-इन सभी को मूल रूप में संवर्धित और संरक्षित करने का काम यह पंडुम करेगा।

अमित शाह ने अपने उद्बोधन के पूर्व बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी के दर्शन किए। इसके बाद वे बस्तर पंडुम कार्यक्रम शामिल हुए। उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी और माई दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम की शुरुआत की। मुख्यमंत्री साय और उप मुख्यमंत्री ने अमित शाह को गौर मुकुट पहनाया। साथ ही ध्रुवा जनजाति के प्रसिद्ध सिहाड़ी बीज से बनी माला पहनाकर उनका स्वागत किया। मां दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना करने के बाद अमित शाह सीधे दंतेवाड़ा के हाई स्कूल मैदान बस्तर पंडुम महोत्सव कार्यक्रम में पहुंचे जहां छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अमित शाह को गौर मुकुट पहनाया। साथ ही ध्रुवा जनजाति के प्रसिद्ध सिहाड़ी बीज से बनी माला पहनाकर बस्तरिया अंदाज में उनका स्वागत किया गया। इसके अलावा गृहमंत्री को बस्तर संभाग के कोंड़गांव जिले का प्रसिद्ध डोकरा आर्ट भेंट किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, मंत्री रामविचार नेताम, केदार कश्यप, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, दंतेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ, सचिव राहुल भगत, बस्तर के कमिश्नर डोमन सिंह, बस्तर के आईजी सुंदरराज पी, दंतेवाड़ा के एसपी गौरव रॉय सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम विष्णुदेव साय ने कहा, हमारे सुरक्षाबल के जवान बहुत ही मजबूती के साथ लड़ाई लड़ रहे हैं। नक्सल मोर्चे पर लगातार सफलता मिल रही है। हमें पूरा भरोसा है की मां दंतेश्वरी की कृपा से केंद्रीय गृहमंत्री का मार्च 2026 से पहले छत्तीसगढ़ सहित देश को नक्सलमुक्त करने का संकल्प पूरा होगा। छत्तीसगढ़ का बस्तर इलाका यहां का पर्यटन स्थल है, जो स्वर्ग जैसा है यहां पर फिर पुराना समय आएगा और देश-दुनिया के लोग आएंगे।

सीएम साय ने कहा, यह बस्तर पंडुम 45 दिनों तक चला है। यह ब्लॉक स्तर से शुरू होकर जिला और संभाग स्तर पर समापन हो रहा है। इसमें ओडिशा, कर्नाटक, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र के करीब 27 हजार कलाकारों ने हिस्सा लिया। इसमें आदिवासी संस्कृति, वेशभूषा, भाषा-शैली, साहित्य, खान-पान सब का समावेश हुआ। पीएम नरेंद्र मोदी की एक राष्ट्र और एक एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सपने को साकार किया है। बस्तर पंडुम 18 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए हैं। इसके पहले बस्तर ओलंपिक का भी शानदार आयोजन किया गया था। इसके बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पंडुम के कलाकारों का सम्मान किया।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी ने लोकल फॉर वोकल का नारा दिया है। हर उत्पाद को जीआई टैग से जोड़ने की व्यवस्था की है। आज बस्तर का शिल्प, बांस कला, बेल मेटल, टेराकोटा, चित्रकला, दिल्ली में सबको भेंट करने के काम आते हैं। इससे आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार मिलता है। बस्तर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों यहां के महापुरुषों को सम्मान दिलाने का कार्य केंद्र सरकार कर रही है। जो कभी कल्पना नहीं भी कर सकता था कि उन्हें पद्मश्री पुरस्कार मिलेगा। उन्हें ढूंढ करके सम्मान देने का कार्य भाजपा सरकार ने किया है। 75 साल में कोई भी आदिवासी राष्ट्रपति नहीं बना था। भाजपा ने द्रौपदी मुर्मू का देश का आदिवासी राष्ट्रपति बनाया। अगली बार के बस्तर पंडुम में खुद आदिवासी राष्ट्रपति आएंगी और इस आयोजन का उद्घाटन करेंगी।

वक्फ की...

इसका अर्थ है कि वक्फ से लाभान्वित होने का अधिकार हर जरूरतमंद को है। धर्म के आधार पर नहीं। पटना में वक्फ की बहुत प्रॉपर्टी है, लेकिन आप मुझे बताइए कोई एक संस्था है जो गरीब के लिए काम कर रही है। सिर्फ आपस में मुकदमेबाजी हो रही है। उन्होंने वैधता पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वक्फ की अवधारणा को मुस्लिम देशों में भी गैर-इस्लामी माना गया, लेकिन 1913 में मोहम्मद अली जिन्ना द्वारा पेश एक्ट ने इसे वैधता दी। अब आप बताइए, इस दशा क्या होनी चाहिए।

इससे पहले 3 अप्रैल को बिहार के राज्यपाल ने यूपी दौरे के वक्त कहा था, मैं कुछ समय तक यूपी में वक्फ मंत्रालय में रहा था। मैंने केस के अलावा कुछ नहीं देखा। 1980 में मुस्लिम महिला सुरक्षा अधिनियम पारित हुआ। इसमें कहा गया था कि अगर तलाकशुदा महिला की देखभाल करने वाले कोई नहीं है तो उसे वक्फ बोर्ड की तरफ से भत्ता दिया जाएगा। दो साल बाद मैंने संसद में पूछा कि वक्फ बोर्ड ने क्या प्रावधान किया है और तलाकशुदा महिला को भत्ते के रूप में कितने राशि दी जाती है। मुझे जवाब मिला कि किसी भी वक्फ बोर्ड ने एक पैसे का प्रावधान नहीं किया है। वक्फ बोर्ड की हालत यह है कि उसके पास इतनी सम्पत्ति है और उनके पास वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं।

उधर, उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष शादाब शम्स ने कहा कि जो लोग वक्फ (संशोधन) बिल का विरोध कर रहे हैं, वे पॉलिटिकल मुसलमान हैं। वे राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रस्त हैं। शादाब शम्स ने कहा कि इन दिनों वक्फ बिल के विरोध में पुतले दहन किए जा रहे हैं, जबकि पुतला दहन इस्लाम का हिस्सा नहीं है। इस्लाम में दहन का कोई कांसेप्ट ही नहीं है। उन्होंने सवाल पूछा कि क्या अरब में दहन होता है? शादाब शम्स ने कहा कि पुतले दहन करने वाले या तो मुसलमान नहीं हैं या फिर ये पॉलिटिकल मुसलमान हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग गरीब मुसलमानों को गुमराह कर रहे हैं लेकिन अब गरीब मुसलमान समझ रहा है कि उसकी लड़ाई पूंजीपति मुसलमान से है, वक्फ माफिया से है और ऐसे लोगों से है जो वक्फ को अपने तक सीमित रखना चाहते हैं।

शादाब शम्स ने कहा कि ऐसे लोग जो गरीब मुसलमानों से छुआछूत करते हैं आज मुसलमानों से इकट्ठा होने के लिए कह रहे हैं। शम्स ने कहा कि जब कब्रिस्तान में मुसलमान को दफन करने का वक्त आता है तो पसमांदा मुसलमानों के साथ छुआछूत होती है और वहां पता चलता है कि यह ऊंची जातियों के मुसलमानों का कब्रिस्तान है। शम्स ने कहा कि यहां छोटी जातियों के लोगों को दफन होने की भी इजाजत नहीं है और यही सच्चाई है। उन्होंने कहा कि जो छोटी जाति का और पसमांदा मुसलमान इस दर्द को महसूस कर रहा है और इस दर्द को समझने का काम प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने किया है। उन्होंने कहा कि गरीबों और पसमांदा के हक की लड़ाई अब बीजेपी पूरी ताकत से लड़ेगी।

वक्फ (संशोधन) बिल को लेकर देश भर में चल रही जोरदार राजनीतिक जंग के बीच कांग्रेस के सांसद मोहम्मद जावेद, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बाद आपा विधायक अमानतुल्ला खान ने भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। विपक्षी दलों का दावा है कि वक्फ बिल भेदभाव करता है और मुसलमानों को निशाना बनाने के लिए लाया गया है।

आर्थिक, सांस्कृतिक ...

सभी मित्र देश जो सागर की यात्रा में विशेषज्ञता और अनुभव साझा करने आए हैं, उनका भी आभार। मुझे खुशी है कि सागर पहल के 10 साल पूरे होने पर आईओएस सागर हिंद महासागर की यात्रा पर निकल रहा है। नौसैनिकों की यह तैनाती न सिर्फ भारत के बल्कि हिंद महासागर में हमारे सभी मित्र देशों के सहयोगात्मक प्रयास से हो रही है। आज ही के दिन लगभग एक सदी पहले पांच अप्रैल 1919 को सिंधिया स्टीम नेविगेशन कंपनी का एसएस लॉयल्टी नामक भारत का पहला व्यापारी जहाज मुंबई से लंदन के लिए रवाना हुआ था। उस दिन को याद रखने के लिए 1964 से ही हम पांच अप्रैल को राष्ट्रीय समुद्री दिवस मनाते हैं।रक्षा मंत्री ने कहा, हिंद महासागर की समुद्री सुरक्षा से भारत और तटवर्ती देशों का राष्ट्रीय हित भी बेहद घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। हमारे लिए हिंद महासागर क्षेत्र सिर्फ सुरक्षा की दृष्टि से ही अहम नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यापार, अर्थव्यवस्था, पर्यटन, संस्कृति और राष्ट्रीय हित को प्रभावित करता है। हम इस महत्व को न सिर्फ समझ रहे बल्कि इस दिशा में मिलकर काम भी कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि हम अपनी मौजूदगी से हिंद महासागर क्षेत्र को और ज्यादा शांत और समृद्ध बनाएं। हमारी नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में यह सुनिश्चित करती है कि कोई राष्ट्र अपनी अर्थव्यवस्था और सैन्य ताकत के दम पर किसी दूसरे राष्ट्र को दबा न सके। भारत यह सुनिश्चित करता है कि हिंद महासागर में किसी की संप्रभुता पर आंच आए बिना उनके हित को सुरक्षित किया जा सके।रक्षा मंत्री ने कहा, हिंद महासागर क्षेत्र में किसी भी आपदा या मुसीबत के समय भारतीय नौसेना प्रथम प्रतिक्रियादाता के तौर पर उभरी है। जहाज हाईजैक, समुद्री लुटेरों की करतूतें जैसी घटनाएं हिंद महासागर क्षेत्र में होती रहती हैं। ऐसी स्थिति में हमारी सेना जहाजों की सुरक्षा करती है। हिंद महासागर क्षेत्र में मुक्त परिवहन, शांति और स्थिरता सुनिश्चित करना हमारा उद्देश्य है। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस की अपनी यात्रा के दौरान सागर पहल से भी आगे बढ़कर महासागर पहल की बात की। यह सागर पहल से भी ज्यादा अग्रिम और सहयोगी बनेगा। उन्होंने कहा कि आईओएस सागर ऊंचाइयों को छुए। मैं आईओएस सागर के सदस्यों की सुरक्षित और यादगार यात्रा की कामना करता हूं।

तेलंगाना में ...

क्योंकि वह अपने परिवार के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहते हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, नक्सलियों ने मल्टी जोन-1 के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) एस चंद्रशेखर रेड्डी के सामने आत्मसमर्पण किया है। विज्ञप्ति के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वालों को तत्काल सहायता के रूप में 25-25 हजार रुपए दिए गए।

भद्रादी कोठागुडेम जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) बी रोहित राजू ने बताया कि चारों एरिया कमेटी सदस्यों (एसीएम) पर चार-चार लाख रुपये का इनाम था। उन्होंने बताया कि नक्सलियों ने ऑपरेशन चेयुथा के तहत आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने बताया कि सभी नक्सलियों ने आदिवासी समुदायों के लिए किए जा रहे विकास और कल्याणकारी पहलों के बारे में जानने के बाद आत्मसमर्पण करने का फैसला किया। पुलिस के अनुसार, इस वर्ष अब तक विभिन्न कैडर के 224 नक्सली पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित सीपीआई (एम) पुरानी विचारधारा पर काम कर रहा है। आदिवासियों के बीच विश्वास और समर्थन खोने के बाद उग्रवादियों ने मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया। तेलंगाना पुलिस ने माओवादियों से अपील की है कि जो भी आत्मसमर्पण करना चाहते हैं, वह अपने पारिवारिक सदस्यों के माध्यम से या व्यक्तिगत रूप से अपने निकटतम थाने या जिला अधिकारियों के पास आत्मसमर्पण कर सकते हैं।

पीएम मोदी के...

चीन ने श्रीलंका को भारी कर्ज देकर उस देश में अपने प्रभाव को मजबूत किया है, जिससे भारत के लिए चुनौती उत्पन्न होती रही है। मोदी का वर्तमान दौरा कोलंबो पर चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की भारत की रणनीति का हिस्सा रहेगा। रक्षा समझौते और अन्य सहयोगी परियोजनाएं श्रीलंका को भारत के साथ अधिक मजबूती से जोड़ने में मदद करेंगी।

कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि मोदी का श्रीलंका दौरा भारत की नेबर-फर्स्ट यानि पड़ोसी-प्रथम की नीति को और मजबूत करेगा। सामरिक मामलों के जानकार इसे हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की चुनौती का जवाब मानते हैं। रक्षा विश्लेषकों का कहना है कि यह दौरा भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाएगा और चीन के प्रभाव को कम करने में मदद करेगा। भारत ने पहले भी श्रीलंका को आर्थिक संकट से उबरने में मदद की है। इस दौरे के दौरान ऋण पुनर्गठन और आर्थिक सहायता पर चर्चा होने की संभावना है। इसके अलावा, ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए नई व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं।भारत और श्रीलंका के संबंध ऐतिहासिक और प्रगाढ़ रहे हैं। इन संबंधों में कुछ मील के पत्थर भी रहे हैं जिनको दर्ज कराने वाले अनेक समझौते हुए हैं। ये सभी समझौते दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करते आए हैं। भारत और श्रीलंका के बीच कुछ प्रमुख समझौतों की बात करें तो ध्यान में आता है साल 2000 में हुआ मुक्त व्यापार समझौता। इसने बेशक, दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा दिया है। इसके साथ ही आर्थिक और तकनीकी सहयोग समझौता भी मुक्त व्यापार समझौते पर आधारित है और आर्थिक तथा तकनीकी क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देता है। इसी तरह विशिष्ट डिजिटल पहचान परियोजना भारत द्वारा वित्त-पोषित है। इस परियोजना का उद्देश्य श्रीलंका में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना है। त्रिंकोमाली ऊर्जा केंद्र समझौता त्रिंकोमाली को एक क्षेत्रीय ऊर्जा और औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए हुआ है। सामरिक रक्षा सहयोग समझौते के तहत स्लिनेक्स और मित्र शक्ति जैसे संयुक्त सैन्य अभ्यास दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करते आए हैं। बेशक, भारत और श्रीलंका के बीच आर्थिक, सामरिक और सामाजिक सहयोग को नई ऊंचाई पर देने वाले ये सभी समझौते महत्वपूर्ण परिणाम दिखा रहे हैं। लेकिन चीन ने 2019 से 2024 के बीच उस टापू देश के अर्थतंत्र में दखल देकर उसकी कमर तोड़ने में कसर नहीं रखी थी। देश कंगाल होकर गृहयुद्ध की कगार पर पहुंच गया था। श्रीलंका के तत्कालीन नेतृत्व के हाथ से देश का नियंत्रण खो चुका था। लेकिन तब भी भारत ने कूटनीतिक माध्यमों द्वारा श्रीलंका की भरसक मदद करने का प्रयास किया।

प्रधानमंत्री मोदी का वर्तमान श्रीलंका दौरा भी दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के साथ ही क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने की दिशा में एक प्रभाव छोड़ेगा। लेकिन मूल सवाल यही है कि वहां चीन का प्रभाव कितना कम होगा। मोदी की कूटनीति के जानकार बताते हैं कि मोदी की कोशिश होगी कि श्रीलंका चीन के शिकंजे से बाहर आए और एक संप्रभु राष्ट्र के नाते विकास करे। इसका संकेत मिलने भी लगा है।

मैतेई और कुकी ....

यह बैठक मई 2023 से शुरू हुए दोनों समुदायों के बीच चल रहे संघर्ष का समाधान खोजने के लिए आयोजित की गई थी। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य मैतेई और कुकी समुदायों के बीच विश्वास और सहयोग बढ़ाना था, ताकि मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल की जा सके।

इस बैठक में ऑल मणिपुर यूनाइटेड क्लब्स ऑर्गेनाइजेशन (एएमयूसीओ) और फेडरेशन ऑफ सिविल सोसाइटी ऑर्गेनाइजेशन (एफओसीएस) के प्रतिनिधियों वाला छह सदस्यीय मैतेई प्रतिनिधिमंडल और करीब नौ प्रतिनिधियों वाला कुकी समुदाय का प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ। साथ ही इस बैठक में केंद्र सरकार के वार्ताकारों में इंटेलिजेंस ब्यूरो के सेवानिवृत्त विशेष निदेशक एके मिश्रा भी शामिल थे।3 जनवरी को मणिपुर के राज्यपाल का पदभार संभालने वाले अजय कुमार भल्ला अब तक लोगों से मिलकर राज्य में सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए फीडबैक ले रहे हैं। पूर्व केंद्रीय गृह सचिव भल्ला को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद चुना था। उन्हें मणिपुर जैसे अशांत राज्य में शांति बहाल करने का काम सौंपा गया था। इसके साथ ही राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद राज्यपाल ने शांति बहाल करने और सामान्य स्थिति वापस लाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें सुरक्षा बलों से हथियार लूटने वालों से आत्मसमर्पण करने की अपील भी शामिल है।इससे पहले गुरुवार को लोकसभा में मणिपुर पर हुई बहस के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर अपना पक्ष रखा था। उन्होंने कहा था कि गृह मंत्रालय ने पहले भी मणिपुर के मैतेई और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की है। उन्होंने बताया कि दोनों समुदायों के विभिन्न संगठनों के साथ अलग-अलग बैठकें भी की गई हैं। साथ ही इस बहस का जवाब देते हुए शाह ने कहा था कि गृह मंत्रालय जल्द ही एक संयुक्त बैठक बुलाएगा। उन्होंने ये भी कहा कि सरकार हिंसा को समाप्त करने के लिए काम कर रही है, लेकिन उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता राज्य में शांति स्थापित करना है।

मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। सीएम के इस्तीफे के साथ ही राज्य विधानसभा को निलंबित कर दिया गया है, जिसका कार्यकाल 2027 तक था। अब बात अगर पूरे घटनाक्रम पर करें तो मई 2023 में इम्फाल घाटी में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद अब तक करीब 260 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर दूसरे जगह भागना पड़ा है।

राम नवमी आज

रामनवमी हर साल चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाती है और इस साल यह तिथि आज 6 अप्रैल को है। इस दिन भगवान राम की पूजा की जाती है और उनके जन्मोत्सव का आयोजन किया जाता है। भगवान राम का जन्म त्रेता युग में धरती से नकारात्मक शक्तियों को खत्म करने के लिए हुआ था। भगवान राम ने माता कौशल्या की कोख से जन्म लिया था। कौशल्या, राजा दशरथ की पत्नी थीं। उन्होंने त्रेतायुग में श्रीराम को जन्म दिया। श्रीराम, भगवान विष्णु के 7वें अवतार माने जाते हैं। राम नवमी के शुभ अवसर पर अपने-अपने घरों में भगवान राम की पूजा करने का खास महत्व होता है और इस दिन भगवान राम को पालने में झूला झुलाया जाता है और उनके प्रिय व्यंजनों का भोग लगाया जाता है।

रामनवमी तिथि कब से कब तक

इस साल राम नवमी आज मनाई जाएगी। हिंदू पंचांग के अनुसार, चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 5 अप्रैल को शाम 7 बजकर 26 मिनट पर शुरू होगी और यह तिथि अगले दिन,आज शाम 7 बजकर 22 मिनट पर समाप्त होगी। इसलिए, पंचांग के अनुसारआज राम नवमी मनाई जाएगी। अयोध्या के मंदिरों में भी इसी दिन राम नवमी की पूजा की जाएगी।

रामनवमी पर ग्रहों के शुभ योग

अबकी बार रामनवमी के दिन रवि पुष्य योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग पूरे दिन रहेगा। ऐसे में इस दिन आप किसी भी समय पूजा-पाठ व अन्य शुभ काम कर सकते हैं। इस दिन लोग नए व्यवसाया का उद्घाटन और गृह प्रवेश करना भी बहुत शुभ मानते हैं। इस दिन को शुभ कार्य करने के लिए बहुत अबूझ मूहूर्त माना जाता है।

रामनवमी का इतिहास

राम नवमी का हिंदू धर्म में बहुत महत्व है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन भगवान राम का जन्म हुआ था जो कि भगवान राम विष्णु के 7वेंअवतार माने जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं में बताया गया है कि चैत्र शुक्ल नवमी के दिन अयोध्या के राजा दशरथ के घर माता कौशल्या की कोख से विष्णु अवतार राम का जन्म हुआ था, इसलिए, इस दिन को रामनवमी के रूप में पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। भगवान राम का जन्म चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को हुआ था। प्रत्येक वर्ष इस दिन को भगवान राम के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है। भगवान राम का जन्म मध्याह्न काल में हुआ था, जो कि हिन्दु काल गणना के अनुसार दिन के मध्य का समय होता है। राम नवमी पूजा अनुष्ठान आदि करने हेतु मध्याह्न का समय सर्वाधिक शुभ होता है।. मध्याह्न काल छह घटी (लगभग 2 घण्टे, 24 मिनट) तक रहता है। मध्याह्न के मध्य का समय श्री राम जी के जन्म के क्षण को दर्शाता है तथा मन्दिरों में इस क्षण को भगवान श्री राम के जन्म काल के रूप में मनाया जाता हैं। इस दौरान भगवान श्री राम के नाम का जाप और जन्मोत्सव अपने चरम पर होता है।

पश्चिमी घड़ी तथा ग्रेगोरियन कैलेण्डर के व्यापक उपयोग के कारण लोग दोपहर के 12 बजे के समय को मध्याह्न काल मानने लगे हैं। यह समय सही हो सकता था, यदि क्रमशः सूर्योदय एवं सूर्यास्त सटीक प्रातः 6 बजे तथा साँयकाल 6 बजे होता। किन्तु अधिकांश स्थानों पर सूर्योदय एवं सूर्यास्त का समय छह बजे से भिन्न समय पर होता है। इसीलिये, अधिकांश भारतीय नगरों के लिये भगवान राम का जन्मोत्सव मनाने का सर्वोत्तम समय सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे के मध्य आता है। द्रिक पञ्चाङ्ग सभी शहरों के लिये हिन्दु मध्याह्न क्षण की सूची प्रस्तुत करता है तथा इस समयावधि का ही उपयोग श्री राम जी का जन्मोत्सव मनाने हेतु करना चाहिये। अयोध्या भगवान श्री राम का जन्मस्थान है तथा यहाँ मनाया जाने वाला राम नवमी समारोह अद्भुत एवं विलक्षण होता है। राम नवमी के अवसर पर दूर-दूर से श्रद्धालु अयोध्या आते हैं। सरयू नदी में पवित्र स्नान करने के पश्चात् भक्तगण श्री राम जी के जन्मोत्सव में भाग लेने हेतु राम मन्दिर जाते हैं।

राम नवमी के समय आठ प्रहर उपवास करने का सुझाव दिया जाता है। जिसका अर्थ है कि, भक्तों को सूर्योदय से सूर्योदय तक व्रत पालन करना चाहिये। राम नवमी का व्रत तीन भिन्न-भिन्न प्रकार से मनाया जा सकता है, नैमित्तिक - जिसे बिना किसी कारण के किया जाता है, नित्य - जिसे जीवन पर्यन्त बिना किसी कामना एवं इच्छा के किया जाता है तथा काम्य - जिसे किसी विशेष मनोरथ की पूर्ती हेतु किया जाता है।

रामनवमी का महत्व

राम नवमी का महत्व इसलिए भी है क्योंकि इस दिन पूजा-पाठ करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। राम नवमी के महात्म्य की बात करें तो इस दिन घर में पूजा पाठ करने और हवन करने से घर में सुख और संपन्नता बढ़ती है। मान्यता है कि इससे माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में धन की वृद्धि होती है। माता सीता को लक्ष्मी का रूप माना जाता है। कहते हैं रामनवमी के दिन भगवान राम के साथ माता सीता की पूजा करने से मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। रामनवमी की पूजाविधि रामनवमी के दिन सुबह उठकर स्नान करें और साफ कपड़े पहनें। भगवान राम की मूर्ति स्थापित करें। उन्हें गंगाजल, पंचामृत, फूल और फल अर्पित करें। रामचरितमानस का पाठ करें या सुनें। भगवान को पीले फलों और गेहूं के आटे से बनी पंजीरी का भोग लगाएं और आरती से पूजा खत्म करें। इसके बाद गरीबों को दान दें। पूजा के अंत में भगवान से क्षमा याचना करना न भूलें।

प्रभु राम के जीवन से सीखें ये 5 बातें, सफलता चूमेगी कदम

रामनवमी के विशेष अवसर पर भक्ति भाव के साथ भगवान राम की पूजा-अर्चना की जाती है। रामायण ग्रंथ मुख्य रूप से प्रभु श्रीराम की भक्ति पर आधारित है। भगवान श्रीराम मानव मात्र के प्रेरणा स्रोत भी हैं। ऐसे में आप भगवान राम से कुछ शिक्षाएं ले सकते हैं, जिन्हें जीवन में आत्मसात करने से आपको जीवन में सकारात्मक बदलाव देख सकते हैं।

सबसे बड़ी सीख

भगवान राम ने कभी भी अपनी मर्यादाओं का उल्लंघन नहीं किया, इसलिए वह मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाते हैं। हर व्यक्ति को भगवान राम का यह गुण अपने जीवन में जरूर अपनाना चाहिए। आप चाहें जीवन में किसी भी मुकाम पर हों, लेकिन अपनी सीमाओं को कभी लांघना नहीं चाहिए। आपका यह गुण आपको महान बनाता है।

जरूर अपनाएं ये गुण

कर्तव्यनिष्ठा भगवान राम के सबसे महान गुणों में से एक है। उन्होंने राजगद्दी का त्याग कर अपने पिता द्वारा माता कैकेयी को दिए गए वचन को निभाया और वनवास स्वीकार किया। इससे उन्होंने अपने पुत्र होने का कर्तव्य निभाया। ऐसे में अगर हर व्यक्ति पूरी ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्य का पालन करता है, तो उसके सभी काम सफल होने लगते हैं।

कभी नहीं मिलेगा हार

भगवान राम के चरित्र से प्रेम, त्याग और धैर्य के भाव की सीख भी जरूर लेनी चाहिए। अपने भाइयों के प्रति प्रेम, पुत्र धर्म की रक्षा के लिए राजपाट का त्याग और इतनी कठिनाइयों के बाद भी धैर्य रखना, उनके इन सभी गुणों को प्रदर्शित करता है। अगर आप अपने जीवन में भगवान राम के इस सभी गुणों को अपनाते हैं, तो इससे निश्चित रूप से लाभ देख सकते हैं।

मिलती है सफलता

आप राम जी के जीवन से यह सिख ले सकते हैं कि अपने लक्ष्य का पीछा तब तक न छोड़ें, जब तक की आप उसे प्राप्त न कर लें। क्योंकि अगर आप पूरी मेहनत और लगन के साथ लक्ष्य प्राप्ति में लग जाते हैं, तो वह आपको हासिल होकर ही रहता है। रामकथा से भी हमें यही सीख मिलती है कि अंत में सफलता जरूर मिलती है।

राम नवमी पर प्रभु श्रीराम को लगाएं उनके ये प्रिय भोग और जरूर करें ये दान

राम नवमी का पर्व भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। हिंदू धर्म में इस पर्व का विशेष महत्व है। राम नवमी के दिन भगवान श्री राम की पूजा-अर्चना के साथ ही उन्हें विशेष भोग लगाए जाते हैं और दान-पुण्य किया जाता है। राम नवमी पर भगवान श्री राम को कुछ खास चीजों का भोग लगाया जाता है।

राम नवमी पर प्रभु को लगाएं ये भोग

पंचामृत – राम नवमी पर भगवान श्री राम को पंचामृत का भोग लगाना बहुत शुभ माना जाता है। इससे अन्न और धन में वृद्धि होती है।

खीर – खीर भगवान श्री राम का प्रिय भोग है। राम नवमी पर उन्हें खीर का भोग जरूर लगाना चाहिए। इससे सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

हलवा – राम नवमी पर भगवान श्री राम को हलवा का भोग भी लगाया जाता है। इससे घर में सुख-शांति बनी रहती है।

पंजीरी – राम नवमी पर भगवान श्री राम को पंजीरी का भोग भी लगाया जाता है। इससे अर्पित करने से जीवन में शुभता आती है।

करें इन चीजों का दान

राम नवमी के दिन दान-पुण्य करना बहुत शुभ माना जाता है। इस दिन आप गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र, धन और अन्य आवश्यक वस्तुओं का दान कर सकते हैं।

अनाज–राम नवमी पर अनाज का दान करना बहुत शुभ माना जाता है। आप गेहूं, चावल, दाल और अन्य अनाज का दान कर सकते हैं।

वस्त्र – राम नवमी पर वस्त्र का दान करना भी बहुत शुभ माना जाता है। आप गरीबों और जरूरतमंदों को वस्त्रों का दान कर सकते हैं।

धन – राम नवमी पर धन का दान करना भी बहुत शुभ माना जाता है। ऐसे में आप अपनी क्षमता के अनुसार धन का दान कर सकते हैं।

भोजन – राम नवमी पर भोजन का दान करना सबसे बड़ा दान माना जाता है। आप गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन करा सकते हैं।

राम नवमी का धार्मिक महत्व

राम नवमी का पर्व भगवान श्री राम के आदर्शों और मूल्यों का प्रतीक है। यह पर्व हमें सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। राम नवमी के दिन का बड़ा धार्मिक महत्व है। इस दिन भगवान श्री राम की पूजा-अर्चना करने और दान-पुण्य करने से सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। इसके साथ ही जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

जीवन का आधार हैं भगवान राम

विश्व भर में रामराज्य की कल्पना को एक आदर्श के रूप में देखा जाता है, क्योंकि रामराज्य एक नैतिक और न्यायिक राज्य का प्रतीक है, राम के राज्य में तानाशाही का कोई स्थान नहीं रहा। विश्व की कई संस्कृतियों में राम शब्द आदर्श का प्रतीक माना जाता रहा है। इसीलिए रामायण जैसा ग्रंथ आज भी प्रासंगिक बना हुआ है। हमारी व्यक्तिगत धारणाएं जो भी हों, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि राम के जीवन की कथा रामायण विश्व सभ्यता की मूलभूत कथाओं में से एक है।

हजारों सालों से लाखों जीवन का आधार राम रहे हैं। इस बात पर गौर करना महत्वपूर्ण है कि वह कोई धार्मिक व्यक्तित्व नहीं हैं। कोई भी धर्म उन पर पूरी तरह दावा नहीं कर सकता। न ही इस राम कहानी में किसी भी बिंदु पर राम खुद को एक हिंदू घोषित करते हैं। अगर राम इस विश्व के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आदर्श हैं, तो इसलिए क्योंकि वह स्थिरता, संतुलन, शांति, सत्य, पवित्रता, करुणा और न्याय के प्रतीक हैं। हम उन्हें इसलिए पूजते हैं क्योंकि उनमें एक महान सभ्यता के निर्माण के लिए जरूरी गुण समाए हैं।

आज का आधुनिक मन यह सोचकर हैरान हो सकता है कि हम राम की पूजा क्यों करते हैं। आखिरकार, उनके जीवन की कहानी कोई कामयाबी की कहानी नहीं है। बल्कि उनके जीवन में लगातार विपत्तियां आती रहीं, उनके जैसे कुछ ही लोग एक ही जीवनकाल में इतनी विपत्तियों से गुज़रते हैं। राम अपने पिता के सिंहासन के उत्तराधिकारी हैं पर वह अपने पिता के कहने पर राज्य छोड़ देते हैं और वनवास स्वीकार कर लेते है। वनवास में अपनी पत्नी खो देते हैं, जिसे वापस लाने के लिए उन्हें युद्ध लड़ना पड़ता हैं, और अपनी पत्नी को वापस लाते हैं। फिर भी उनको लोगों की आलोचना और छींटाकशी का शिकार बनना पड़ता है, जिसके बाद वह एक बार फिर अपनी पत्नी को जंगल भेज देते हैं। और भी दुर्भाग्य देखिए उनकी प्रिय रानी को दुखद रूप से जंगल में बच्चों को जन्म देना पड़ता है। और फिर विडंबना देखिए, राम अपने ही बच्चों से युद्ध करते हैं, क्योंकि वे उन्हें नहीं पहचानते। और अंत में, जिस एक स्त्री से उन्होंने हमेशा प्रेम किया, वह सीता उनके सामने ही मृत्यु को प्राप्त होती हैं। देखा जाए तो राम की कहानी एक शोकपूर्ण कहानी है। लेकिन अगर हम उन्हें पूजते हैं, तो इसलिए क्योंकि उन्होंने अपना जीवन इस खास तरह से जिया, उन्होंने अपनी विफलताओं को भव्यता, गरिमा, साहस और धैर्य से संभाला। उनका आदर इसलिए नहीं किया जाता कि वह बाहरी दुनिया के विजेता थे, वह भीतरी जीवन के विजेता हैं, क्योंकि वह विपरीत परिस्थितियों में डगमगाते नहीं हैं। आज तथाकथित आधुनिक दृष्टि अपनाते हुए राम के जीवन में दोष ढूंढना संभव है। लोग दोष ढूंढ भी रहे है। सीता के प्रति राम के बर्ताव को स्त्री के प्रति अन्याय मान सकते हैं, या वानरों के चित्रण को नीचा दिखाने वाला और किसी खास जाति पर केंद्रित मान सकते हैं। दरअसल अतीत में जाकर किसी भी व्यक्तित्व को उठाकर उसकी चीर-फाड़ करना बहुत आसान है। मगर इससे पहले कि हम आसानी से फैसले करते हुए राम के व्यक्तित्व को खारिज कर दें, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मानवता को आदर्शों की जरूरत है।हम देखें कि कौन सी चीज़ राम को इतना असाधारण बनाती है। कई हज़ार साल पहले, जब दुनिया के अधिकांश हिस्सों में शासक सिर्फ विजेता थे, जो अक्सर बर्बर हुआ करते थे - उस समय राम ने मानवता, त्याग और न्याय की अनुकरणीय भावना का प्रदर्शन किया। रावण को मारने के बाद भी उनकी आँखों में क्रोध नहीं दिखता, वह गिरे हुए रावण के शव के पास आते हैं और उन्हें जो कार्य करना पड़ा, उसके लिए पश्चाताप करते हैं। अपने जीवन की सारी चुनौतियों के बीच, वह कभी अपना संतुलन नहीं खोते, कभी मन में कड़वाहट या प्रतिशोध नहीं रखते। वह काफी हद तक छल-कपट या राजनीति से दूर रहते हैं और अपनी शक्ति के दुरुपयोग को लेकर बहुत सतर्क रहते हैं। समभाव रखने वाले राम समग्रता और आत्म-त्याग का जीवन जीते हुए एक मिसाल पेश करते हैं, वे अपनी प्रजा के लिए अपनी खुशी त्यागने के लिए तैयार हैं। सबसे बढ़कर, मुक्ति को महत्व देने वाली संस्कृति में वह नकारात्मकता, स्वार्थ और अधमता से ऊपर उठकर आज़ादी के प्रतीक हैं। राम नायक इसलिए नहीं हैं, क्योंकि उनका जीवन परिपूर्ण है, बल्कि इसलिए हैं क्योंकि वह एक असाधारण जीवन जीते हैं। इसीलिए उन्हें मर्यादा पुरुष कहा जाता है।

राम का जीवन आदर्श विश्व संस्कृति और आध्यात्म को पोषित करता है। मानव को मानव की तरह बने रहने और मानव की तरह ही व्यवहार करने की प्रेरणा देता है। राम का स्वयं का जीवन तो प्रेरणा देता ही उनके सहचरों का जीवन भी कम प्रेरणादायी नहीं है। समर्पण और धैर्य के साथ परिस्थितियों पर विजय कैसे हो सकते है, यह समाज को राम का जीवन सिखाता है।

–संदीप सृजन

सोनी राजदान ने दिखाई आलिया भट्ट के बचपन की झलक

आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान ने सोशल मीडिया पर अपनी लाडली के बचपन के दिनों की तस्वीरों को शेयर किया है। महेश भट्ट की पत्नी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी और आलिया की छुट्टियों की तस्वीरें शेयर कीं।तस्वीरों के साथ सोनी राजदान ने कैप्शन में लिखा, आलिया और मेरे द्वारा साझा की गई यात्रा की यादें।

पहली कैंडिड तस्वीर में छोटी आलिया कैमरे के सामने पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। इस खास पल को फिर से याद करते हुए, सोनी राजदान ने तस्वीर पर लिखा, हमारी यादों को याद करते हुए। यह तस्वीर मुझे बहुत पसंद है... यह वह क्षण है जब आलिया को एहसास हुआ कि वह पहली बार विदेश यात्रा कर रही है।मां-बेटी की जोड़ी वाली दूसरी तस्वीर पर लिखा है, इस पल में, जब आलिया और उसकी दोस्त अपनी बेहतरीन छुट्टियों का आनंद ले रही थीं। मैं उस वक्त गुम हुए रिटर्न टिकट को लेकर परेशान थी।तीसरी तस्वीर में सोनी राजदान छोटी आलिया को गोद में लिए दिखाई दी। उन्होंने लिखा, इस तस्वीर के क्लिक होते ही आलिया रोने लगी क्योंकि वह अपने पालतू जानवर को होटल में नहीं ला सकी थी। अगली तस्वीर के कैप्शन में लिखा है, इस एक ट्रिप पर उसे पता ही नहीं था कि हमारी कार खराब हो गई है और मुझे कैब नहीं मिली तो मैं उसे लेकर कितनी दूर तक पैदल चलकर होटल पहुंची थी।सोनी राजदान ने आलिया और रणवीर सिंह के साथ वीडियो भी शेयर किया। कैप्शन में उन्होंने लिखा, आलिया और रणवीर की यह पोस्ट मुझे मेरे शुरुआती ट्रैवलिंग दिनों की याद दिलाती है। इसलिए, यह देखकर दिल खुश हो जाता है कि पिछले 25 सालों में भारत का पर्यटन कितना विकसित हो गया है। आलिया और उनकी मां सोनी राजदान के साथ अक्सर खूबसूरत जगहों पर जाकर एक साथ क्वालिटी टाइम बिताते हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो 32 वर्षीय अभिनेत्री आलिया जल्द ही संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' में पति रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ दिखाई देंगी। साल 2022 में आई फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में उनकी सफल साझेदारी के बाद, भंसाली के साथ आलिया का यह दूसरा प्रोजेक्ट है।

वहीं, 'लव एंड वॉर' में आलिया भट्ट और विक्की कौशल दूसरी बार स्क्रीन पर साथ नजर आएंगे, इससे पहले वे साल 2018 की जासूसी थ्रिलर फिल्म 'राजी' में साथ काम कर चुके हैं।

ज्ञानवापी फाइल्स का पहला पोस्टर जारी, दर्जी कन्हैया लाल की भूमिका में नजर आए विजय राज

दर्जी कन्हैया लाल की क्रूर हत्या पर आधारित फिल्म ज्ञानवापी फाइल्स: ए टेलर मर्डर स्टोरी की पिछले काफी समय से चर्चा हो रही है।खास बात यह है कि इस फिल्म के हीरो विजय राज हैं। वह फिल्म में दर्जी कन्हैया लाल की भूमिका में नजर आएंगे।अब ज्ञानवापी फाइल्स का पहला पोस्टर सामने आ गया है, जिसमें विजय दर्जी कन्हैया लाल के किरदार में दिखाई दे रहे हैं।फिल्म की रिलीज तारीख से भी पर्दा हो गया है।ज्ञानवापी फाइल्स को 27 जून, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, उस कहानी के गवाह बनें, जिसे बताया जाना चाहिए।दरअसल, कन्हैया लाल की जून 2022 में उदयपुर में दो हमलावरों ने दिनदहाड़े सिर काटकर हत्या कर दी थी।बाद में हमलावरों ने हत्या की बात कबूल करते हुए एक वीडियो जारी किया, जिसमें दावा किया गया कि यह नुपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने का बदला था।

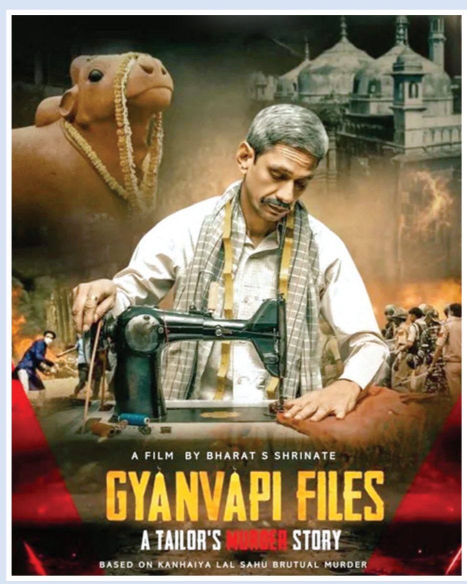

दिशा पाटनी का ग्लैमरस तस्वीर हुई वायरल

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी अपने स्टाइलिश और बोल्ड लुक्स के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ बेहद ग्लैमरस तस्वीरें और वीडियो शेयर किए हैं, जो तेजी से वायरल हो रहा हैं। इन तस्वीरों में दिशा सिल्वर कलर की शिमरी ड्रेस में नजर आ रही हैं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत और हॉट लग रही हैं। उनकी अदाओं और स्टाइल ने फैंस को दीवाना बना दिया है। दिशा की इन तस्वीरों पर फैंस लगातार कमेंट कर रहे हैं। किसी ने उन्हें सुपर हॉट कहा तो किसी ने गॉर्जियस क्वीन। पोस्ट को अब तक लाखों लाइक्स मिल चुके हैं और इसमें अर्जुन कपूर का भी लाइक शामिल है।यह पहली बार नहीं है जब दिशा का ग्लैमरस अवतार वायरल हुआ हो। वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं, जिन पर फैंस खूब प्यार लुटाते हैं। उनकी फिटनेस और स्टाइलिश लुक्स भी लोगों के बीच चर्चा का विषय बने रहते हैं।

दिशा पाटनी के इस लेटेस्ट फोटोशूट ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस और स्टाइलिश एक्ट्रेसेस में से एक हैं।

नंदमुरी कल्याण राम की अर्जुन सन ऑफ वैजयंती 18 को रिलीज

अभिनेता नंदमुरी कल्याण राम की बहुप्रतीक्षित एक्शन ड्रामा अर्जुन सन ऑफ वैजयंती के निर्माताओं ने गुरुवार को घोषणा की कि यह फिल्म इस साल 18 अप्रैल को दुनिया भर में रिलीज होगी।फिल्म का निर्माण करने वाले प्रोडक्शन हाउस एनटीआर आर्ट्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह घोषणा की। उसने एक पोस्ट में लिखा, अर्जुन जिन्होंने कुरुक्षेत्र में कुंती देवी के लिए युद्ध किया। अर्जुन सन ऑफ वैजयंती 18 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक्शन और भावनाओं से भरपूर फिल्म है।नंदमुरी कल्याण राम ने भी रिलीज की तारीख की घोषणा करने वाला पोस्टर शेयर किया और लिखा, 18 अप्रैल को सिनेमाघरों में मिलते हैं।फिल्म के निर्माताओं ने कुछ दिनों पहले ही टीजर जारी किया था, जिससे पता चला कि फिल्म की कहानी एक मां, जो एक पुलिस अधिकारी भी है, और उसके बेटे के बीच संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है।दर्शकों की दिलचस्पी इस बात से और बढ़ गई है कि विजयशांति इस फिल्म में वैजयंती आईपीएस नामक किरदार निभा रही हैं। यह एक ऐसा किरदार है जिसे विजयशांति ने अपनी पुरानी फिल्मों में से एक में निभाया था, जो सुपरहिट साबित हुई और जिसे एक कल्ट क्लासिक माना जाता है।प्रदीप चिलुकुरी के निर्देशन में बनी अर्जुन सन ऑफ वैजयंती का निर्माण

मुप्पा और सुनील बालुसु कर रहे
ग्राफी राम प्रसाद ने किया है,
जनीश लोकनाथ ने इसका संगीत
किया है। संपादन तम्मीराजू ने
है और पटकथा श्रीकांत विसा
लिखी है।नंदमुरी कल्याण राम
र विजयशांति के अलावा,
ल्म में सोहेल खान, सई
ांजरेकर, श्रीकांत और
थ्वीराज भी अहम भूमिकाओं
ं होंगे।फिल्म की पटकथा
ीकांत विसा ने लिखी है,
बकि कला निर्देशन ब्रह्मा
कदली ने किया है। फिल्म
एक्शन सीन्स को
कृष्ण और पीटर हेन ने
रियोग्राफ किया है।

फैशन आकर्षक के साथ कंफर्टेबल भी होना चाहिए : नुपुर सेनन

गायिका और अभिनेत्री नूपुर सेनन लैक्मे फैशन वीक 2025 में शामिल हुईं। उन्होंने बताया कि गर्मियों के मौसम में खुद को कूल कैसे रखें। इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं को फैशन के बारे में टिप्स भी दिए।अभिनेत्री ने बताया, मुंबई में गर्मियों में आइसक्रीम की जरूरत होती है। तो निश्चित रूप से मैग्नम आइसक्रीम आपको खाना चाहिए। मुझे लगता है कि गर्मियों में आप भले ही पसीना बहाएं, मगर नियमित वर्कआउट करते हैं और उसके साथ अपने मौज-मस्ती को भी जारी रखते हैं, तो भले ही गर्मी है, आप उस समय मैग्नम ब्लॉसम खा सकते हैं और खुद को कूल भी रख सकते हैं।मनपसंद आइसक्रीम का खुलासा करने के बाद, अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें मुंबई का कौन सा स्ट्रीट फूड पसंद है। उन्होंने कहा, मैं मुंबई में रहती हूं और मुझे मुंबई का बॉम्बे सैंडविच सबसे ज्यादा पसंद है, जिसमें आलू और कुछ चटनी होती है।अभिनेत्री ने अपने खुद के क्लॉथ ब्रांड के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, मेरे पास अपना खुद का कपड़ों का ब्रांड है, जिसका नाम लेबल नोवो है। कोई भी स्टार्टअप कंपनी मुझसे जुड़ सकती है।अभिनेत्री ने फैशन के बारे में भी अपने विचार रखे। उन्होंने बताया, मेरा विचार फैशन को लेकर स्पष्ट है, जो हमेशा आपको फैशनेबल के साथ आकर्षक भी बनाए, लेकिन वह कंफर्टेबल भी होना चाहिए।

मैं अपने फैशन के जरिए हर महिला को और भी ऑप्शन देना चाहती हूं।किसी खास इवेंट के लिए पहनावा और स्टाइल के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं अपने फैशन को पूरी तरह से स्टाइलिस्ट पर नहीं छोड़ती। स्टाइलिस्ट आपकी मदद करते हैं, वे आपके फिगर स्टाइलिंग को बेहतर ढंग से समझते हैं, लेकिन मैं फैशन के साथ कंफर्ट और स्टाइल को साथ में लेकर चलती हूं।इसके साथ ही, अभिनेत्री ने अपने प्रशंसकों के लिए फैशन को लेकर एक संदेश भी दिया। उन्होंने कहा, आप जैसे हैं, वैसे ही रहें। किसी को भी अपने फैशन को एक प्रकार के रूप में परिभाषित न करने दें और उन ब्रांड्स से खरीदारी करें जो आपको आपके हिसाब से फैशन में ढाल सकें।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में योजनाएं बनाकर काम करने से सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन–जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी–छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। लेन–देन से बचें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाहा स्थानांतरण या पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। यात्रा पर जाने से बचें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। गृह–नक्षत्रों की स्थिति अनुकूल रहने से भाग्य–वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ दिन आनंद–पूर्वक बीतेगा। सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जाने का आयोजन हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन–देने और कोर्ट–कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। विद्यार्थियों को सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार–धंधा मध्यम रहेगा और कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में आ–शानुरूप सफलता नहीं मिलने से मन में व्यग्रता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा। धन व्यय की अधिकता रहेगी। सेहत का ध्यान रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार विस्तार की योजनाएं बनाएंगे। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन किसी बात को लेकर विवाद होने की भी आशंका रहेगी। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। सेहत का ध्यान रखें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आ–शानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार–धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा, लेकिन वाणी पर नियंत्रण रखना होगा, वरना किसी से विवाद होने की आसंका रहेगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। परिजन–मित्रों के साथ किसी यात्रा या पिकनिक पर जा सकते हैं। सेहत भी बनी रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और कारोबार विस्तार की योजनाएं बनेंगी, लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन–देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने से खुश रहेंगे। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन और मित्रों का भी भरपूर सहयोग मिलेगा। जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच–समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। सेहत को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 06 अप्रैल 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 07:26 तक
नक्षत्र : पुष्य अहोरात्र
योग : सुकर्मा रात्रि 06:54 तक
करण : बालव प्रातः 07:22 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:12 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्रीराम नवमी , दुर्गा नवमी , रविपुष्य सिद्धि योग अहोरात्र

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में कांग्रेस की ज़मीनी ताकत को मिला नया विस्तार

11 नई जिला कांग्रेस कमेटियों को मिली मंजूरी, प्रदेश में हुई 50 जिला कमेटियां

जयपुर,05 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति इन दिनों करवट ले रही है। सियासत के इस दौर में जहां सत्ता का गणित पल-पल बदलता है, वहीं कांग्रेस ने अपने संगठन को फिर से ज़मीन से जोड़ने की ठानी है। 11 नई जिला कांग्रेस कमेटियों के गठन को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की मंजूरी के साथ अब राज्य में कुल 50 जिला कांग्रेस कमेटियाँ हो गई हैं। ये आंकड़ा सिर्फ एक गिनती नहीं, बल्कि एक संदेश है – संगठन अब फिर से खेत–खलिहान, चौपाल और गलियों तक पहुंचना चाहता है। यह फैसला किसी आंकड़ेबाज़ी या रस्मी कवायद से कहीं ज़्यादा है। यह उस आत्ममंथन का परिणाम है जो कांग्रेस ने हार और हताशा के बीच खुद से किया। पार्टी अब उन जिलों में भी अपनी आवाज़ बुलंद करना चाहती है, जहां अब तक संगठनात्मक संरचना अधूरी थी। यह विस्तार सिर्फ जिलों की संख्या नहीं बढ़ा रहा, बल्कि

स्थानीय नेतृत्व को सशक्त कर रहा है।

11 नए जिलों में संगठन का गठन, उन कार्यकर्ताओं के लिए भी उम्मीद की लौ है, जो सालों से सिर्फ एक झंडा उठाकर चलते रहे लेकिन कभी मंच नहीं मिला। अब उन्हें ज़िम्मेदारी भी मिलेगी और प्रतिनिधित्व भी। यह कांग्रेस के उस डीएनए की वापसी है, जिसमें 'हर कार्यकर्ता एक सैनिक है' की भावना थी। राजनीतिक दृष्टि से देखा जाए तो यह कदम आने वाले समय के लिए बड़ी बुनियाद साबित हो सकता है। पंचायत से लेकर विधानसभा तक, संगठनात्मक ताकत ही किसी भी पार्टी की रीढ़ होती है। कांग्रेस, जो हालिया वर्षों में कई राज्यों में कमजोर हुई, अब राजस्थान में खुद को फिर से खड़ा करने की जद्दोजहद में है।

इस पूरे घटनाक्रम में एक भावनात्मक पहलू भी है – यह उन बुजुर्ग कांग्रेसजनों के लिए एक सुकून की बात है, जो वर्षों से पार्टी के पुनर्गठन की उम्मीद में बैठे थे। यह एक भरोसे का दस्तावेज़ है, जो बताता है कि कांग्रेस अभी भी ज़मीन छोड़ने को तैयार नहीं है।

टेक्सटाइल एवं अपैरल पॉलिसी 2025

बदलते वैश्विक परिदृश्य में वस्त्र निर्यातकों के लिए गेम चेंजर साबित होगी नई नीति

जयपुर,05 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान राज्य से होने वाले कुल निर्यात की शीर्ष पांच वस्तुओं में शामिल वस्त्र उद्योग प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ है। प्रदेश में 'फाइबर से फैशन तक' के विजन के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश में 'राजस्थान टेक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी–2025' लागू की है। यह नीति प्रदेश को आधुनिक टेक्सटाइल एवं अपैरल विनिर्माण के नये केन्द्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण पहल साबित होगी। अमेरिका द्वारा रेसिप्रोकल टैरिफ लागू किए जाने के बाद बदलते वैश्विक परिदृश्य में राजस्थान के वस्त्र निर्यातकों के लिए यह नीति गेम चेंजर भी साबित होने जा रही है।

राजस्थान टेक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी–2025 में निर्यातकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश में पहली बार गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को भी शामिल किया गया है। साथ ही इस नीति में प्राकृतिक एवं कृत्रिम फाइबर के उत्पादन को बढ़ाने से लेकर तकनीकी टेक्सटाइल्स और वस्त्र विनिर्माण,

हैण्डलूम, ऊन प्रसंस्करण, चमड़े के उत्पाद, फुटवियर जैसे संबंधित क्षेत्रों को भी समाहित किया गया है। इस नीति में टेक्सटाइल उद्यमियों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता, कुशल कार्यबल, पर्यावरणीय चुनौतियां के समाधान व लॉजिस्टिक्स सहित आधारभूत सुविधाओं के विकास और निर्यात प्रोत्साहन के लिए पर्याप्त और आकर्षक वित्तीय इन्सेंटिव्स के प्रावधान किए गए हैं।

नई राजस्थान टेक्सटाइल एवं अपैरल पॉलिसी के तहत जहां एक ओर वस्त्र व परिधान क्षेत्र के उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए 10 वर्षों तक 80 करोड़ रूपये वार्षिक तक का एसेट क्रिएशन इंसेंटिव, भूमि/भवन क्रय या लीज पर स्टांप ड्यूटी व पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट, बिजली उपभोग पर 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी छूट प्रदान की जाएगी।वहीं पर्यावरणीय समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इस नीति में ग्रीन सॉल्यूशन इंसेंटिव के तहत 12.5 करोड़ रूपये तक 50 प्रतिशत, अक्षय ऊर्जा संयंत्रों के लिए बैंकिंग, व्हीलिंग व ट्रांसमिशन शुल्क का 100 प्रतिशत, पेटेंट/कॉपीराइट लागत का 50 प्रतिशत एवं भूमि रूपांतरण शुल्क का 100 प्रतिशत पुनर्भरण के प्रावधान किए गए हैं। इसी तरह निर्यात इकाइयों को फ्रेट चार्ज पर 25 प्रतिशत तथा कार्मिक प्रशिक्षण लागत का 50 प्रतिशत पुनर्भरण का प्रावधान किया गया है।

भजनलाल ने वाइब्रेंट विलेज्स कार्यक्रम–2 के लिए पीएम मोदी का जताया आभार

जयपुर,05 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी प्रदान किए गए 'वाइब्रेंट विलेज्स कार्यक्रम–2' को सीमावर्ती क्षेत्रों के गांवों के समग्र विकास की दिशा में सशक्त पहल बताया है। उन्होंने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया । शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित गांवों में बुनियादी ढांचे के विकास एवं नागरिकों के जीवन स्तर को अधिक बेहतर बनाने में परिवर्तनकारी सिद्ध होगा।

उल्लेखनीय है कि वाइब्रेंट विलेज्स कार्यक्रम द्वितीय के अन्तर्गत राजस्थान, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, जम्मू और कश्मीर (यूटी), लद्दाख (यूटी), मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्–तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के गांवों को शामिल किया जाएगा तथा इस पर कुल 6 हजार 839 करोड़ रुपये का परिव्यय होगा।

महिलाएं नई पीढ़ी में संस्कृति और संस्कारों की संवाहक : दिया कुमारी

जयपुर,05 अप्रैल (एजेंसियां)। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा राजस्थान प्रदेश सभा के महिला प्रकोष्ठ की प्रादेशिक कार्यकारिणी शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को विद्याधरनगर में संपन्न हुआ। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें महिला सशक्तिकरण की दिशा में नित नए आयाम स्थापित कर प्रदेश की माताओं–बहनों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि जांगिड़ ब्राह्मण समाज के द्वारा समाज के उत्थान के लिए समय–समय पर की जा रही सामाजिक सेवा की गतिविधियां प्रशंसनीय हैं। आज महिलाएं इतनी सशक्त और जागरूक है और समाज सेवा व उत्थान के लिए अपना योगदान दे रहीं है।उन्होंने कहा कि जांगिड़ ब्राह्मण समाज द्वारा समय–समय पर सामाजिक सरोकार के कार्य किये जाते रहें हैं। समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है और उनकी प्रतिभा को पहचानकर उन्हें अवसर भी दिए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित राजस्थान के निर्माण के लिए हम सभी मिलकर सामूहिक प्रयास करें, ऐसे में जरूरी है कि समाज में हमारे भविष्य रूपी बच्चों को शिक्षित किया जाए, बेटियों को पढ़ाया जाए, उन्हें प्रोत्साहित किया जाए, महिलाओं को सशक्त बनाया जाए, युवाओं को आत्मनिर्भर बनायें, खिलाडियों को प्रोत्साहित किया जाए, नवपीढ़ी में संस्कारों का संचार किया जाए। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार महिलाओं के समुचित विकास के लिए काम कर रही है जिसके तहत लखपति दीदी सोलर दीदी जैसी कई योजनाएं सामने हैं जिसके लिए सबको मिलकर काम करना है।

दिया कुमारी ने किए कुलदेवी श्री जमुवाय माता के दर्शन

जयपुर,05 अप्रैल (एजेंसियां)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नवरात्रि के पावन अवसर पर शनिवार को कुलदेवी श्री जमुवाय माता, श्री शिला माता मंदिर और मनसा माता के दर्शन कर पूजा–अर्चना की। इस दौरान उन्होंने प्रदे–शवासियों की सुख–समृद्धि एवं मंगलमय जीवन के लिए प्रार्थना की। उप मुख्यमंत्री ने श्री जमुवाय माता मंदिर के विकास और सड़क कार्य का भी जायजा लिया।

फिर जेल से मोबाइल बरामद

सीएम भजनलाल को जान से मारने की धमकियों के बीच श्यालावास जेल की सुरक्षा पर सवाल

दौसा,05 अप्रैल (एजेंसियां)। सेंट्रल जेल श्यालावास की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। शुक्रवार रात जेल परिसर में हुई तलाशी के दौरान एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। जेल प्रशासन ने इस मामले में पापड़दा थाने में एफआईआर दर्ज कराई है, और पुलिस अब मामले की जांच में जुटी है।

यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब हाल के महीनों में इस जेल से दो बार राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकियां दी जा चुकी हैं। इन गंभीर घटनाओं के बाद खुद एडीजी जेल रुपिन्दर सिंह ने श्यालावास जेल का दौरा कर सघन जांच अभियान चलवाया था। बावजूद इसके, एक बार फिर मोबाइल की बरामदगी से जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं।पिछले एक वर्ष में सीएम को धमकी देने वाले मामलों में जेल प्रहरी, कम्पाउंडर समेत कई कर्मचारियों की भूमिका उजागर हो चुकी है। कुछ की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। लेकिन

मोबाइल और सिम जैसे प्रतिबंधित उपकरणों का लगातार मिलना इस ओर इशारा करता है कि जेल के भीतर अब भी मिलीभगत और अंदरूनी सांठगांठ का सिलसिला थमा नहीं है।

एडीजी जेल ने अपने पिछले दौरे में माना था कि कई बार जेल स्टाफ की संलिप्तता सामने आती है, जिनके खिलाफ विभागीय और पुलिस कार्रवाई की जाती है। उन्होंने यह भी कहा था कि तकनीकी प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है ताकि जेलों की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जा सके।

युवाओं ने ठान लिया, हरियाणा को नशा मुक्त प्रदेश बनाना है : सीएम

हिसार,05 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शनिवार को नशा मुक्ति अभियान के तहत साइक्लोथॉन 2.0 को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि हरियाणा के युवाओं ने ठान लिया है कि प्रदेश को नशा मुक्त बनाना है। सीएम सैनी ने कहा, पीएम मोदी ने नशे के खिलाफ कहा है कि नशा परिवार और समाज के लिए खतरा बनकर सामने आता है, इसलिए इस खतरे को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए जरूरी है कि हम सभी एकजुट होकर इस दिशा में आगे बढ़ें।

उन्होंने आगे कहा कि आज नशा एक फैशन बन गया है। हमारे युवा अपने दोस्तों के बहकावे में नशा करने लगते हैं। नशीली पदार्थ का सेवन सिर्फ स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि समाज के लिए भी घातक साबित होता है। हमारी कई पीढ़ियां नशे के कारण बर्बाद हो रही हैं। नशे के कारण अपराध करने से भी लोग गुरेज नहीं करते हैं, इसलिए नशे के खिलाफ हम सभी को एकजुट होना होगा।

सीएम सैनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, नशे का नाश करने के उद्देश्य से आज दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर माता रानी का आशीर्वाद लेकर हिसार से 'साइक्लोथॉन 2.0' शुरू की है। सभी प्रदेश के परिवारजनों को बधाई एवं शुभकामनाएं। नशे के विरुद्ध इस लड़ाई में साथ आने, साथ चलने और साथ मिलकर लड़ने के लिए आप सबका धन्यवाद। नशे के खिलाफ शुरू हुई साइकिल यात्रा के मंगलमय और सफल होने की कामना करता हूं। लोकसभा और राज्यसभा में वक्फ बिल पारित होने के बाद विपक्ष के विरोध पर सीएम सैनी ने मीडिया से कहा कि कांग्रेस ने तुष्टीकरण की राजनीति की और 2013 में वक्फ अधिनियम लेकर आई। इससे वक्फ बोर्ड, (मुस्लिम) समुदाय और देश को भी नुकसान हुआ। कांग्रेस ने जो भी गलत किया, उसे पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार सही कर रही है।

पीएम मोदी द्वारा हिसार एयरपोर्ट का उद्घाटन किए जाने पर उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी ली है।

नायब सैनी ने हिसार के कैमरी रोड पर स्थित जलघर का किया औचक निरीक्षण

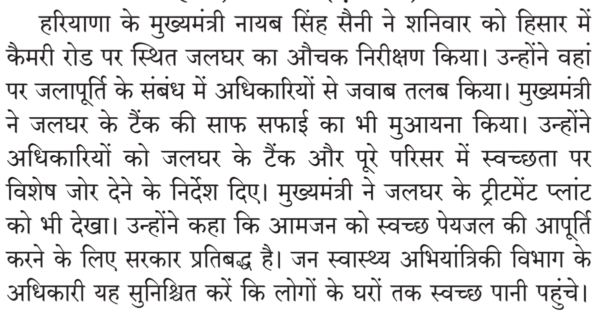

हिसार,05 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को हिसार में कैमरी रोड पर स्थित जलघर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वहां पर जलापूर्ति के संबंध में अधिकारियों से जवाब तलब किया। मुख्यमंत्री ने जलघर के टैंक की साफ सफाई का भी मुआयना किया। उन्होंने अधिकारियों को जलघर के टैंक और पूरे परिसर में स्वच्छता पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जलघर के ट्रीटमेंट प्लांट को भी देखा। उन्होंने कहा कि आमजन को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि लोगों के घरों तक स्वच्छ पानी पहुंचे।

पिंजौर में बनेगी 100 एकड़ की फिल्म सिटी, गुरुग्राम में भी प्रक्रिया जारी : सैनी

रोहतक,05 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार फिल्म जगत को बढ़ावा देने और कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए दो चरणों में फिल्म सिटी का निर्माण करेगी। पहले चरण में पंचकूला जिले के पिंजौर में 100 एकड़ भूमि पर फिल्म सिटी बनाई जाएगी। इसके लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है और कंसलटेंट नियुक्त करने की प्रक्रिया जारी है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। दूसरे चरण में गुरुग्राम में फिल्म सिटी का निर्माण होगा, जिसके लिए भूमि चयन की प्रक्रिया चल रही है। यह जानकारी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय फिल्म महोत्सव के समापन समारोह में

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन फिल्म सिटी के बनने से सिनेमा जगत से जुड़े कलाकारों को न केवल लाभ मिलेगा, बल्कि प्रदेश में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने इस अवसर पर श्रेष्ठ फिल्मकारों को पुरस्कृत किया और विश्व संवाद केंद्र को 21 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा की। फिल्म जगत की मांगों पर मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि दूरदर्शन पर सप्ताह में एक बार हरियाणवी फिल्म का प्रदर्शन शुरू कराने के लिए प्रसार भारती से बातचीत की जाएगी।

इसके अलावा, दादा लखमी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (सुपवा) को प्रदेश के प्रत्येक विश्वविद्यालय में फिल्म मेकिंग कोर्स शुरू करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। हर स्कूल में थिएटर एजुकेशन शुरू करने के लिए भी सुपवा शिक्षा विभाग के साथ मिलकर प्रयास करेगा।

सिंगल स्क्रीन सिनेमाघरों को पुनर्जीवित करने की मांग पर उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने क्षेत्रीय सिनेमा को बढ़ावा देने के लिए फिल्म प्रमोशन बोर्ड का गठन किया है, जो कला एवं सांस्कृतिक मामले विभाग के साथ मिलकर नीति निर्धारण का कार्य करेगा। उन्होंने फिल्म सब्सिडी के लंबित पांच आवेदनों का भुगतान अगले 30 दिनों में करने और नए आवेदन आमंत्रित करने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की माटी वीरता, कला और संस्कृति का अनमोल संगम है। यह फिल्म महोत्सव हरियाणवी संस्कृति, कला और भाषा के प्रति गहरी आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में फिल्म उद्योग के लिए अपार संभावनाएं हैं और सरकार ने इसे साकार करने के लिए फिल्म एवं मनोरंजन नीति लागू की है, जिसके तहत ऑनलाइन शूटिंग परमिशन दी जाती है। सरकार का लक्ष्य हरियाणा को फिल्म निर्माताओं के लिए एक आकर्षक केंद्र बनाना है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों के हित में हैः भाजपा प्रवक्ता

पटना (एजेंसियां)।

वक्फ बिल संशोधन पर बिहार में जारी सियासी घमासन के बीच भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों के हित में है। इस विधेयक से गरीब मुसलमानों को लाभ मिलेगा और वह नए सिरे से अपना विकास कर सकेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज हुसैन शनिवार को समस्तीपुर में कहा कि विपक्ष लोगों को गुमराह कर डरा रहा है। इस विधेयक के पास होने के बाद उन्हें सोशल मीडिया पर लगातार धमकियां दी जा रही हैं और गालियां दी जा रही हैं। ऐसे लोगों को वह ट्रेस कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड में जहां-जहां भ्रष्टाचार है, वह अब समाप्त हो जाएगा। उन्होंने मुसलमानों से कहा कि वे आराम से इस बिल को पढ़ें फिर अपनी प्रतिक्रियाएं दें। पिछले दिनों इफ्तार पार्टी को लेकर जिस तरह से जदयू और लोजपा को लेकर कहा गया था कि वक्फ बोर्ड अमेंडमेंट बिल का अगर समर्थन जदयू और लोजपा देगी, तो मुसलमान इसका विरोध करेंगे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के नेताओं के इस्तीफे के सवाल पर उन्होंने कहा कि जदयू के कुछ नेता त्यागपत्र दे रहे हैं। उनमें कोई बड़ा नाम नहीं है। वह भी अपने को ड्रामा कर रहे हैं। इससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। यह बिल मुसलमानों के हित में है। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बेहतरीन सरकार चल रही है। सुबह से शाम तक वह सरकार के कामकाज में लगे रहते हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक से एनडीए के वोट में बढ़ोतरी होगी। आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए को फायदा मिलने वाला है और एनडीए 200 से पार जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबका साथ, सबका विकास की तर्ज पर काम कर रहे हैं। गरीब मुसलमान की आर्थिक स्थिति में सुधार आए, इसीलिए इस बिल को लाया गया है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट पर हाय तौबा मचाया गया था, लेकिन क्या वह बिल मुसलमानों के विरोध में था? आज तक कितने मुसलमानों को देश से निकाला गया? विपक्ष को इसका जवाब देना चाहिए। विपक्ष देश की जनता को अब गुमराह नहीं कर सकती है। बिहार की जनता लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी ऐसे लोगों को जवाब देगी।

वक्फ संशोधन बिल का चिराग के चाचा पारस ने कर दिया विरोध

मौलिक अधिकार का हनन हो रहा

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार में वक्फ संशोधन बिल को लेकर सियासी घमासान जारी है। अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रमुख सहयोगी रह चुकी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी इस बिल के खिलाफ खड़ी हो गई है।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के चाचा पशुपति पारस ने वक्फ संशोधन बिल का विरोध कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैं इस बिल का पुरजोर विरोध करता हूं। पारस के इस बयान ने एनडीए के अंदर मतभेद की बात को उजागर कर दिया है। एक दिन पहले ही सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के कई मुस्लिम नेताओं ने इस्तीफा दे दिया था। अब पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस के इस बयान ने सियासी गर्मी बढ़ा दी है।

एनडीए सरकार में केंद्रीय मंत्री रह चुके पशुपति पारस ने भारत की तुलना एक बगीचे से की। कहा कि भारत एक बगीचा है। इस बगीचे में सभी प्रकार के फूल खिलते हैं। इसी तरह इस देश में हिंदू, मुस्लिम, सिख इसाई, दलित, महादलित, उच्च नीच, आगरा पिछड़ा सभी धर्म के लोग रहते हैं और सभी का अपना-अपना अधिकार है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने जिस संविधान को बनाया था उसे संविधान के आधार पर सभी को जीने का मौलिक अधिकार है। इस विधेयक ने एक समुदाय की भावनाओं को आहत किया है।

पारस ने कहा कि जदयू में खुद टूट है। भाजपा में हो चाहे जदयू में चाहे किसी भी राजनीतिक पार्टी में जितने भी अकलियत के लोग हैं, उनके मौलिक अधिकार का हनन हो रहा है। इसको लेकर स्वाभाविक तौर पर पार्टी में विरोध होगा। वहीं उन्होंने यह भी बताया कि मेरे बड़े भाई दिवंगत रामविलास पासवान ने जी बिल का विरोध हमेशा से कर रहे थे। बता दें कि पारस के भतीजे ने इस बिल के समर्थन में चिराग पासवान ने वोट किया है।

सिपाही को पीटने वाले थानेदार पर गिरी गाज, सीनियर एसपी ने कर दिया निलंबित

दरभंगा(एजेंसियां)।

दरभंगा में एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने फेकला थानाध्यक्ष मोती कुमार को निलंबित कर दिया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने चालक सिपाही देव कुमार पासवान को ड्यूटी के दौरान पीटा था। चालक सिपाही ने डीआईजी स्वप्ना जी मेश्राम और एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई थी। इसके बाद एसएसपी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सर्किल इंस्पेक्टर से जांच कराई। सर्किल इंस्पेक्टर की जांच रिपोर्ट के आधार पर एसएसपी ने मोती कुमार को निलंबित कर दिया है। उन्हें तीन दिन पूर्व ही थानाध्यक्ष बनाया गया था।

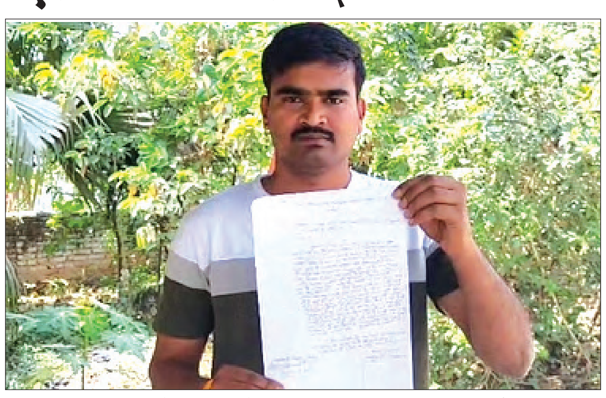

चालक देव कुमार पासवान ने अपने थानाध्यक्ष मोती कुमार पर पीटने के साथ-साथ जातिसूचक गाली देने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि 31 मार्च की रात हरिपट्टी गांव में हुए ट्रक दुर्घटना में दबे चालक को निकालने जाने के लिए चौकीदार गनौर पासवान थाना के ऊपरी तल्ले पर गए थे। उन्होंने कहा कि तैयार होकर साहब बुला रहे हैं। इस दौरान थानाध्यक्ष का फोन आया कि 'कहां हो तुम?' उन्होंने कहा कि 'तैयार हो रहे हैं।' इसके बाद उन्हें नीचे आने को कहा गया। नीचे आने के दौरान फिर कॉल आया 'कहां हो?' तो उन्होंने कहा 'नीचे आ रहा हूं।' इतना सुनते ही थानेदार ने गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। जब उन्होंने गाली देने का विरोध किया तो थानाध्यक्ष ने उनकी पिटाई कर दी थी। इस बात की शिकायत उन्होंने अगले दिन एसएसपी जगुनाथ रेड्डी से की थी। एसएसपी के निर्देश पर सर्किल इंस्पेक्टर की जांच रिपोर्ट पर कार्रवाई की गई है।

दरअसल, 31 मार्च की रात में अनियंत्रित ट्रक चालक ने हरिपट्टी गांव में एक मकान से टकरा गया था। इस दुर्घटना में चालक केबिन में ही फंसा रह गया था। आरोप है कि यदि पुलिस समय पर पहुंचकर चालक को निकालकर अस्पताल पहुंचा देती, तो उसकी मौत शायद नहीं होती। ग्रामीणों ने काफी देर तक थाना को फोन किया था, लेकिन पुलिस काफी देर से पहुंची। इसके बाद जेसीबी मंगवाकर फंसे चालक को निकाला गया। तबतक उसकी मौत हो चुकी थी। मृत चालक की पहचान मुजफ्फरपुर निवासी बैजनाथ यादव के रूप में हुई थी।

सीएम नीतीश कुमार की पार्टी को फिर लगा झटका

अब औरंगाबाद के सात नेताओं ने दिया इस्तीफा

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

वक्फ संशोधन विधेयक के कारण सीएम नीतीश कुमार की पार्टी को बिहार में झटका लगने का सिलसिला जारी है। अब औरंगाबाद में जदयू के मुस्लिम नेताओं ने इस्तीफा दे दिया। वक्फ संशोधक विधेयक पर जदयू के स्टैंड नाराज सात मुस्लिम नेताओं ने अपने सर्मथकों के साथ मिलकर पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इन नेताओं ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता त्याग दी। इस्तीफा देने वालों में समता पार्टी के रूप में स्थापना काल से 27 वर्षों से जुड़े जदयू के जिला उपाध्यक्ष जहीर अहसन आजाद जिला महासचिव व अधिवक्ता अतहर हुसैन, मंटू, जदयू नेता व जिला कार्यकम कार्यान्वयन समिति (20 सूत्री) के सदस्य मो. इलियास खां, जदयू नेता व वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मो. फारूक अंसारी, पार्टी नेता व पूर्व वार्ड पार्षद सैयद अनवर हुसैन, जदयू नेता व वार्ड पार्षद खुर्शीद अहमद, पार्टी नेता फखरे आलम, जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष मोजफ्फर इमाम कुरैशी एवं उनके दर्जनों समर्थक जदयू नेता शामिल हैं।

इन नेताओं ने शनिवार को प्रेसवार्ता कर जदयू की प्राथमिक सदस्यता और पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देने की घोषणा की। कहा कि वक्फ संशोधन बिल 2024 का समर्थन करने वाले नीतीश कुमार सेकुलर नही रह गए है। उनके चेहरे से सेकुलर होने का मुखौटा उतर गया है। नीतीश कुमार पंगु बन कर रह गए है। नेताओं ने कहा कि जिस तरह जदयू के केंद्रीय मंत्री ललन सिंह लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल 2024 पर अपना पक्ष रख रहे थे, तो ऐसा लग रहा था कि कोई भाजपा का मंत्री बोल रहा है। वक्फ संशोधन बिल को लेकर जमीयतुल उलेमा हिंद, मुस्लिम पर्सनल लॉ, इमारत शरिया जैसे मुस्लिम संगठनों के जिम्मेदारों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बात करने की कोशिश की लेकिन मुख्यमंत्री किसी से नहीं मिले और न ही वक्फ संशोधन बिल पर कुछ बोला बल्कि उन्होंने व्हिप जारी कर लोकसभा एवं राज्यसभा में बिल का सर्मथन कराया।

वही जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भेजे इस्तीफा पत्र में जिला महासचिव जहीर अहसन आजाद ने कहा है कि बहुत ही अफसोस के साथ मैं जनता दल यूनाईटेड की प्राथमिक सदस्यता एवं पद से त्याग पत्र दे रहा हूं। मैं समता पार्टी के स्थापना काल से ही पार्टी के सिपाही के रूप में काम करता रहा हूं। जब जनता दल से अलग होकर तालकटोरा स्टेडियम दिल्ली में 12 सांसदो के साथ जब जनता दल जॉर्ज का गठन हुआ था, तो मैं भी वहां मौजूद था। इसके बाद समता पार्टी बना तो मैं जिला का कोषाध्यक्ष बनाया गया। इसके बाद जनता दल यूनाईटेड का गठन हुआ तो भी मैं जिला का कोषाध्यक्ष था।

इस बीच जिला विधि संध का अध्यक्ष, राज्य परिषद का सदस्य, तीन बार पार्टी का जिला निवार्ची पदाधिकारी नियुक्त किया गया। बिहार प्रदेश जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ट का महासचिव भी रहा। अभी मुझे जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेंदारी दी गई थी, जिसे बखूबी निभा रहा था लेकिन बहुत ही भारी मन से पार्टी से अलग हो रहा हूं।

जदयू अब सेक्युलर नहीं रहा। ललन सिंह और संजय झा भाजापा से मिल कर पार्टी को बर्बाद कर दिए। पूरे भारत के मुसलमानों को पूरा भरोसा था कि जदयू वक्फ बिल के विरूद्ध जाएगा लेकिन जदयू ने पूरे भारत के मुसलमानों के भरोसे को तोड़ा और धोखा दिया और वक्फ बिल का समर्थन कर दिया।

सीएम नीतीश कुमार ने वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय का किया निरीक्षण

पटना (एजेंसियां)।

सीएम नीतीश कुमार ने शुक्रवार को वैशाली जिले के वैशालीगढ़ स्थित निर्माणाधीन बुद्ध सम्यक दर्शन-सह-स्मृति स्तूप का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने पूरे परिसर के निर्माण एवं विकास कार्यों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने बुद्ध स्तूप के भू-तल एवं प्रथम तल का निरीक्षण कर वहां चल रहे निर्माण कार्यों की जानकारी ली।

उन्होंने ध्यान केन्द्र का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप के निर्माण कार्य की प्रगति की अद्यतन जानकारी देते हुए बताया कि इसका निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है और बचे हुए कार्य को एक माह में पूर्ण कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने योजना के मुख्य अवयवों- बुद्ध स्तूप की आकृति (पत्थर की संरचना), संग्रहालय ब्लॉक, पुस्तकालय एवं ध्यान केन्द्र, आगंतुक केंद्र, अतिथि गृह, प्रदर्श और परिदर्शक केंद्र के संबंध में विस्तृत जानकारी ली और स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्यों का बारिकी से अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने परिसर में बने तालाब और लगाए गए पेड़-पौधों का जायजा लिया। उन्होंने मेकिंग ऑफ बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप की गैलरी का भी निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हम यहां हमेशा आते रहे हैं और यहां के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते रहे हैं। हमने बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय सह स्मृति स्तूप के निर्माण को लेकर जो निर्देश दिये थे, उसके अनुरूप कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करें। परिसर का स्वरूप पर्यावरणीय दृष्किोण से बेहतर बनाएं ताकि आने वाले पर्यटकों को इस जगह पर एक अलग अनुभूति हो। उन्होंने कहा कि आवागमन को भी बेहतर किया जा रहा है, ताकि पर्यटक यहां आसानी से और कम समय में पहुंच सकें। यहां अधिक-से-अधिक संख्या में पर्यटकों के आने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैशाली ऐतिहासिक और पौराणिक जगह है। भगवान बुद्ध के जितने भी अस्थि कलश मिले हैं, उसमें वैशाली में मिला अस्थि कलश सबसे प्रमाणिक है।

बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने के बाद यहां बौद्ध भिक्षुओं के साथ-साथ बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक भी आएंगे। यहां आनेवाले लोग बुद्ध के बारे में कई और जानकारियों से अवगत होंगे। बोधगया और राजगीर आनेवाले श्रद्धालु भी यहां आएंगे। बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय में महात्मा बुद्ध के जीवन से संबंधित घटनाओं और बौद्ध धर्म से जुड़े प्रसंगों को यहां दर्शाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले वैशालीगढ़ की क्या स्थिति थी और बाद में हमने इसको विकसित करने को लेकर जो योजना बनाई, उसके तहत जो कार्य किए गए हैं, उसकी भी विवरणी को यहां दर्शाया जा रहा है, इससे लोग जान सकेंगे कि इस ऐतिहासिक धरोहर को विकसित करने के लिए कितने कार्य किए गए हैं।

इस अवसर पर भवन निर्माण मंत्री जयंत राज, विधायक सिद्धार्थ पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव सह भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के सचिव प्रणव कुमार, तिरहुत प्रमंडल के आयुक्त एन सर्वानन, तिरहुत प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक चंदन कुमार कुशवाहा, वैशाली के जिलाधिकारी यशपाल मीणा, वैशाली के पुलिस अधीक्षक ललित मोहन शर्मा, बोधगया टेंपल मैनेजमेंट कमिटी की सचिव महाश्वेता महारथी सहित अन्य अधिकारीगण एवं अभियंतागण उपस्थित थे।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचला, मौके पर ही मौत

भागलपुर (एजेंसियां)।

भागलपुर शहर में शनिवार को रफ्तार का कहर एक बार फिर देखने को मिला, जब लोदीपुर थाना गेट के ठीक सामने एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया।

हादसा इतना भयावह था कि युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटनास्थल पर मौजूद लोगों की मानें तो यह हादसा अचानक बाइक के असंतुलित हो जाने के कारण हुआ, जिससे युवक ट्रक के बीच वाले पहिए के नीचे आ गया और उसकी जान चली गई।

चश्मदीदों के अनुसार, ट्रक भागलपुर की ओर से गोराडीह की ओर जा रहा था, जबकि युवक अपनी बाइक पर गोराडीह की ओर से शहर की दिशा में आ रहा था। लोदीपुर थाना गेट के सामने जैसे ही बाइक सड़क पर बने एक ब्रेकर के पास पहुंची, वह अचानक असंतुलित हो गई और फिसलकर ट्रक के नीचे चली गई। ट्रक के भारी पहिए ने युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे की खबर फैलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए। स्थानीय लोगों में आक्रोश और गम का माहौल देखा गया। कुछ देर के लिए सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को शांत कराया और यातायात को सुचारु रूप से बहाल किया।

पुलिस ने मृतक के शव को मायागंज अस्पताल भेज दिया है, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की जाएगी। साथ ही घटना में शामिल बाइक और ट्रक को जब्त कर लिया गया है। लेकिन हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। हालांकि सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है कि युवक एक रेपो कंपनी में एजेंट के तौर पर कार्यरत था। युवक के मोबाइल पर उस कंपनी से लगातार कॉल आ रहे थे, जिससे यह कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि पुलिस की ओर से इस बात की अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान करने के लिए आस-पास के थानों और लोगों से संपर्क साधा जा रहा है। ट्रक चालक के फरार होने के कारण उसकी तलाश भी तेज कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य जानकारियों के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com